शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 116 | गुवाहाटी | शनिवार, 19 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विद्यार्थियों में जाति-प्रमाण पत्र वितरित पेज 3
आतंकवाद से ज्यादा खतरनाक है आतंकवाद का वित्तपोषण : शाह पेज 4
योगी आदित्यनाथ गुजरात में आज से गरजेंगे पेज 5
कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को खून से लिखा पत्र पेज 8

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

लाचित बरफुकन जयंती : सप्ताहव्यापी राज्यस्तरीय समारोह शुरू

राज्य के लोग लाचित दिवस पर मिट्टी के दीये जलाएं : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुगल आक्रमणकारियों को हराने वाले राष्ट्रीय नायक की वीरता और बलिदान को याद करने के लिए महान सेनापति महावीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती को इस वर्ष असम सरकार बेहद भव्य रूप में मना रही है। इस कड़ी में शुक्रवार से राज्यव्यापी सप्ताह पर चलने वाले विभिन्न कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इसी कड़ी में आज राष्ट्रीय नायक लाचित बरफुकन की वीरता और बलिदान की याद में सेना, वायु सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी, आईटीबीपी, सीआईएसएफ, आरपीएफ और असम पुलिस के साथ-साथ एनसीसी के कैडरों सहित देश के वर्दीधारी बल के जवानों ने गुवाहाटी के खानापाड़ा स्थित पशु चिकित्सा खेल मैदान दिसपुर तक मार्च पास्ट किया। इस तरह के कार्यक्रम राज्य की विभिन्न जिलों में भी आयोजित किए गये। लाचित दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को दिल्ली में दी। मुख्यमंत्री ने असम के लोगों से 24 नवंबर को लाचित दिवस के अवसर पर अपने घरों में मिट्टी के दीये जलाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम में 18 नवंबर से और राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 23 से 25 नवंबर तक समारोह आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 23 नवंबर को एक प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 24 नवंबर को मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर की शोभा बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को समापन समारोह में शामिल होंगे। विज्ञान भवन में लाचित बरफुकन पर एक किताब का विमोचन और महान योद्धा पर एक वृत्तचित्र का भी प्रदर्शन किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू 23 नवंबर को सुंदर पार्क में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। डॉ. शर्मा ने कहा कि राज्य के भीतर और बाहर महान योद्धा की पवित्र स्मृति को बरकरार रखने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही देश के अन्य हिस्सों में -शेष पृष्ठ दो पर

तेरह वामपंथी चरमपंथियों का आत्मसमर्पण : असम पुलिस

डिब्रूगढ़ / सिलचर। डिब्रूगढ़ जिला पुलिस के समक्ष नौ माओवादियों ने शुक्रवार को आत्मसमर्पण कर दिया। जिले के पुलिस अधीक्षक श्वेतांग मिश्रा ने बताया कि एसआईबी और सीआरपीएफ की 171वीं बटालियन के सहयोग से 9 माओवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों की पहचान अजय साबार, भारत तांती, अमित मुरा, अमित सिंह राउता, मोहन मुरारी, अजीत उरांग, दीपेन मानकी, विपुल तांती और मिंटू भौमिज के रूप में की गई है। उधर भाकपा (माओवादी) के दिग्गज नेता अरुण कुमार भट्टाचार्जी -शेष पृष्ठ दो पर

सड़क उखड़ी तो ठेकेदार को करना होगी मरम्मत : मेघालय एचसी

शिलांग। मेघालय हाईकोर्ट ने सड़क निर्माण को लेकर एक अहम आदेश दिया। इसमें में कहा गया है कि यदि निर्माण पूर्ण होने के बाद निर्धारित अवधि में सड़क उखड़ती या खराब होती है तो राज्य सरकार उसे बनाने वाले ठेकेदार को जिम्मेदार माने। उसी ठेकेदार से उसकी मरम्मत कराई जाए। मेघालय हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव बनर्जी और जस्टिस डब्ल्यू डेंगदोह की खंडपीठ ने यह आदेश दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि असल में राज्य सरकार को ठेकेदारों से यह गारंटी लेना होगी कि सड़क बनने के बाद तय अवधि में यदि वह खराब हुई तो वे जिम्मेदार होंगे। ठेकेदारों को खराब सड़क की रिपेयर करना होगी। -शेष पृष्ठ दो पर

चौदह करोड़ की हेरोइन बरामद तीन गिरफ्तार

शिलांग (हि.स.)। रि-भोई जिलांतर्गत नंग्पो पुलिस थाना और बर्नीहाट पुलिस चौकी की टीम ने 14 करोड़ की हेरोइन के साथ तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। रि-भोई पुलिस अधीक्षक गिरी प्रसाद ने शुक्रवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नंग्पो पुलिस थाना और बर्नीहाट पुलिस चौकी की विशेष टीम ने संयुक्त अभियान के दौरान मणिपुर से असम जा रही नाइट सुपर बस (एमएन-01एए-0484) को शुक्रवार तड़के रोककर तलाशी ली। इस दौरान तीन लोगों को हिरासत लेकर गहन पूछताछ गई, जिसके बाद बस से 158 साबुनदानी के डिब्बे बरामद किए गए। जिनमें संदिग्ध वर्जित सामग्री थी। मौके पर प्रारंभिक जांच करने पर पता चला कि बरामद सामग्री हेरोइन है। बरामद मादक पदार्थ का वजन 1.85 किग्रा पाया गया है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 14 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रशीजुद्दीन (33, मणिपुर), सद्दाम हुसैन (34, मणिपुर) और मुहम्मद इकबाल हुसैन (31, मणिपुर) के रूप में की गई है।

सुप्रभात

दौलत, दोस्त ,पत्नी और राज्य दोबारा हासिल किए जा सकते हैं, लेकिन ये शरीर दोबारा हासिल नहीं किया जा सकता।

\- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

इंस्टाग्राम पर फोटो पोस्ट करना भारी पड़ा ईसी ने ड्यूटी से हटाया

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त एक अधिकारी को इंस्टाग्राम पर अपने पोस्ट के लिए भारी कीमत चुकानी पड़ी। इस अधिकारी को चुनाव आयोग ने उनके पद से हटा दिया। सूत्रों ने कहा कि आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह को चुनाव आयोग ने इंस्टाग्राम पर अपने प्रचार के लिए अपनी फोटो करने के आरोप में ड्यूटी से हटा दिया। चुनाव आयोग के आदेश में कहा गया है कि अभिषेक सिंह ने चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में अपनी पोस्टिंग/जॉइनिंग साझा करने के लिए इंस्टाग्राम -शेष पृष्ठ दो पर

रेलवे जल्द बंद करेगा डीजल इंजन का संचालन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे देश के रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन करने जा रहा है। मंत्रालय ने तेजी से इस पर काम करना शुरू कर दिया है। अब तक 82 फीसदी तक रेल नेटवर्क का इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है। रेल नेटवर्क के इलेक्ट्रिफिकेशन होने से सबसे बड़ा लाभ पर्यावरण का होगा। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अक्तूबर, 2022 तक भारतीय -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश के गृह मंत्री से मिले अमित शाह

अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों का मुद्दा उठाया

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को अपने बांग्लादेशी समकक्ष असदुज्जमां खान से मुलाकात की। इस दौरान शाह ने पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों और मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। उन्होंने बांग्लादेशी मंत्री के साथ सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर भी चर्चा की। सूत्रों ने यह जानकारी दी है। आधिकारिक सूत्रों के ने बताया कि शाह ने खान के साथ बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और -शेष पृष्ठ दो पर

आतंकवाद छद्म युद्ध, साझा कार्रवाई जरूरी : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आतंकवाद पर एक सुर और एक कदम ताल के साथ सीधा प्रहार करने का वैश्विक आह्वान करते हुए कहा कि युद्ध न होना शांति का प्रतीक नहीं है, बल्कि छद्म युद्ध ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कुछ देश विचारधारा के हिस्से के रूप में आतंकवाद को समर्थन दे रहे हैं। ऐसे देशों के खिलाफ विश्व को एकजुट होकर कार्रवाई करनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज होटल ताज पैलेस (नई दिल्ली) में आतंकवाद-रोधी वित्तपोषण पर तीसरे *आतंक के लिए कोई धन नहीं* (नो मनी फॉर टेरर एनएमएफटी) मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया। इस वैश्विक सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने आतंकवाद पर एकजुट होकर कार्रवाई करने के महत्व को रेखांकित किया। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने के प्रयासों में चीन की रुकावट पर भी प्रधानमंत्री ने परोक्ष हमला किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कभी-कभी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई को रोकने के लिए आतंकवाद के समर्थन में अप्रत्यक्ष कारण दिए जाते हैं। इस तरह के ढुलमुल रवैये की वैश्विक खतरे से निपटने के दौरान कोई जगह नहीं होनी चाहिए। आतंक को लेकर कुछ गलत धारणाओं के कारण सामूहिक प्रयासों पर आ रही बाधाओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके खतरे के बारे में दुनिया में किसी को याद दिलाने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। सभी तरह के आतंकी हमलों की एक साथ ऊंचे स्वर में निंदा और कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। आतंकवादी हमला कहां होता है इस पर हमारी प्रतिक्रिया आधारित नहीं होनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

बढ़ती जनसंख्या पर एक दिन में नहीं लग सकती रोक : एससी

नई दिल्ली। देश में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए दो बच्चों के नियम (टू चाइल्ड पॉलिसी) को लागू करने की मांग वाली याचिका को सुप्रीम ने शुक्रवार को खारिज कर दिया है। शीर्ष अदालत ने परिवार नियोजन की मांग वाली कई अर्जियों को खारिज करते हुए कहा कि यह अदालत का काम नहीं है बल्कि सरकार का है। खबरों के मुताबिक, न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति ए एस ओका की पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि जनसंख्या कोई ऐसी चीज नहीं है जो एक दिन रुक जाए। याचिकाकर्ताओं में से एक, अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कहा कि इस मुद्दे पर विधि आयोग की एक रिपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण है। बता दें कि उपाध्याय ने शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेश को चुनौती दी थी, -शेष पृष्ठ दो पर

हिंदी में बहस करें एससी के जज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक वादी से, जो व्यक्तिगत रूप से पेश हुआ और अपने मामले में हिन्दी में बहस शुरू कर दी, कहा कि इस अदालत की भाषा अंग्रेजी है। न्यायमूर्ति केएम जोसेफ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय की पीठ ने याचिकाकर्ता शंकर लाल शर्मा, जो एक बुजुर्ग व्यक्ति हैं, को कानूनी सहायता के लिए वकील प्रदान किया, क्योंकि उन्हें यह समझ में नहीं आया कि अदालत क्या कह रही है। जैसे ही शंकर लाल शर्मा का मामला उठाया गया, उन्होंने -शेष पृष्ठ दो पर

उत्तराखंड : ओवरलोडेड वाहन खाई में गिरा, 12 की मौत

गोपेश्वर (चमोली)। ग्रामीण संपर्क मार्ग पर ओवरलोडेड यात्री वाहन (टाटा सूमो) 500 मीटर गहरी खाई में गिरा। 12 लोगों के मौत की आशंका है। वाहन जोशीमठ से पल्ला जाखुला गांव जा रहा था, जिसमें 16 लोग सवार बताए जा रहे हैं। बताया गया कि दो सवारी गाड़ी की छत पर भी बैठी थी। दोनों चलती गाड़ी से कूदे, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटनास्थल पर बरसाती नाले के कारण सड़क का हिस्सा कच्चा और पथरीला था। वहीं सूचना मिलते ही एसडीआरएफ रेस्क्यू करने घटनास्थल पहुंच गई है। वहीं, एआरटीओ के मुताबिक वाहन के कागज सही पाए गए। रोड़ पास नही है। चमोली जनपद के जोशीमठ ब्लाक के पल्ला जखोला मोटर मार्ग पर आज -शेष पृष्ठ दो पर

राज्यपाल की नियुक्ति से तृणमूल नाराज, भाजपा प्रसन्न

कोलकाता (हि.स.)। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने डॉ सीवी आनंद बोस को राज्य का राज्यपाल नियुक्त करने में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सलाह न करने पर नाराजगी जताई है। वहीं, भाजपा के राज्य शीर्ष नेताओं ने डॉ. बोस को राज्यपाल नियुक्त करने का स्वागत किया है। शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता और तीन बार पार्टी के सांसद रहे सौगत रॉय ने राज्यपाल की नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह समझना मुश्किल है कि केंद्र ने राज्य सरकार से परामर्श किए बिना नए राज्य के राज्यपाल के नाम को किस आधार पर अंतिम रूप दिया। रॉय ने कहा कि जगदीप धनखड़ जैसे राजनेता या सीवी आनंद बोस जैसे सेवानिवृत्त नौकरशाह के मामले में राज्य -शेष पृष्ठ दो पर

नॉर्थ कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल, कमला हैरिस भड़कीं

प्योंगयांग। नॉर्थ कोरिया ने शुक्रवार को इंटर कॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का टेस्ट किया। ये मिसाइल जापान की समुद्री सीमा में जाकर गिरी है। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिडा के मुताबिक, यह मिसाइल पश्चिमी जापान के आईलैंड ओशिमा के 210 किलो मीटर की दूरी पर गिरी है। नॉर्थ कोरिया ने सुनान एरिया से इस मिसाइल को फायर किया। जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजू हमादा ने कहा कि इस बैलिस्टिक मिसाइल ने 6 हजार किमी से ज्यादा की ऊंचाई पर उड़ान भरी। इस मिसाइल की रेंज काफी है। ये अमेरिका तक दागी जा सकती है। ये मिसाइल 15,000 किमी तक उड़ान भरने में सक्षम है। एक आईसीबीएम हजारों किलोमीटर का सफर कर सकती है। दूसरे शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया इस तरह की मिसाइल से अमेरिका पर भी निशाना -शेष पृष्ठ दो पर

विदेश मंत्रालय का ड्राइवर पाक के लिए जासूसी कर रहा था, पकड़ा गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने विदेश मंत्रालय में तैनात एक ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। वह पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई को गोपनीय और संवेदनशील जानकारी भेज रहा था। ड्राइवर को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हनीट्रैप में फंसाया था। दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा एजेंसियों से मिले इनपुट के बाद आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि ड्राइवर को जवाहरलाल नेहरू भवन से गिरफ्तार किया गया है। वह पाकिस्तान को भारतीय विदेश मंत्रालय की खूफिया जानकारियां भेजता है, इसके बदले में उसे पैसे मिलते थे। ड्राइवर पाकिस्तान की एक महिला जासूस के संपर्क में था, उसे विदेश मंत्रालय से जुड़ी जानकारियां भेजता था। -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

भाजपा सांसद के आवास पर टीआरएस कार्यकर्ताओं पर हमला

हैदराबाद (हि.स.)। सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार दोपहर को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद के आवास पर हमला बोल दिया। टीआरएस कार्यकर्ताओं ने घर में घुसकर तोड़फोड़ की एक कार को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने हस्तक्षेप कर टीआरएस कार्यकर्ताओं को आवास से बाहर निकाला। घटना के समय सांसद आवास पर नहीं थे। राज्य भाजपा ने इस हमले की निंदा की। जानकारी के अनुसार दोपहर को सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति के कार्यकर्ताओं ने (भाजपा) के निजामाबाद के सांसद धर्मपुरी अरविंद के जुबली हिल्स हैदराबाद स्थित आवास पर हमला बोल दिया। टीआरएस कार्यकर्ताओं ने उनके बगीचे में रखे फ्लावर पॉट तोड़े दिए और सांसद की कार को क्षतिग्रस्त कर दी गई। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर पार्टी के कार्यकर्ताओं को बाहर निकला। इस घटना के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं में तनाव बढ़ गया है। इस घटना के बाद सांसद अरविंद ने अपने आवास पर हुए हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि वे हमले के समय आवास पर नहीं थे। उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी 70 साल की मां को टीआरएस कार्यकर्ताओं ने डराने धमकाने का प्रयास किया। इस हमले की केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष बंदी संजय और अन्य पार्टी नेताओं ने निंदा की है। दरअसल, इस हमले के पीछे सांसद अरविंद धर्मपुरी के गुरुवार को प्रदेश पार्टी मुख्यालय पर पत्रकार वार्ता में दिया एक बयान माना जा रहा है। कुछ दिन पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की पुत्री व विधान परिषद सदस्य कल्वाकुंट्ला कविता को भाजपा में शामिल होने के दिए गए कथित ऑफर को लेकर मुख्यमंत्री केसीआर ने एक बयान दिया था। केसीआर ने कहा था कि भाजपा टीआरएस को तोड़ने के लिए उसकी बेटी कविता को भाजपा में शामिल होने का प्रलोभन दिया गया। इस पर शुक्रवार को मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव की बेटी कविता ने एक पत्रकार वार्ता में भाजपा सांसद को चेतावनी दी थी। इस पर कड़ी टिप्पणी करते हुए भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने मुख्यमंत्री से सवाल किया था कि किसने कविता को भाजपा में शामिल होने का ऑफर दिया कि नाम बताएं। धर्मपुरी ने व्यंगात्मक लहजे में कहा था कि पिता केसीआर से नाराज होकर कविता ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को फोन कर कांग्रेस में शामिल होने के लिए कहा था। उन्होंने दावा किया कि यह जानकारी कांग्रेस के एक राष्ट्रीय महासचिव ने खुद उन्हें बताई है, लेकिन कांग्रेस ने इसे बात से इनकार कर दिया। धर्मपुरी ने कहा कि देश में जिस पार्टी की जमानतें जब्त हो रही हैं, वह कविता को पार्टी में लेने के लिए तैयार नहीं है, तो भाजपा क्यों खरीदेगी। अरविंद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की बेटी कविता अपने पिता को धमकाने के लिए कांग्रेस से संपर्क किया है।

बोकाखात में नवनिर्मित गोरखा भवन का मंत्री अतुल बोरा ने किया उद्घाटन

गोलाघाट (हि.स.)। असम सरकार के वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री एवं स्थानीय विधायक अतुल बोरा ने शुक्रवार को बोकाखात में बीडीएम रोड इलाके असम गोरखा सम्मेलन के गोलाघाट पश्चिम जिला समिति के नवनिर्मित गोरखा भवन का विधिवत उद्घाटन किया। इस भवन का निर्माण पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान और वर्तमान सरकार के विधायक पूंजी से 20 लाख रूपए और नरेन दाहाल की ओर से मुहैया कराए गए 14 लाख रूपए कुल 34 लाख रूपए की पूंजी से भवन का निर्माण किया गया है। इस मौके पर मंत्री बोरा ने गोरखा समाज के विकास के लिए राज्य सरकार की ओर से उठाये जा रहे कदमों की जानकारी दी। साथ ही सरकार की ओर से समाज के उत्थान के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि गोरखा समुदाय असम में निवास करने वाली प्रमुख जातियों में से एक है। गोरखा समाज की अपनी कला, संस्कृति, अपने रीति-रिवाज है। ऐसे में गोरखा समाज अपनी कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए आगामी 19 और 20 नवंबर को दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत बोकाखात नाट्यमंदिर में तिहार महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। इस तिहार महोत्सव में गोरखा समाज की जातीय कला और संस्कृति का प्रदर्शन किया जाएगा और पांच विशेष व्यक्तियों को गोरखा बंधु की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा।

असम में तृणमूल कांग्रेस ने विभिन्न मांगों के समर्थन में दिया धरना

गुवाहाटी (हि.स.)। असम तृणमूल कांग्रेस राज्य में कुछ ज्वलंत मुद्दों को लेकर आंदोलन जारी रखे हुए है। असम टीएमसी के अध्यक्ष रिपुन बोरा के नेतृत्व में शुक्रवार को गुवाहाटी के ससल में नई पेंशन योजना रद्द करने और राज्य की छह समुदायों को जनजाति का दर्जा देने की मांग को लेकर धरना दिया। असम टीएमसी, असम युवा टीएमसी और असम टीएमसी महिला कांग्रेस के नेताओं ने गुवाहाटी के ससल में धरना में भाग लिया। धरना में भाग लेने वाले नेता एवं कार्यकर्ताओं ने छह समुदायों को जल्द से जल्द जनजाति का दर्जा देने, नई पेंशन योजना रद्द कर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग करते हुए नारेबाजी की। इस मौके पर प्रख्यात विचारक देवेन तामुली, ताई अहोम छात्र संघ के संयुक्त सचिव मिलन बुढ़ागोहाईं, प्रचार सचिव सीमांत गोगोई ने असम टीएमसी की मांगों के समर्थन में अपनी बातें रखीं। टीएमसी राज्य के विभिन्न मुद्दों को लेकर राजनीतिक रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज कराने में जुटी हुई है।

फैंसी बाजार रानी सती मंदिर में नवमी महोत्सव का आयोजन

गुवाहाटी (नसं)। फैंसी बाजार स्थित श्री राणी सती मंदिर में मार्गशीर्ष कृष्णा नवमी के उपलक्ष में राणी सती का नवमी महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर को विद्युत सज्जा व फूलों से सजाया गया। राणी सती का मुख्यमंडप भी आकर्षक रूप से फूलों के श्रृंगार से सजाया गया। दोपहर को महिला समिति की सदस्याओं द्वारा दादी जी का संगीतमय मंगल पाठ किया गया एवं शाम को गायक सकलदेव साहनी के द्वारा भजन संध्या में राणी सती के भजन प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में स्वाति जालान, शालिनी जालान,सुमन जालान, रीमा जालान, कीर्ति जालान ,रंजू जालान, मनीषा जालान, पूजा जालान के अलावा अन्य कई श्रद्धालुओं ने सक्रिय सहयोग दिया।

केस कंप्यूटर्स की वेबसाइट लांच

गुवाहाटी। आम जनता को सस्ती दरों में नया जैसा लैपटॉप उपलब्ध कराते आ रहे केस कंप्यूटर्स की ओर से डब्ल्यू डब्ल्यूडब्ल्यू.केसफर्ब.कॉम नामक वेबसाइट का विधिवत लांच किया गया। इस वेबसाइट के जरिए ग्राहक दुनिया के किसी भी कोने से अपने जरूरत के अनुसार लैपटॉप को पसंद कर उसकी खरीदारी कर सकते है। विशेष रूप से विद्यार्थी व नौकरी पेशा लोग जो कम कीमतों पर अच्छा व नया जैसा बेहतर लैपटॉप खरीदना चाहते हैं। प्रौद्योगिकी को सस्ता और सभी के लिए आसानी से उपलब्ध कराने के लिए केस कंप्यूटर्स की ओर से यह पहल की गई है। इस सिलसिले में केस कंप्यूटर्स के प्रमुख दीपक बजाज ने बताया कि उलुबाड़ी फ्लाइओवर के पास स्काई लेब स्थित केस कंप्यूटर के शोरूम में रीफर्बिश्ड लैपटॉप की रेंज 10 हजार रूपए से शुरू होती है। हमारे पास एप्पल, डेल, लेनोवो, एचपी, आसुस, एसर जैसी नामी–गिरामी कंपनियों के 200 से अधिक लैपटॉप का स्टॉक उपलब्ध रहता हैं। सभी रीफर्बिश्ड लैपटॉप को बिक्री से पूर्व हमारे प्रशिक्षित प्राप्त तकनीशियनो द्वारा उसकी गुणवत्ता जांच अच्छी तरह से की जाती हैं। बिक्री से पूर्व सभी रीफर्बिश्ड लैपटॉप को एक व्यापक प्रक्रिया से गुजरना प ?ता है। ये लैपटॉप विशेष रूप से विद्यार्थी, पेशेवरों और व्यापार मालिकों के लिए बहुत मददगार हैं, जो गुणवत्ता और लागत प्रभावी समाधान ढूंढ रहे हैं। हम अपने ग्राहकों को सभी उत्पादों

पर 3 महीने की वारंटी भी देते हैं। इसके अलावा हमारे यहां ग्राहक अपने पुराने लैपटॉप को भी बेच सकते हैं। हमारा उद्देश्य ऐसे लोगों तक पहुंचना है जो नए लैपटॉप खरीदने में असक्षम हैं। उन्हें सस्ती कीमतों में बेहतर लैपटॉप चाहिए, ताकि वे लोग अपनी पढ़ाई से लेकर कारोबार सुचारु रूप से कर सकें। उन्होंने बताया कि गुवाहाटी के अलावा तिनसुकिया में केस कंप्यूटर का अपना तथा नौगांव में फ्रेंचाइजी स्टोर है। ग्राहकों की भारी मांग को देखते हुए आने वाले समय में राज्य के विभिन्न जिलों में केस कंप्यूटर अपने व फ्रेंचाइजी स्टोर खोलने की तैयारी कर रहा है। रीफर्बिश्ड लैपटॉप के इस्तेमाल से हम न केवल ई–कचरे को कम करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, बल्कि प्रकृति के प्रति भी अपना योगदान दे रहे हैं।

लखीमपुर में शनिवार से आसू की तीन दिवसीय आम सभा का आयोजन

लखीमपुर (हि.स.)। राज्य के सबसे बड़े छात्र संगठन ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) की आम सभा शनिवार से लखीमपुर में तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ आयोजित होने जा रही है। लखीमपुर जिला आसू की पहल पर तीन दिवसीय रंगारंग कार्यक्रम के साथ आम सभा का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, उत्तर लखीमपुर ए टीम फील्ड को पद्मनाथ गोहाईबरुवा क्षेत्र के रूप में सजाया गया है।

No. DMCH/2022/23891

Notice

The following tenders as published vide Janasanyog/C-13564/22, Janasanyog/C/13566/22 and Janasanyog/C/13563/22 will be open on 01.12.2022 at 12:00 PM.

1. The Tender for the work —Printing and Supply of Formats, Banner for Dhubri Medical College & Hospital on Rate Contract Basic. Notice No. DCH/HMC/1920/ Printing/23770 Dated : 07/11/2022
2. The Tender for the work — Contract for Parking Stand at Dhubri Medical College & Hospital. Notice No. DMC&H/Accounts/Parking/22-23/23769 Dated : 07/ 11/2022

Principal cum Chief Superintendent
Dhubri Medical College & Hospital
Dhubri, Assam

-- Janasanyog /C/14425/22

पृष्ठ एक का शेष

राज्य के लोग ...

लाचित दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने की योजना पर विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि थल सेनाध्यक्ष से स्मारक व्याख्यान आयोजित करने और महान योद्धा के नाम पर एक पुरस्कार स्थापित करने और इसे हर साल सर्वश्रेष्ठ कैडेट को प्रदान करने का अनुरोध करेंगे। साथ ही उन्होंने पाठ्य पुस्तकों में एनसीईआरटी से इस महान योद्धा पर एक अध्याय शामिल करने का अनुरोध करने की जानकारी दी है।

तेरह वामपंथी चरमपंथियों ...

उर्फ कंचन दा के साथी रहे 13 वामपंथी चरमपंथियों ने असम के डिब्रूगढ़ और कछार जिलों में आत्मसमर्पण कर दिया है। एक शीर्ष पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष पुलिस महानिदेशक, जीपी सिंह ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा कि प्रतिबंधित माकपा के 13 कैडर डिब्रूगढ़ और कछार में हिंसा का रास्ता छोड़कर आज मुख्यधारा में शामिल हो गए। वे सीपीआई–एम नेता अरुण कुमार भट्टाचार्जी कंचन दा के सहयोगी हैं जिन्हें इस साल की शुरुआत में असम पुलिस ने गिरफ्तार किया था। वयोवृद्ध भाकपा (माओवादी) नेता और इसकी केंद्रीय समिति के सदस्य, अरुण कुमार भट्टाचार्य, जिन्हें उनके नाम कंचन दा के नाम से जाना जाता है, को इस साल 6 मार्च को कछार जिले से गिरफ्तार किया गया था। डिब्रूगढ़ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बिटुल चेतिया ने गुरुवार को पहले कहा था कि माओवादी कैडर होने का दावा करने वाले नौ लोगों ने आत्मसमर्पण के लिए सरकार से संपर्क किया था और जिला पुलिस अभियुक्त भाकपा (माओवादी) के साथ उनके संबंध की पुष्टि कर रही थी। एएसपी ने कहा कि उनमें से एक के चरमपंथियों के साथ संबंध होने के बारे में पता था, जबकि दूसरे के बारे में पुलिस रिकार्ड में कोई जानकारी नहीं थी। चेतिया ने कहा था कि सीपीआई (माओवादी) के साथ संदिग्ध संबंधों वाले दो अन्य व्यक्तियों को इस महीने की शुरुआत में डिब्रूगढ़ में पकड़ा गया था और उनके पास से एक पिस्तौल, मैगजीन और गोला–बारूद जब्त किया गया था।

सड़क उखड़ी तो ठेकेदार ...

खंडपीठ ने यह आदेश एएच हजारिका द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर दिया। हजारिका ने पश्चिमी मेघालय में अगिया–मेंढीपारा–फुलबारी–तुरा (एएमपीटी) सड़क के निर्माण और मरम्मत में देरी को लेकर याचिका दायर की है। पीठ ने पीडब्ल्यूडी के सुपरवाइजिंग इंजीनियर को सड़क के निर्माण की देखरेख करने का भी निर्देश दिया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ठेकेदार के लिए आवश्यक मानक बने रहें। निर्माण पूरा होने के तुरंत बाद सड़क की हालत खराब न हो। सुनवाई के दौरान मेघालय सरकार द्वारा पेश रिपोर्ट में राज्य सरकार ने दावा किया कि निर्माण कार्य में पर्याप्त प्रगति हुई है। 41 किलोमीटर में से कम से कम 33 किलोमीटर का हिस्सा पूरा बन चुका है। बाकी के हिस्सों में काम जोरों पर है। इस पर याचिकाकर्ता ने शिकायत की कि 41 किमी के शेष हिस्से पर काम छह अलग–अलग ठेकेदारों को दिया गया। ठेकेदारों द्वारा किया गया काम घटिया है। याचिकाकर्ता ने यह भी आशंका जताई कि कथित तौर पर काम पूरा होने के एक महीने के भीतर सड़क की ब्लैक–टॉपिंग उखड़ सकती है। केस की अगली सुनवाई 20 फरवरी 2023 को होगी।

अल्पसंख्यक हिंदुओं पर ...

मंदिरों पर हमलों का मुद्दा उठाया। गृह मंत्रालय ने एक ट्वीट में कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने *नो मनी फॉर टेरर* सम्मेलन के मौके पर बांग्लादेश के गृहमंत्री असदुज्जमां कान से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने सीमा प्रबंधन और सामान्य सुरक्षा संबंधी मुद्दों पर चर्चा की है। खान यहां गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित मंत्रिस्तरीय तीसरे नो मनी फॉर टेरर सम्मेलन में हिस्सा लेने आए हैं। यह दो दिवसीय सम्मेलन है। शुक्रवार को इस सम्मेलन में 75 से ज्यादा देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 450 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इससे पहले शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा है, लेकिन आतंक के लिए वित्त पोषण (टेरर फाइनेंसिंग) उससे भी ज्यादा खतरनाक है। उन्होंने कहा कि कट्टरपंथी सामग्री फैलाने के लिए आतंकवादी डार्कनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे क्रिप्टोकरंसी के उपयोग में वृद्धि देखी गई है। शाह ने कहा कि डार्कटनेट पैटर्न का समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

आतंकवाद छद्म युद्ध...

एक समान, एकीकृत और जीरो टॉलरेंस के दृष्टिकोण के साथ ही आतंकवाद को हराया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के उपाय पर भी अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि इसके लिए आगे बढ़कर बड़े स्तर पर और चरणबद्ध तरीके से काम करना होगा। हमें आतंकवाद को समर्थन देने वाले नेटवर्क और उसका वित्त पोषण करने वाले स्रोतों पर सीधा प्रहार करना होगा। उन्होंने कहा कि संयुक्त कार्रवाई, खुफिया जानकारी में आपसी सहयोग और प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में मदद कर सकते हैं। आतंकवाद को मदद पहुंचाने वाले स्रोतों पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह जग जाहिर है कि आतंकी संगठन कई स्रोतों से धन प्राप्त करते हैं। पाकिस्तान पर अप्रत्यक्ष हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आतंक को फंडिंग का एक स्रोत कुछ देशों का इसे सीधे मदद पहुंचाना है। कुछ देश अपनी विदेश नीति के तौर पर आतंकवाद इस्तेमाल करते हैं। वहीं संगठित अपराध भी आतंकवाद को धन मुहैया कराने का एक स्रोत है। ऐसे में इनके खिलाफ कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण हो जाती हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद के तौर–तरीकों में आ रहे बदलावों का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लगातार विकसित होती तकनीक चुनौती और समाधान दोनों हैं। हमें समाधान की ओर अग्रसर होना होगा। भारत विश्व के आतंकवाद को पहचानने से पहले इसके स्याह चेहरे से रूबरू हो चुका था। अलग–अलग रूपों में आतंकवाद ने भारत को नुकसान पहुंचाया, जिसमें हमने हजारों कीमती जान गंवाई लेकिन भारत ने आतंकवाद का कड़ाई से सामना किया है। हमारे लिए हर जान कीमती है। हम आतंकवाद के खात्मे से पहले तक नहीं रुकेंगे।

बढ़ती जनसंख्या पर...

जिसमें बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए दो बच्चों के मानदंड सहित कुछ कदमों की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया गया था। पीठ ने अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करने के अलावा अन्य याचिकाओं पर भी विचार करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने यह भी बताया कि हम कानून बनाने की प्रिक्रिया में शामिल कैसे हो सकते हैं। पीठ ने सवाल किया कि क्या यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर हमें हस्तक्षेप करना चाहिए ? पीठ ने मौखिक तौर पर कहा कि आगे कहा कि हमारे पास और भी कई अन्य महत्वपूर्ण काम हैं। सुनवाई के अंत में उपाध्याय ने यह भी कहा कि भारत के पास लगभग दो प्रतिशत भूमि और चार प्रतिशत पानी है, लेकिन दुनिया की 20 प्रतिशत आबादी है। शीर्ष अदालत ने 10 जनवरी, 2020 को उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था। बता दें कि इस याचिका को उच्च न्यायालय से खारिज किए जाने के बाद 3 सितंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी। इससे पहले उच्च न्यायालय ने कहा था कि यह कानून बनाना किसी सांसद और राज्य के विधानसभा का है न कि अदालत का।

हिंदी में बहस ...

हिंदी में बहस करना शुरू कर दिया, यह कहते हुए कि उनका मामला शीर्ष अदालत सहित विभिन्न अदालतों में गया है, लेकिन उन्हें कहीं से कोई राहत नहीं मिली है। इस पर न्यायमूर्ति जोसेफ ने शर्मा से कहा कि हमने मामले की फाइल पढ़ ली है। यह एक बहुत ही जटिल मामला है, लेकिन हम समझ नहीं पा रहे हैं कि आप क्या कह रहे हैं। न्यायाधीश ने कहा कि इस अदालत की भाषा अंग्रेजी है। अगर आप चाहें तो हम आपको एक वकील प्रदान कर सकते हैं जो आपके मामले में बहस करेगा। अतिरिक्त सालिसिटर जनरल माधवी दीवान ने शर्मा की मदद की और उन्हें बताया कि बेंच क्या कह रही है। शर्मा से बात करने के बाद, दीवान ने पीठ से कहा कि याचिकाकर्ता कानूनी सहायता वकील रखने के अदालत के प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार है, जो उसके मामले में बहस कर सके। इसके बाद पीठ ने शर्मा के ठीक पीछे बैठे एक अन्य वकील से पूछा कि क्या वह याचिकाकर्ता की मदद कर सकते हैं। वकील के सहमत होने के बाद, पीठ ने वकील से कहा कि आशा है, आप इसे मुफ्त में कर रहे हैं। इस पर वकील ने कहा कि हां मैं इसे नि:शुल्क करूंगा। पीठ ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 4 दिसंबर की तारीख तय की और वकील से मामले की फाइल देखने को कहा।

उत्तराखंड : ओवरलोडेड ...

एक टाटा सूमो वाहन खाई में गिर गया। वाहन में 10 से 12 लोग सवार बताए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चमोली के जोशीमठ तहसील अंतर्गत उर्गम पला जखोला मार्ग पर वाहन दुर्घटना पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने जिलाधिकारी चमोली से फोन पर बात कर तेजी से राहत व बचाव कार्य संचालित करने के निर्देश दिए। चमोली के जोशीमठ तहसील अंतर्गत उर्गम पला जखोला मार्ग पर एक वाहन लगभग गहरी खाई में गिरकर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना स्थल पर रेस्क्यू चल रहा है। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना, पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल सहित एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस व प्रशासन की टीम घटना स्थल पर रेस्क्यू में जुटी है। जानकारी के अनुसार, हादसा आज शुक्रवार को हुआ। एक टाटा सूमो वाहन जोशीमठ से किमाणा की ओर जा रहा था। इस दौरान पल्ला जखोला मोटर मार्ग पर वाहन अनियंत्रित होकर खाई में गिर गया। हादसे में वाहन सवार दस लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। ऋषिकेश : मुनिकीरेती क्षेत्र के गंगा तट पर पक्के घाट में पुलिस को एक नवजात शिशु का शव मिला है। ।

राज्यपाल की नियुक्ति ...

सरकार के परामर्श के बिना चयन के पैरामीटर को मैं समझ नहीं पा रहा हूं। मैंने कभी नहीं सुना है, बोस एक भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। हालांकि, राज्य सरकार के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि इस बार नए राज्यपाल की नियुक्ति के बारे में राज्य सरकार को सूचित नहीं किया गया। इसके पहले राज्य में जगदीप धनखड़ को जब जुलाई 2019 में राज्यपाल के तौर पर नियुक्त किया गया था, तब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को केंद्रीय गृह मंत्रालय से जानकारी दी गई थी। उसके बाद ही धनखड़ के नाम की आधिकारिक घोषणा हुई थी। हालांकि राज्य कैबिनेट में शामिल एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि आनंद बोस के मामले में भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने व्यक्तिगत रूप से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को जानकारी दी थी, जिसके बाद ही आधिकारिक घोषणा हुई है। इस संबंध में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और सांसद दिलीप घोष ने कहा कि प्रत्येक नियुक्ति के फैसले पर राज्य सरकार से परामर्श करना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस भी चाहती थी कि भारत का राष्ट्रपति उसकी पसंद से बने, लेकिन यह भी संभव नहीं था।

नॉर्थ कोरिया ने ...

साध सकता है। 2017 में पहली बार नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि वो जल्द ही ऐसी मिसाइल तैयार कर लेगा जो दुनिया के किसी भी हिस्से में दागी जा सकें। अमेरिका की वाइस प्रेजिडेंट कमला हैरिस ने नॉर्थ कोरिया की इस हरकत पर आपत्ति जताई है। एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी समिट) में हिस्सा लेने थाईलैंड पहुंचीं कमला हैरिस ने कहा कि मैं सभी सहोगियों से अपील करती हूं कि वो नॉर्थ कोरिया की इस हरकत की निंदा करें। यह संयुक्त राष्ट्र संघ की नियमों का उल्लंघन है। वहीं, जापान के प्रधानमंत्री ने इसे भड़काऊ हरकत बताया है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हरकतों को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन ने नॉर्थ कोरिया पर परमाणु और बैलिस्टिक हत्यारों की टेस्टिंग को लेकर प्रतिबंध लगाए हैं। आसान शब्दों में कहें तो नॉर्थ कोरिया परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण नहीं कर सकता है। इसके बावजूद लगातार मिसाइल टेस्ट किए जा रहे हैं। इससे पहले मई में भी मिसाइल टेस्ट किया गया था। नॉर्थ कोरिया अपने मिलिट्री बिल्डअप को तेजी से बढ़ा रहा है। बीते दिनों नॉर्थ कोरिया ने कई सारे मिसाइल टेस्ट किए हैं। नॉर्थ कोरिया इस साल में अब तक 34 मिसाइल दाग चुका है। शुक्रवार को दागी गई इस मिसाइल की ऊंचाई और दूरी 24 मार्च को दागी गई मिसाइल से 100 किलोमीटर कम थी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च में दागी गई मिसाइल नॉर्थ कोरिया की अब तक की सबसे खतरनाक मिसाइल मानी गई है। इसने 6,248.5 किलोमीटर तक ऊंची उड़ान भरी थी, जबकि 1090 किलोमीटर की दूरी तय की थी।

विदेश मंत्रालय का ...

महिला बताती थी कि वह कोलकाता में रहती है। महिला का नाम पूनम शर्मा या पूजा बताया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि यह मामला हनीट्रैप का है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है कि उसने पाकिस्तान को क्या जानकारी दी है। इससे पहले अगस्त में राजस्थान पुलिस ने दिल्ली से एक शख्स को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के मामले में गिरफ्तार किया था। उसकी पहचान 44 साल के भागचंद के रूप में हुई थी। भागचंद का जन्म पाकिस्तान में हुआ था और 1998 में अपने परिवार के साथ भारत आया था। भागचंद भारत दिल्ली में टैक्सी चलाकर अपना गुजारा करता था। 2016 में उसे भारत की नागरिकता मिल गई। भागचंद अपने पाकिस्तानी रिश्तेदार के जरिए हैंडलर के संपर्क में था। अक्तूबर में भी चीन के लिए जासूसी करने वाली एक महिला को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

इंस्टाग्राम पर फोटो ...

का इस्तेमाल किया और अपनी आधिकारिक स्थिति का इस्तेमाल पब्लिसिटी स्टंट के रूप में किया। अगले महीने होने वाले गुजरात चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश कैडर के अधिकारी अभिषेक सिंह को अहमदाबाद में दो विधानसभा क्षेत्रों – बापूनगर और असरवा के लिए सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। सोशल मीडिया पर खुद को अभिषेक एस आईएएस बताने वाले इस अधिकारी ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की थीं। एक में वह एक आधिकारिक कार के पास खड़े हैं, जिसमें सामने की तरफ *ऑब्जर्वर* लिखा हुआ है। कैप्शन में लिखा है कि गुजरात चुनाव के लिए पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त। एक अन्य पोस्ट में वे तीन अन्य अधिकारियों और एक सशस्त्र सुरक्षाकर्मी के साथ कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय अभिषेक खुद को लोक सेवक, अभिनेता, सामाजिक उद्यमी और जिद्दी आशावादी बताते हैं।

रेलवे जल्द बंद ...

रेल ने 1223 रूट किलोमीटर के विद्युतीकरण का काम कर लिया है। वित्त वर्ष 2021–22 की समय अवधि के दौरान 895 रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण हुआ था। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के आंकड़े से 36.64 फीसदी अधिक है। दरअसल, भारतीय रेल ने अपने संपूर्ण ब्रॉडगेज नेटवर्क के विद्युतीकरण की महत्वाकांक्षी योजना प्रारम्भ की है। इस योजना से न केवल बेहतर ईंधन ऊर्जा का उपयोग होगा, जिससे उत्पादन बढ़ेगा, ईंधन खर्च में कमी आएगी, जिससे विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी। भारतीय रेल के इतिहास में 2021–22 के दौरान 6,366 रूट किलोमीटर का रिकॉर्ड विद्युतीकरण किया गया। इससे पहले, 2020–21 के दौरान सबसे अधिक विद्युतीकरण 6,015 रूट किलोमीटर का हुआ था। 31 अक्तूबर 2022 तक भारतीय रेल के ब्रॉडगेज नेटवर्क 65,141 रूट किलोमीटर (केआरसीएल सहित) में से 53,470 ब्रॉडगेज रूट किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है, जो कुल ब्रॉडगेज नेटवर्क का 82.08 फीसदी है। रेलवे मंत्रालय ट्रेनों के संचालन और निर्माण में तरह–तरह के बदलाव कर रहा है, ये बदलाव पर्यावरण और प्रकृति दोनों को संरक्षित रखने के लिए किया जा रहा है।

स्वर्वेद भाष्य

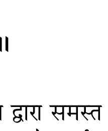

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

भक्ति ज्ञान है ज्ञान से, त्याग ज्ञान है ज्ञान।
ज्ञान ज्ञान है ज्ञान से, ब्रह्मज्ञान है ज्ञान॥ 21॥

शब्दार्थ : (ज्ञान) यथार्थ वस्तु को जानना।

भाष्य : भक्ति और त्याग का ज्ञान, ज्ञान द्वारा होता है। ज्ञान द्वारा समस्त तत्वों का विवेक होता है। ज्ञान से ही ज्ञेय वस्तु को जाना जाता है अर्थात ज्ञान से ही ज्ञान का ज्ञान होता है। परब्रह्म का ज्ञान भी ज्ञान से होता है। ज्ञान सबका मूल प्रकाश है। ज्ञआन बिना सब अंधकार है।

सर्व बोध है ज्ञान से, सर्व सोध है ज्ञान।
दर्शे सत्पथ ज्ञान से, ज्ञान से अनुभव ध्यान॥ 22॥

शब्दार्थ : (बोध) तत्व को यथार्थ रूप से जानना (सोध) खोज, देखना (सत्पथ) सन्मार्ग (अनुभव ध्यान) सत्य का साक्षात्कार दर्शन।

भाष्य : सर्व तत्वों का अन्वेषण और उनका यथार्थ बोध ज्ञान से होता है। ज्ञान द्वारा ही अनुभव चेतन पथ दृष्टिगोचर होता है एवं सत्य का यथार्थ अनुभव अर्थात साक्षात्कार दर्शन होता है।

कामरूप जिले में वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती का शुभारंभ

उद्घाटन समारोह में पर्यावरण व वनमंत्री मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने लिया भाग

रंगिया/अमिनगांव (निसं)। कामरूप जिले में जिला प्रशासन द्वारा वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती शुक्रवार से 28 नवंबर तक भव्य कार्यक्रमों के साथ मनाई जा रही है। इसके पहले दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत आज सुबह अमिनगांव स्थित कुमार भास्कर बर्मन क्षेत्र से कामरूप पुलिस द्वारा मार्च पास्ट का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली द्वारा फ्लैग ऑफ कर किया गया। यह मार्च पास्ट हाजो चौक का परिभ्रमन करते हुए पुन: कुमार भाष्कर बर्मन क्षेत्र तक आने के बाद कामरूप पुलिस तथा जिला प्रशासन के सौजन्य से एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सामने वीर लाचित बरफुकन की स्मारक सभा के साथ लाचित की वीरता की गाथा का एक संगीतालेख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगीतालेख्य की प्रस्तुति बाईहाटा चारिआली के सूर्योदय नाट्य गोष्ठी द्वारा दी गई। कार्यक्रम में पर्यावरण एवं वन विभाग के मंत्री तथा जिला के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी, पूब कामरूप महाविद्यालय के इतिहास विभाग के मुख्य अध्यापक डॉ. नृपेंद्र डेका, पूब कामरूप महाविद्यालय के पूर्व अध्यापक तथा कामरूप जिला साहित्य सभा के उपाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र नाथ तालुकदार, कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली, कामरूप जिला के पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय, कामरूप के जिला विकास आयुक्त नरसिंग बे ने वीर लाचित की शौर्य, वीरता और देशप्रेम पर अपना भाषण प्रदान किया। आज की मार्च पास्ट में कामरूप जिला पुलिस, सेना वाहिनी, केंद्रीय रिजर्व बल, एसएसबी और एनसीसी के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। वीर लाचित बरफुकन की जयंती कार्यक्रम के शुभारंभ के अवसर पर आयोजित बैठक को मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने संबोधित करते हुए इतिहास के अध्ययन पर जोर दिया। वहीं उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार द्वारा वीर लाचित बरफुकन की वीरता और देशभक्ति से पूरे देश और दुनिया को अवगत कराने के लिए उठाए गए कदमों की प्रशंसा की । उन्होंने कहा कि वीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती नई दिल्ली में मनाई जाएगी, इस उपलक्ष्य में छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न स्तरों की जनता के बीच निबंध प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, वीर लाचित बरफुकन के बारे में कॉपी टेबल बुक, वृत्तचित्र आदि प्रकाशित किए जाएंगे। इसके अलावा जोरहाट में वीर लाचित मैय्यदम को विश्वपर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए 290 करोड़ रूपए खर्च करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार ने इस महान नायक को रंगमंच, प्रकाश और ध्वनि कार्यक्रम और अलवई स्मारक के निर्माण के साथ वर्तमान राज्य सरकार द्वारा इस महान वीर को विश्वक्षेत्र में स्थापित करने की पहल की है। आयोजित बैठक में कामरूप जिला के पुलिस अधीक्षक हितेश चंद्र राय द्वारा स्वागत भाषण प्रदान किया गया। इस बैठक में जिला उपायुक्त कीर्ति जल्ली, जिला विकास आयुक्त नरसिंह बे, पूब कामरूप महाविद्यालय, इतिहास विभाग के मुख्य अध्यापक डॉ. नृपेंद्र डेका और कामरूप जिला साहित्य सभा के उपाध्यक्ष डॉ. नृपेंद्र नाथ तालुकदार ने वीर लाचित बरफुकन की वीरता और देशप्रेम के विभिन्न विषयों पर अपनी बात रखी।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत, एक घायल

तामुलपुर (हि.स.)। तामुलपुर के सिकनीबाड़ी में हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि बीती रात दुपहिया वाहन ने सड़क किनारे खड़े ट्रक में टक्कर मार दी। जिसमें बाइक सवार युवक की मौत हो गई और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल दीपू सरकार को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया। जबकि हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान पंकज सरकार के रूप में हुई है। दोनों सिकनबाड़ी के रहने वाले थे। सिकनीबाड़ी में सड़क हादसा उस समय हुआ जब बाइक (एएस-27-3402) पर सवार होकर दोनों युवक तामुलपुर से रंगिया की ओर जा रहे थे। हादसे के बाद चालक ट्रक के साथ फरार हो गया।

मिशन भूमिपुत्र अभियान

विद्यार्थियों में जाति-प्रमाण पत्र वितरित

रंगिया/अमिनगांव (निसं)। पर्यावरण एवं वन विभाग के मंत्री तथा कामरूप जिले के अभिभावक मंत्री चंद्रमोहन पटवारी ने आज मिशन भूमिपुत्र विशेष अभियान के तहत कामरूप जिले के कई स्कूलों के नौवीं से बारहवीं कक्षा के छात्रों को आधिकारिक तौर पर जातिगत प्रमाण पत्र वितरित किया। उल्लेखनीय है कि इस विशेष अभियान के तहत स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को उनके अपने स्कूलों में जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इस विशेष अभियान के तहत कामरूप जिले के कुल 274 स्कूलों को शामिल किया गया है। इस योजना के तहत विभिन्न स्कूलों के कुल 7,870 छात्रों ने आवेदन किया था। इनमें से 2,670 अनुसूचित जनजाती, 1,474 अनुसूचित जाती और 3,453 पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग के थे। इनमें से 5,210 छात्रों के भरे हुए फॉर्म प्राप्त हुए और उनका डिजिटलीकरण किया गया। अब तक 4,956 छात्रों का जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है। इनमें से 1,733 अनुसूचित जनजाति, 1,277 अनुसूचित जाति और 1,946 पिछड़े और अन्य पिछड़े वर्ग के हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मंत्री पटवारी ने जिले के विभिन्न विद्यालयों के कुल 34 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र वितरित कर किया। समारोह में बोलते हुए मंत्री पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार ने लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न ऑनलाइन सिस्टम अपनाए हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि 2 अक्तूबर को शुरू किए गए पेपरलेस ई-ऑफिस सिस्टम मिशन बसुंधरा, मिशन बसुंधरा 2.0 से लोगों को काफी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा शुरू की गई इस तरह की जनोन्मुखी पहल के परिणामस्वरूप लोगों को प्रमाण पत्र लेने के लिए किसी भी कार्यालय से कार्यालय जाने की जरूरत नहीं है। कार्यक्रम में कामरूप जिला की उपायुक्त कीर्ति जल्ली ने स्वागत भाषण दिया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी हेमंत चौधरी ने भी समारोह को संबोधित किया। इसके अलावा विद्यालयों के प्रधान शिक्षक- शिक्षिकायें, छात्र-छात्राओं ने सरकार की इस पहल का स्वागत किया।

भारी मात्रा में शाल और शेगुन की लकड़ी जब्त

ग्वालपाड़ा (हि.स.)। वन विभाग ने ग्वालपाड़ा जिला के कृष्णाई में तस्करों के खिलाफ छापेमारी की कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में तस्करी की लकड़ी जब्त की है। शुक्रवार को वन विभाग ने बताया है कि गुवाहाटी से आए उच्च वन अधिकारियों और ग्रीन हांडस वनरक्षकों के एक विशेष दल ने कृष्णाई वन अधिकारियों और वन कर्मियों के सहयोग से कृष्णाई के माणिकपुर में छापा मारा। अभियान के दौरान तीन घरों में संग्रहीत रखी गई बड़ी मात्रा में साल-सागौन की लकड़ी बरामद की गई है। जब्त लकड़ी का बाजार मूल्य लगभग 2 लाख रूपए बताया गया है। हालांकि, इस संबंध में किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। गौरतलब है कि ग्वालपाड़ा जिला में लकड़ी व्यापारियों पर वन अधिकारियों की मिलीभगत से बड़े पैमाने पर लकड़ी का व्यापार चलाने के आरोप लगते रहे हैं।

एपीएआरटी के तहत एलईडी वैन रोड शो को झंडी दिखाकर किया रवाना

गुवाहाटी। असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (एपीएआरटी) के तहत एक एलईडी वैन रोड शो को मुख्य सचिव और कृषि उत्पादन आयुक्त और एआरआईएएस सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार भूटानी, आईएएस, अनंत लाल ज्ञानी, आईएएस, सचिव, कृषि और त्रिरंगा भरतिया बोरा, बागवानी और एफ.पी के निदेशक ने आज झंडी दिखाकर रवाना किया। झंडी दिखाने के समारोह के दौरान कृषि और बागवानी विभाग और एआरआईएएस सोसायटी के अधिकारी भी मौजूद थे। एलईडी वैन रोड शो असम कृषि व्यवसाय और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (एपीएआरटी) के तहत 10 (दस) जिलों-कामरूप, नलबाड़ी, बरपेटा, मोरीगांव, नगांव, होजाई, गोलाघाट, शिवसागर, चराइदेव और जोरहाट को कवर करेगा। रोड शो इनमें से प्रत्येक जिले के ब्लॉकों में घूमेगा। एपीएआरटी के तहत विभिन्न पहलों पर वीडियो एलईडी वैन में दिखाए जाएंगे, साथ ही अफ्रीकी स्वाइन बुखार, मछली पोषण आदि पर सूचनात्मक पत्रक वितरित किए जाएंगे। एपीएआरटी ने सभी एपीएआरटी जिलों में इसी तरह की पहल करने की योजना बनाई है। एपीएआरटी के तहत इस आउटरीच पहल का उद्देश्य परियोजना द्वारा की गई गतिविधियों का प्रसार करना, किसानों को एक बेहतर कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति शिक्षित और सक्षम बनाना है।

नाबालिग से बलात्कार का आरोपी गिरफ्तार, दूसरे की तलाश जारी

धेमाजी (हि.स.)। धेमाजी जिला के सिसिबरगांव पुलिस ने शुक्रवार को नाबालिग से बलात्कार के आरोपी को मरिधल से गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, दूसरे आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस अभियान चला रही है। गत 18 सितंबर को मरिधल में बलात्कार की एक घटना हुई थी। नीलख पंचायत के अंतर्गत ऊपरी नीलखपुर गांव के नवज्योति दत्ता और मानस हजारिका नामक कॉलेज के दो छात्र, एक नाबालिग लड़की को यूट्यूब वीडियो बनाने का झांसा देकर किराए के मकान में रखकर उसके साथ बलात्कार किया। किशोरी द्वारा इसके बारे में बताए जाने पर परिवार वालों ने 23 सितंबर को सिसिबरगांव पुलिस चौकी में नबज्योति दत्ता और मानस हजारिका के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। उस एफआईआर के आधार पर पुलिस ने सिलापाथर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 366, 342 और 376 डी (ए) और पोस्को एक्ट की धारा 6 के तहत केस नंबर 178/22 दर्ज कर अपराधियों की धर-पकड़ शुरू की, लेकिन अपराधी भूमिगत हो गए। गुप्त सूत्रों के अनुसार, पुलिस ने छापा मारकर मरिधल से नवज्योति दत्ता को गिरफ्तार किया। दूसरा आरोपी मानस हजारिका अभी भी फरार बताया जा रहा है।

सड़क हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल

होजाई (हि.स.)। होजाई जिलांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग पर भालुकमारी-जोरापुखुरी के बीच शुक्रवार को हुई सड़क दुर्घटना में बाइक चालक एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रक (एएस-01एमसी-0332) नगांव दिशा से लंका की तरफ जा रहा था और विपरीत दिशा (रांग साइड) से आ रही बाइक (एएस-02एए-3374) ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। फिलहाल बाइक सवार की पहचान नहीं हो पाई है।

एलजीबीआईए कर रही प्रकृति को हरा-भरा बनाने की पहल

गुवाहाटी (नसं)। एलजीबीआईए ने प्रकृति से अविश्वसनीय रूप से समृद्ध और हरा भरा बनाने की अनूठी पहल शुरू की है। हवाई अड्डे के परिसर और उसके बाहर 7.5 एकड़ भूमि को कवर करते हुए कुल परिदृश्य क्षेत्र विकसित किया है। बाहरी परिदृश्य क्षेत्र के पोषण के लिए एक स्थायी सिंचाई प्रणाली भी विकसित की जा रही है। वर्तमान में हेज प्लांट के ड्रिपलाइन सिस्टम का उपयोग किया जा रहा हैऔर लॉन क्षेत्र में स्प्रिंकलर सिस्टम स्थापित किया गया है। हाल ही में हवाई अड्डे ने 500 वर्ग मीटर के क्षेत्र में एक पॉलीहाउस नर्सरी विकसित की गई है। नर्सरी में बीस हजार पौधे उगाने की क्षमता है। जिनमें से दस हजार इंडोर और बाकी 10 हजार विभिन्न किस्मों बाहरी पौधे के लिए है। अच्छी 40 प्रकार के सजावटी पौधों का भी देख रेख किया जा रहा है। पॉलीहाउस के अंदर तापमान को नियंत्रित करने के लिए अत्याधुनिक स्प्रिंकल सिंचाई प्रणाली स्थापित की गई है। नर्सरी आउटडोर और इनडोर लैंडस्कैप क्षेत्रों के उपयोग के लिए पौधे लगाए जाऐंगे। वर्तमान हवाई अड्डा एक हरित दीवार विकसित कर रहा है, जो पौधे से भरी हुई है। जो प्रवेश मार्ग के साथ-साथ 1050 वर्ग मीटर क्षेत्र को हरे भरे पौधे से संरक्षित किया गया है। एक्सिट रोड के साथ साथ एक वनस्पति और जीव जंतु उद्यान भी बनाया जा रहा है। जो हवाई अड्डे से निकलकर यात्रियों को आकर्षित करेगा। जानवरों की मूर्तियों को उस क्षेत्र में रखा गया है जो कई अभयारण्यों और जंगलों में असम के समृद्ध वन्य जीवन के वास्तविक स्नैपशॉट के साथ यात्रियों और राहगिरों को आकर्षित करने के साथ साथ मनोरंजन भी करेगी।

अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में मृगेंश ठाकुरिया की बड़ी सफलता

गुवाहाटी (निसं)। हरियाणा के करनाल में 14 नवंबर से 16 नवंबर तक हुए तीसरे अंतर्राष्ट्रीय योगासन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ मृगेश ठाकुरिया चैंपियन ऑफ द चैंपियन कंपटीशन में प्रथम रनर अप अपने खाते में शामिल किया। मृगेश ठाकुरिया के इस सफलता में प्रशिक्षक योग गुरु असीम बरुआ, प्रवीण दास और टेक्निकल डायरेक्टर नारायण डेका के अलावा कामरूप जिले के योग क्रीड़ा संघ ने शुभकामना दी है। मृगेश ठाकुरिया का घर नगरबेरा के पीजूपाड़ा में है। मृगेश के पिता प्रणय कुमार ठाकुरिया कालीपाड़ा के विशेष शाखा में कार्यरत है और उनकी मां बबीता मेधी ठाकुरियागृहणी है। मृगेश की इस सफलता पर नगरबेरा वासियों में उत्साह व खुशी देखा जा रहा है।

सीसुब, एडीजी ने गुवाहाटी फ्रंटियर मुख्यालय की तैयारियों की समीक्षा की

गुवाहाटी (हि.स.)। कोलकाता स्थित सीमा सुरक्षा बल (पूर्वी कमान) के अतिरिक्त महानिदेशक राजविंदर सिंह भट्टी ने बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर के अपने तीन दिवसीय दौरे में भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा की। बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर की तरफ से शुक्रवार को बताया गया है कि गुरुवार को गुवाहाटी फ्रंटियर के महानिरीक्षक कमलजीत सिंह बन्याल द्वारा भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर वर्तमान सुरक्षा व्यवस्था एवं संक्रियात्मक तैयारियों की जानकारी दी गई, साथ ही विभिन्न चुनौतियों से निपटने एवं सीमा पार अपराधों को नियंत्रित करने के उपायों के बारे में जानकारी दी। शुक्रवार को अतिरिक्त महानिदेशक ने धुबड़ी और दक्षिण सलामारा-मानकचार जिलों के जलीय सीमा क्षेत्र में सीमा चौकियों का दौरा किया। इस दौरान फील्ड कमांडरों के साथ बातचीत की, सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। साथ ही भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा को अपराध मुक्त बनाने के लिए सीमा पर निगरानी एवं संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा की। अतिरिक्त महानिदेशक ने सीमा प्रहरियों के मध्य प्रहरी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने भारत-बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर तैनात सीमा प्रहरियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि सीमा पर तैनात समस्त कार्मिक सराहनीय कार्य कर रहे हैं और अंतर्राष्ट्रीय सीमा की प्रभावी ढंग से निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सीमाओं की सुरक्षा में लगे सीमा प्रहरियों के अथक प्रयासों, समर्पण तथा अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए गुवाहाटी फ्रंटियर द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

यूटीएस मोबाइल ऐप से अनारक्षित टिकट बुकिंग में दूरी के प्रतिबंध में ढील

गुवाहाटी (हि.स.)। रेल मंत्रालय ने गैर-उपनगरीय खंडों के लिए अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) मोबाइल एप्लिकेशन पर 20 किमी तक की दूरी से अनारक्षित टिकट बुक करने की सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इस दौरान, उपनगरीय क्षेत्रों में दूरी को बढ़ाकर 5 किमी कर दिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में बताया है कि इससे पहले, अनारक्षित टिकट बुकिंग प्रणाली यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन पर गैर-उपनगरीय खंडों में यात्रियों को 5 किमी तक टिकट बुक करने की अनुमति दी गई थी। उपनगरीय खंड के लिए, मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से टिकट बुकिंग के लिए दूरी की सीमा 2 किमी थी। अंतिम समय में यात्रा की योजना बनाने वाले यात्रियों के लिए अनारक्षित टिकटिंग अधिक सुविधाजनक है। यात्री अपने स्मार्ट फोन पर अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से देश के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में अनारक्षित टिकट खरीद सकते हैं। अनारक्षित टिकट अब उपलब्धता के अधीन यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से सभी स्टेशनों के लिए लंबी दूरी की ट्रेनों में बुकिंग की जा सकती है। पहले यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की खरीद केवल एक विशिष्ट क्षेत्र और सीमा के भीतर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए की जा सकती थी। यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन सीजन टिकट, मासिक पास और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग की अनुमति देता है, जिससे यात्रियों का समय बचता है और टिकट काउंटरों पर लंबी कतारों से उन्हें बचाया जा सकता है। वॉलेट या इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान किया जा सकता है। यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफार्मों पर उपलब्ध है और संबंधित प्ले स्टोर से मुफ्त में डाउनलोड/ इंस्टॉल किया जा सकता है। यूटीएस मोबाइल एप्लिकेशन को इसकी उपयोगिता के साथ-साथ ग्राहक इंटरफेस के लिए व्यापक रूप से सराहा गया है।

अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर कंटीले तार का बाड़ काटकर दो पशु चुरा ले गए बांग्लादेशी अपराधी

धुबड़ी (हि.स.)। जिले के गोलकगंज इलाके में बांग्लादेशी अपराधी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर लगाए गए कंटीले तार के बाड़ काटकर दो पशुओं को चुराकर फरार हो गए। गोलकगंज के झास्कल गांव में बीती रात बदमाश बीएसएफ के पहरे के बीच कंटीले तार की बाड़ काटकर पशुओं को बांग्लादेश लेकर भागने में सफल हो गए। गांव निवासी महिरुद्दीन अली के दो पशुओं को रात में चुराया गया। सुबह नींद खुलने के बाद महिरुद्दीन ने घर के आसपास चारों ओर देखा, लेकिन उनके पशु नहीं मिले। बाद में सूचना मिली कि गोलकगंज थाना क्षेत्र में भारत-बांग्लादेश सीमा पर झास्कल गांव के गेट नंबर आठ के पास कंटीले तार की बाड़ काट दी गई है। रात में बीएसएफ की सुरक्षा के लिए बनाई गई झोपड़ी में तैनात जवानों की मौजूदगी के बावजूद बांग्लादेशी अपराधी कंटीले तार की बाड़ को काटने में कैसे कामयाब हो गए, यह लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। सूचना मिलने के बाद बीएसएफ और पुलिस के उच्च पदस्थ अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्निफर डॉग को मौके से छोड़ा गया। स्निफर डॉग तालाब के किनारे धान के खेत से गुजरते हुए मोहिरुद्दीन के घर पहुंच कर रुक गया। इससे यह अनुमान जताया गया कि महिरुद्दीन के पशुओं को बांग्लादेशी अपराधी चुरा ले गए हैं। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर पहरेदारी को भी और कड़ा किया गया है।

आतंकवाद से ज्यादा खतरनाक है आतंकवाद का वित्तपोषण: शाह

-अंतरराष्ट्रीय समुदाय मिलकर करे सामना -आतंकवादी को संरक्षण देना, आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर

नई दिल्ली, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को आतंकवाद के वित्तपोषण को आतंकवाद से कहीं अधिक खतरनाक करार देते हुए कहा कि आतंकवाद का सपोर्ट सिस्टम आतंकवाद के बराबर ही दुनिया के लिए खतरा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से मिलकर इसे रोकने का आह्वान किया। शाह ने यहां आतंकवाद के वित्तपोषण का मुकाबला विषय पर तीसरे नो मनी फॉर टेरर मंत्रीस्तरीय सम्मेलन के आतंकवाद और आतंकवादियों को वित्त उपलब्ध कराने की वैश्विक प्रवृत्तिह्व विषय पर प्रथम सत्र की अध्यक्षता की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद, निस्संदेह, वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए सबसे गंभीर खतरा है, लेकिन उनका मानना है कि, आतंकवाद का वित्तपोषण, उससे से कहीं ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि आतंकवाद के मीन्स एंड मेथड को, इसी फण्ड से पोषित किया जाता है, इसके साथ-साथ दुनिया के सभी देशों के अर्थतंत्र को कमजोर करने का भी काम आतंकवाद के वित्तपोषण से होता है । गृह मंत्री ने कहा कि भारत आतंकवाद के सभी रूपों और प्रकारों की निंदा करता है। हमारा यह स्पष्ट मानना है कि, निर्दोष लोगों की जान लेने जैसे कृत्य को, उचित ठहराने का, कोई भी कारण, स्वीकार नहीं किया जा सकता है। दुनियाभर के टेररिस्ट हमलों के पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि हमें इस बुराई से कभी समझौता नहीं करना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत कई दशकों से सीमा-पार से प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है। भारतीय सुरक्षा बलों और आम नागरिकों को निरंतर और समन्वित तरीके से की गई अत्यंत गंभीर आतंकी हिंसा की घटनाओं से जूझना पड़ा है। शाह ने कहा कि आज आतंक या आतंकी समूह, आधुनिक हथियार तथा इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी और साइबर तथा फाइनेंसियल वर्ल्ड को अच्छी तरह से समझते हैं और उसका उपयोग भी करते हैं। उन्होंने कहा कि टेररिज्म का डायनामाइट से मेटावर्स और एके-47 से वर्चुअल एसेट्स तक का यह परिवर्तन, दुनिया के देशों के लिए निश्चित ही चिंता का विषय है और हम सबको साथ मिलकर, इसके खिलाफ साझी रणनीति तैयार करनी होगी। उन्होंने कहा कि हम यह भी मानते हैं कि, टेररिज्म का खतरा, किसी धर्म, राष्ट्रीयता या किसी समूह से जुड़ा नहीं हो सकता है और न ही होना चाहिए। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि दुर्भाग्य से कुछ देश ऐसे भी हैं जो टेररिज्म से लड़ने के हमारे सामूहिक संकल्प को कमजोर या नष्ट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमने कई बार देखा है कि कुछ देश आतंकवादियों का बचाव करते हैं और उन्हें पनाह भी देते हैं, किसी आतंकवादी को संरक्षण देना आतंकवाद को बढ़ावा देने के बराबर है। यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी होगी कि, ऐसे तत्त्व, अपने इरादों में, कभी सफल न हो सकें। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि अगस्त, 2021 के बाद, दक्षिण एशिया में स्थिति बदल गई है और सत्ता परिवर्तन तथा अल कायदा और आईएसआईएस का बढ़ता प्रभाव, क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती के रूप में उभर कर सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इन नए समीकरणों ने आतंकवाद वित्तपोषण की समस्या को और अधिक गंभीर बना दिया है। उन्होंने कहा कि तीन दशक पूर्व ऐसे ही एक रिजीम-चेंज के गंभीर परिणाम पूरी दुनिया को सहने पड़े है और 9/11 जैसे भयंकर हमले को हम सभी ने देखा है। उन्होंने कहा कि इस पृष्ठभूमि में पिछले साल दक्षिण एशिया क्षेत्र में हुआ परिवर्तन हम सभी के लिए चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि अल कायदा के साथ-साथ दक्षिण एशिया में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे गुट बेखौफ होकर आज भी आतंक फैलाने की फिराक में हैं। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के वित्तपोषण की समस्या व्यापक हो चुकी है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने आतंकवाद के वित्तपोषण पर नकेल कसने में सफलता हासिल की है। आतंकवाद के वित्तपोषण के खिलाफ भारत की रणनीति इन छः स्तंभों पर आधारित है,इसमें लेजिस्लेटिव और टेक्नोलॉजिकल फ्रेमवर्क को मजबूत करना, व्यापक मोनिटिरंग फ्रेमवर्क का निर्माण करना, सटीक इंटेलिजेंस साझा करने का तंत्र, इन्वेस्टीगेशन एवं पुलिस ऑपरेशन्स को मजबूत करना, संपत्ति की जब्ती का प्रावधान, कानूनी संस्थाओं और नई तकनीकों के दुरुपयोग रोकना और अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं समन्वय स्थापित करना शामिल है। शाह ने कहा कि भारत ने इस दिशा में अन-लॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट (यूएपीए) में संशोधन करने, नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) को मजबूत बनाने और फाइनेंसियल इंटेलिजेंस को नई दिशा देने के साथ, टेररिज्म और इसके वित्तपोषण के खिलाफ की लड़ाई को सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि यह हमारे निरंतर प्रयासों का परिणाम है कि भारत में टेररिस्ट घटनाओं में बड़ी कमी आई है और इसके परिणामस्वरूप, टेररिज्म के कारण होने वाले आर्थिक नुकसान में भी भारी कमी हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि भारत का मानना है कि टेररिज्म से निपटने का सबसे प्रभावी तरीका, इंटरनेशनल को-ऑपरेशन और राष्ट्रों के बीच रियल-टाइम तथा पारदर्शी सहयोग ही है।

वीर सावरकर का अपमान महाराष्ट्र बर्दाश्त नहीं करेगा: संजय राऊत

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने कहा कि वीर सावरकर का अपमान महाराष्ट्र किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगा। राहुल गांधी ने अनायास वीर सावरकर का मुद्दा उठाया। जबकि राहुल की भारत जोड़ो यात्रा का मुद्दा महंगाई, बेरोजगारी और नफरत की राजनीति खत्म करना है। राहुल गांधी के वीर सावरकर का मुद्दा उठाने से महाविकास आघाड़ी में फूट पड़ सकती है। संजय राऊत ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि वीर सावरकर का समर्थन शिवसेना पहले से करती आ रही है। आज जो लोग सिर्फ राजनीति के लिए वीर सावरकर का मुद्दा उठा रहे हैं, पहले उनके एजेंडा में वीर सावरकर थे ही नहीं। वीर सावरकर के समर्थन का मतलब उनके विचारों को आत्मसात करना है। जो लोग वीर सावरकर के नाम पर राजनीति कर रहे हैं, उन्हें तत्काल वीर सावरकर को भारत रत्न दे देना चाहिए। इसका कोई विरोध नहीं करेगा। दरअसल राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान कहा था कि वीर सावरकर ने अपनी सजा कम करवाने के लिए अंग्रेजों को पत्र लिखकर माफी मांगी थी। इस बयान से महाराष्ट्र का माहौल राहुल गांधी के विरुद्ध गरमा गया है। राहुल गांधी के विरुद्ध वीर सावरकर के पोते रंजीत सावरकर ने दादर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज करवाया है। इस पर आज संजय राऊत ने कहा कि आजकल मामला दर्ज करवाना फैशन बन गया है। लोग प्रसिद्धि पाने के लिए शिकायत दर्ज करवाते हैं, लोगों को वीर सावरकर के विचारों को आत्मसात करना चाहिए।

मुख्यमंत्री चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में किया पौध-रोपण, आमजन को भी कर रहे प्रेरित

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ शुक्रवार को चौदह वर्षीय बालक विकास खरे ने अपने जन्म-दिवस पर पौध-रोपण किया। मुख्यमंत्री चौहान ने बालक विकास से जीवन पर्यंत अपने जन्म-दिवस पर पौधा लगाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री चौहान ने भोपाल के स्मार्ट सिटी उद्यान में शहतूत, खिरनी और सामिया केसिया के पौधे लगाए। बालक विकास खरे के परिवार के ललित खरे, ए.पी. खरे, अर्चना खरे और इशान खरे पौध-रोपण में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री चौहान प्रतिदिन पौधा लगाने के अपने संकल्प के क्रम में जन-जन को निरंतर पौध-रोपण के लिए प्रेरित कर रहे हैं। इस क्रम में सामाजिक कार्यकर्ता सुनील साहू भी अपने जन्म-दिवस पर परिवार सहित पौध-रोपण में शामिल हुए। साहू के साथ सामाजिक कार्यकर्ता वैभव पवार तथा साहू के परिवार के देवेंद्र साहू, पार्वती साहू और सुशीला साहू ने भी पौध-रोपण किया।

राहुल गांधी को इंदौर में बम से उड़ाने की धमकी, मिठाई की दुकान पर मिला धमकी भरा पत्र

इंदौर, (हि.स.)। भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी को इंदौर पहुंचने पर बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जूनी इंदौर थाना क्षेत्र में एक मिठाई की दुकान पर धमकी भरा पत्र मिला है। स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच पत्र छोड़ने वाले की तलाश में जुट गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जानकारी के अनुसार शहर के जूनी इंदौर थाना क्षेत्र स्थित मिठाई की दुकान पर अज्ञात व्यक्ति ने उक्त धमकी भरा पत्र छोड़ दिया था, जिसे दुकान संचालक ने शुक्रवार की सुबह पुलिस को सौंपा है। पत्र में इंदौर के खालसा कॉलेज में भारत जोड़ो यात्रा के तहत राहुल गांधी के रुकने पर बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। डीसीपी (इंटेलीजेंस) रजत सकलेचा ने धमकी भरा पत्र मिलने की पुष्टि की है। पत्र उज्जैन से आना बताया जा रहा है। प्रेषित पत्र में एक विधायक का नाम लिखा होना बताया है। पत्र में लिखा है कि 1984 में पूरे देश में भयंकर दंगे हुए। सिखों का कत्लेआम किया गया। इस महीने इंदौर में जगह-जगह भयानक बम विस्फोट होंगे। बम विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। बहुत जल्द ही राहुल गांधी की इंदौर यात्रा के समय कमलनाथ को भी गोली मार दी जाएगी। राहुल गांधी को भी राजीव गांधी के पास भेजा जाएगा। नवंबर के आखिरी सप्ताह में बस विस्फोटों से पूरा इंदौर दहल उठेगा। राजवाड़ा को खास निशाना बनाया जाएगा। गौरतलब है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा 23 नवंबर को बुरहानपुर जिले से मध्य प्रदेश में प्रवेश करेगी और यहां से यात्रा 24 नवंबर को इंदौर पहुंचेगी। इस दौरान राहुल गांधी 24 नवंबर को खालसा कॉलेज के स्टेडियम में रात्रि विश्राम करेंगे।

राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी का फाइनल रिजल्ट घोषित

नई दिल्ली, (हि.स.)। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी में भर्ती के लिए हुई लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के बाद फाइनल रिजल्ट शुक्रवार को घोषित कर दिया है। इसमें कुल 519 उम्मीदवारों को चयनित किया गया है। इस परीक्षा में रुबिन सिंह ने पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः अनुष्का अनिल बोर्डे और वैष्णवी गोर्डे हैं। संघ लोक सेवा आयोग ने 10 अप्रैल को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और नौसेना अकादमी में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा आयोजित की थी। साक्षात्कार प्रक्रिया के बाद अब फाइनल नतीजे घोषित किए गए हैं। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार दौर में उनके प्रदर्शन के आधार पर कुल 519 उम्मीदवारों को चयनित किया गया है। यूपीएससी ने लिखित परीक्षा और इंटरव्यू राउंड में प्राप्त अंकों के आधार पर मेरिट लिस्ट तैयार की है। यूपीएससी ने कहा है कि मेरिट लिस्ट के लिए मेडिकल परीक्षा के परिणाम इसमें शामिल नहीं है। परीक्षा से जुड़ी ज्यादा जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

यूपीएससी की मेरिट लिस्ट में पहला नाम रुबिन सिंह का है। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमशः अनुष्का अनिल बोर्डे और वैष्णवी गोर्डे का नाम है। इसके बाद आदित्य वासु राणा, सौर्य रे, ईशांत कोठियाल, आकाश कुमार, गौरव सिंह, आयुष शर्मा और 10वें नंबर पर आदर्श राय का नाम है। परिणाम यूपीएससी की वेबसाइट https://www.upsc.gov.in पर देख सकते हैं।

दिल्ली डायलॉग कमीशन के उपाध्यक्ष जैस्मीन शाह के दफ्तर पर ताला, सरकारी सेवाओं पर रोक

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय कुमार सक्सेना ने केजरीवाल सरकार द्वारा गठित दिल्ली डायलॉग कमीशन के उपाध्यक्ष जैस्मीन शाह को मिलने वाली सरकारी सेवाओं पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के आदेश जारी किया है। उनका दफ्तर भी बंद कर दिया गया है। उन्हें मिलने वाली सरकारी गाड़ी, मेन पावर और स्टाफ सुविधा भी बंद करने को कहा है। एलजी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से जैस्मीन शाह को डीडीसी के उपाध्यक्ष के पद से हटाने के लिए कहा है, क्योंकि उन्होंने अपने कार्यालय का राजनीतिक उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया था। सत्ता में आने के बाद केजरीवाल सरकार द्वारा गठित दिल्ली डायलॉग कमीशन को सरकार अपना थिंकटैंक मानती है। जनहित से जुड़ी योजनाओं को तैयार करने और उसे लागू करने की जिम्मेदारी सरकार ने डीडीसी को दे रखी है। इसके पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह जिम्मेदारीआशीष खेतान को दी थी। वर्ष 2018 में उन्होंने अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उसके बाद जैस्मिन शाह को उपाध्यक्ष बनाया गया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने ट्वीट करके कहा- जैस्मीन के ऑफिस पर एलजी ने आप का प्रवक्ता होने का आरोप लगाते हुए ताला लगा दिया है। फिर संबित पात्रा, जो आईटीडीसी के अध्यक्ष हैं, के कार्यालय को भी सील कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह भाजपा के प्रवक्ता हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली का संवाद और विकास आयोग (डीडीसी) दिल्ली सरकार का थिंक टैंक है, जो सरकार को दिल्ली के सामने आने वाली महत्वपूर्ण विकास चुनौतियों का स्थाई, जन केंद्रित समाधान खोजने की सलाह देता है। यह निम्नलिखित चार व्यापक कार्य करता है। इनमें नीति डिजाइन, समर्थन नीति कार्यान्वयन, सहभागी शासन को बढ़ावा देना, और निगरानी, मूल्यांकन और सीखना शामिल है। डीडीसी का कार्य छह क्षेत्रों के आसपास होता है- सामाजिक क्षेत्र, परिवहन और बुनियादी ढांचा, पर्यावरण, अर्थव्यवस्था और शासन।

भाजपा ने आप नेता मुकेश गोयल पर लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आम आदमी पार्टी (आप) नेता मुकेश गोयल पर एक करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। भाजपा का दावा है कि एमसीडी के एक जूनियर इंजीनियर से गोयल ने एक करोड़ रुपये मांगे थे। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने शुक्रवार को एक स्टिंग ऑपरेशन जारी कर गोयल पर दिल्ली के एक इंजीनियर से एक करोड़ की रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। संबित ने कहा कि कट्टर भ्रष्ट पार्टी के ह्यकट्टर भ्रष्ट नेता मुकेश गोयल मध्यप्रदेश में आम आदमी पार्टी के प्रभारी हैं। उन्हें रंगे हाथों रिश्वत लेते पकड़ा गया है। ऐसे में आप को तुरंत उन्हें पार्टी और पद से हटा देना चाहिए। संबित ने कहा कि मुकेश गोयल को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) का बड़ा नेता माना जाता है। अरविंद केजरीवाल बिना उससे पूछे कोई फैसला नहीं लेते हैं। ऐसे में इस कांड की जानकारी भी केजरीवाल को रही होगी। उन्होंने कहा कि गोयल ने एमसीडी के जूनियर इंजीनियर से यह कहते हुए एक करोड़ रुपये मांगे थे कि इसकी जरूरत 100-150 नेताओं को दिवाली उपहार देने के लिए है। भाजपा नेता ने आगे दावा किया कि गोयल केजरीवाल के खास लोगों में हैं। ऐसे में इस भ्रष्टाचार की सूचना भी केजरीवाल को रही होगी।

एमसीडी चुनाव के लिए मंत्री गोपाल राय ने किया कैंपेन लॉन्च

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली में एमसीडी चुनाव को आप पार्टी दिल्ली के प्रदेश अध्यक्ष और मंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को एक नया कैंपेन लॉन्च किया है। इस दौरान गोपाल राय के साथ एमसीडी आप प्रभारी दुर्गेश पाठक भी मौजूद रहे। इस दौरान करीब 35 ऑटो पर कूड़े का कट आउट बना कर प्रचार के लिए रवाना किया गया। इस दौरान भाजपा पर निशाना साधते हुए गोपाल राय ने कहा कि भाजपा को गली में अब जाना पड़ेगा और दिल्ली वाले देख रहे हैं कि भाजपा के नेता वोट मांगने के लिए उनकी गली में कब आएंगे। राय ने कहा कि भाजपा को जवाब देना होगा कि उन्होंने 15 साल में क्या किया है। उन्होंने 15 साल एमसीडी में शासन किया लेकिन दिल्ली को कूड़े का पहाड़ बना दिया। भाजपा की सबसे बड़ी उपलब्धि है कि उन्होंने दिल्ली में तीन कूड़े के पहाड़ खड़े कर दिए है। अगर आप फिर से उन्हें मौका देते हैं तो वह दिल्ली में 16 कूड़े के पहाड़ बना देंगे। आप के द्वारा एमसीडी चुनाव में जारी कैंपेन में जिन ऑटो को रवाना किया गया है। इस पर कूड़े का कट आउट के साथ दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की फोटो भी लगाई गई है। इस पर साउंड के माध्यम से दिल्ली के सभी विधानसभा में यह ऑटो गुजरेंगे और दिल्ली के लोगों से अपील करेंगे कि अगर घर के आस-पास पर कूड़ा चाहिए तो भाजपा को वोट करें और कूड़ा से निजात और साफ सफाई चाहिए तो एमसीडी में भी केजरीवाल की सरकार बनाए। गोपाल राय ने कहा कि 15 साल में एमसीडी में जो भाजपा ने तीन कूड़े के पहाड़ बनाए हैं। इसका जवाब तो उन्हें देना होगा। इस नगर निगम चुनाव में भाजपा की विदाई तय है। उन्होंने दावा किया कि इस बार एमसीडी में चुनाव में आप 230 सीटें जीत रही है।

हाई कोर्ट ने वर्क और फिजिकल एजुकेशन शिक्षकों की नियुक्ति पर लगाई अंतरिम रोक

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) में एक और भ्रष्टाचार का खुलासा हुआ है। नियमों के बाहर जाकर वर्क एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन के शिक्षकों के लिए अतिरिक्त पद सृजित करने के मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने शुक्रवार को पूरी नियुक्ति प्रक्रिया पर 1 दिसंबर तक अंतरिम स्थगन लगा दिया है। शुक्रवार को न्यायमूर्ति कौशिक बसु की एकल पीठ ने यह आदेश दिया है। कोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा परिषद को स्पष्ट निर्देश दिया कि जिन्हें नियुक्ति के लिए सिफारिश पत्र मिले हैं, उन्हें किसी भी सूरत में नियुक्ति नहीं मिलनी चाहिए। दरअसल, वर्क एजुकेशन और फिजिकल एजुकेशन के लिए 1600 अतिरिक्त पद सृजित किए गए। इन में से 750 पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हुई थी। इसके पहले एसएससी की ओर से एक अजीबोगरीब मांग कोर्ट में की गई थी और दावा किया गया था कि इन रिक्त पदों पर उन लोगों को शिक्षक के तौर पर नियुक्त कर दिया जाना चाहिए, जिन्हें अवैध तरीके से नियुक्ति की वजह से हाई कोर्ट ने नौकरी से निकाल दिया है। इस पर जब न्यायाधीश ने तीखी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि इन पदों पर उन लोगों की नियुक्ति नहीं की जाएगी, जिन्हें अवैध नियुक्ति के वजह से बर्खास्त किया गया है, हालांकि न्यायाधीश ने स्पष्ट कर दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया पर अंतरिम स्थगन रहेगा। न्यायाधीश ने एसएससी से यह भी पूछा कि कितने छात्रों को नियुक्ति के लिए सिफारिश पत्र दिए गए हैं। इसके जवाब में एसएससी की ओर से बताया गया कि वर्क एजुकेशन के लिए 585 रिक्त पदों में से 514 पर नियुक्ति के सिफारिश पत्र दे दिए गए हैं। जबकि फिजिकल एजुकेशन के लिए 824 में से 766 लोगों को सिफारिश पत्र दिए गए हैं। इसके बाद न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि किसी को भी नियुक्ति पत्र नहीं दिया जाना चाहिए। राज्य की ओर से महाधिवक्ता सोमेंद्र नाथ मुखर्जी ने यह भी कहा कि आवश्यकता पड़ेगा तो और अतिरिक्त रिक्त पद सृजित किए जाएंगे, जिन पर परीक्षा पास कर चुके लोगों को नियुक्त किया जाएगा।

सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता ने भारत छोड़ा, यूके हुए रवाना

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के माता-पिता ने शुक्रवार को भारत छोड़ दिया। वह चंडीगढ़ हवाई अड्डे से यूके के लिए रवाना हुए हैं। मूसेवाला के माता-पिता की वापसी कब होगीए इसके बारे में कुछ नहीं बताया गया है। सिद्धू मूसेवाला के पिता ने कुछ दिन पहले पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट होकर देश छोड़ने का ऐलान किया था। मूसेवाला के पिता के इस कदम से पंजाब पुलिस की कार्रवाई फिर से विवादों में आ गई है। 29 मई को मानसा के एक गांव में सिद्धू मूसेवाला की गोलियां बरसा कर हत्या कर दी गई थी। मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई और कनाडा में बैठे गोल्डी बराड़ ने ली थी। इस मामले में पुलिस 25 से अधिक गिरफ्तारियां कर चुकी है। विदेश में बैठे गोल्डी बराड़ को पंजाब लाने की तैयारियां भी चल रही हैं। सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह व माता चरण कौर बेटे को इंसाफ दिलाने की बात कर रहे हैं। दो महीने पहले गैंगस्टर टीनू के पुलिस कस्टडी से भाग जाने के बाद बलकौर सिंह ने कहा था कि उनका हौसला टूटता जा रहा है। जिसके बाद बलकौर सिंह ने घोषणा भी कर दी थी कि वह सरकार को एक महीने का समय देते हैं। अगर उनके बेटे को इंसाफ मिल गया तो ठीक, अन्यथा वह अपने बेटे की शिकायत वापस लेकर विदेश चले जाएंगे। बलकौर सिंह शुक्रवार सुबह पत्नी समेत चंडीगढ़ अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। यहां कागजी कार्यवाही की औपचारिकताएं पूरी करने के बाद वह यूके के लिए रवाना हो गए। विदेश जाने को लेकर बलकौर सिंह ने तो कुछ नहीं कहा, अलबत्ता मूसेवाला के प्रशंसकों ने कहा है कि 24 नवंबर को इंग्लैंड की पार्लियामेंट के बाहर फैंस की तरफ से साइकिल रैली का आयोजन किया गया है। जिसमें भाग लेने के लिए बलकौर सिंह और चरण कौर इंग्लैंड के लिए रवाना हुए हैं।

योगी आदित्यनाथ गुजरात में आज से गरजेंगे

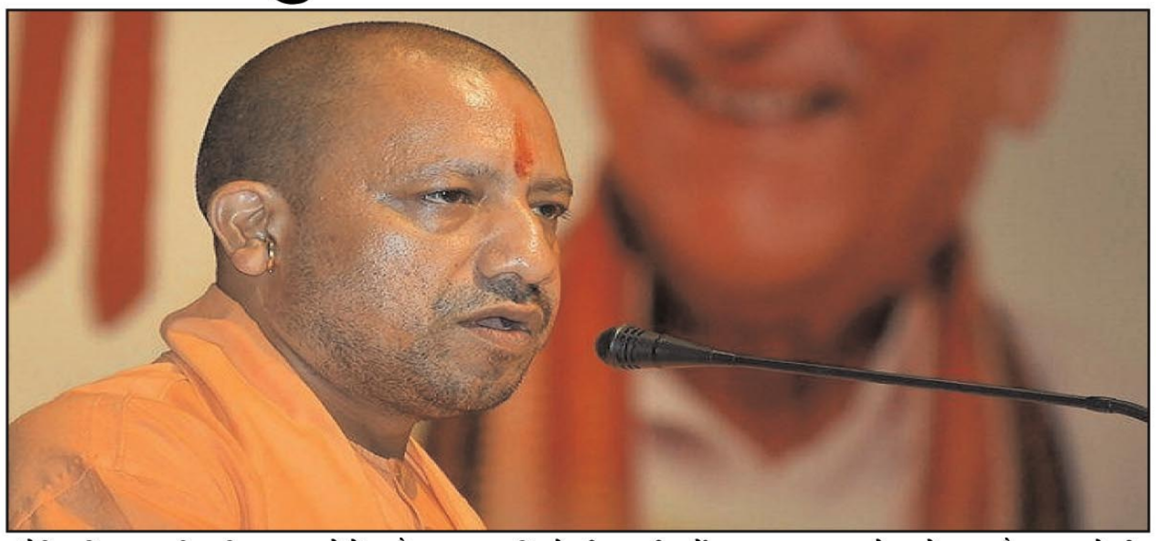

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हिमाचल प्रदेश के बाद अब शुक्रवार से गुजरात में भाजपा के पक्ष में चुनाव सभाएं करेंगे। पहले दिन मोरबी, भरूच और सूरत में उनकी जनसभाएं होंगीं। सबसे पहले मोरबी के वाकानेर से भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र भाई सोमानी के लिए वोट मांगेंगे। इसके बाद झागड़िया सीट पर रितेश भाई वसावा के पक्ष में जनसभा करेंगे। तीसरी जनसभा सूरत में भाजपा उम्मीदवार संदीप भाई देसाई के पक्ष में होगी। वह हफ्ते भर गुजरात के अलग-अलग क्षेत्र में चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। अगर रोज वह तीन से चार सभाओं को संबोधित करें तो उनकी सभाओं की संख्या 21 से 28 तक हो सकती है। गुजरात में योगी के फोकस में वह विधानसभा क्षेत्र होंगे जहां उत्तर भारतीयों की संख्या अधिक है। गुजरात के पिछले विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ ने 29 जिलों के 35 विधानसभा सीटों के लिए जनसभाओं को संबोधित किया था। जिन विधानसभा क्षेत्रों में उनकी सभाएं हुई थीं उनमें से 20 पर भाजपा को जीत मिली थी। इस बार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (आप) ने गुजरात में एंट्री की है। अब तक जितने भी चुनावी सर्वे आए हैं, उनका निचोड़ यही है कि आप की भूमिका वोटकटवा तक ही होगी। उसके पाले में जाने वाले अधिकांश मत कांग्रेस के ही होंगे। इंडिया टीवी के सर्वे में भाजपा को 119, कांग्रेस को 22 और आप को तीन सीटें मिलने का अनुमान है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में दो चरणों में (एक और पांच दिसंबर) को मतदान होगा। आठ दिसंबर को नतीजे आएंगे।

डेंगू से ग्रसित होने पर मरीज को घबराने की जरूरत नहीं: मंडलायुक्त

लखनऊ, (हि.स.)। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने कहा कि अगर किसी को भी डेंगू होता है तो पीड़ित व्यक्ति को घबराने की जरुरत नहीं है। पानी, नारियल पानी का अधिक मात्रा में सेवन करें। साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें और इसके लिए प्रशासन का सहयोग भी करें। घरों के गमलों, बाल्टी, फ्रिज के ट्रे आदि में पानी ना जमा होने दें। मंडलायुक्त ने डेंगू एवं संचारी रोगों के मद्देनजर शुक्रवार की सुबह जोन छह के ग्राम-नरौना पहुंची थी। यहां पर फॉगिंग, साफ-सफाई और एंटी लार्वा छिड़काव का जायजा लिया। मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहरी क्षेत्र से लगे हुए ग्रामीण क्षेत्रों में भी फॉगिंग और एंटीलार्वा का छिड़काव कराया जाए। प्रत्येक जोनल स्वास्थ्य अधिकारी अपने जोन में पंपलेट व हैडविल घर-घर पहुंचाएं और जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सभी गलियों में फॉगिंग कराया जाये , कोई भी गलियां छूटने ना पाये। डेंगू एवं संचारी रोगों पर पूर्णतः नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से बनाई गई त्रिस्तरीय टीम ने शुक्रवार को जोन एक के वजीरगंज थाना मसनगंज वार्ड, जोन दो में राज लक्ष्मी स्वीट्स राजाजीपुरम, जोन तीन में टेढ़ी पुलिया सब्जी मंडी लाला लाजपत राय वार्ड, जोन चार में जयपुरिया स्कूल विनीत खंड , जोन पांच तुलसी उद्यान गीतापल्ली वार्ड, जोन छह पुराना पारा थाना, जोन सात में लार्ड स्कूल हरिहर नगर इस्माइलगंज आदि स्थानो पर फागिंग, साफ-सफाई, एंटीलार्वा का छिड़काव कराया गया। त्रिस्तरीय टीमों की ओर से किये जा रहे कार्यों के सत्यापन के लिए मण्डलायुक्त अचानक नरौना पहुंचकर किए जा रहे कार्यों का जायजा। मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने निर्देश देते हुए कहा कि नालों के स्लैब हटाकर सफाई करें और नालों के सफाई करने के उपरांत नालों में छिड़काव कराया जाना भी सुनश्चित किया जाए। यहां पर कितनी टीमें संयुक्त रूप से कार्य कर रही है संबंधित अधिकारी से जानकारी लिया।

सुलतानपुर में भूपेंद्र चौधरी का भव्य स्वागत

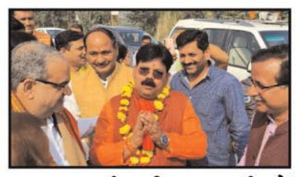

सुल्तानपुर, (हि.स.)। निकाय चुनाव को लेकर भाजपा तैयारी मे जुट गयी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी शुक्रवार को जब वाराणसी जाते समय वे सुलतानपुर पहुंचे तो भाजपाइयों ने उनका जोरदार स्वागत किया। इसमें वे दावेदार भी थे जो चेयरमैन पद के दावेदार हैं। हर एक का माला-गमछा भूपेंद्र चौधरी ने उसके गले में डाल दिया। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव की तैयारी के लिए हम सब लोग लगे हैं। सबको अधिकार है, सब टिकट मांग रहे लेकिन नेतृत्व जो निर्णय लेगा हम सब साथ रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष के जिले की सीमा पर स्थित असरोगा टोल प्लाजा पर भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आरए वर्मा की अगुवाई में पार्टीजनों ने जोरदार स्वागत किया। भाजपा के एमएलसी शैलेंद्र प्रताप सिंह, विधायक सीताराम वर्मा, सांसद प्रतिनिधि रणजीत कुमार, बबिता जायसवाल, ज्ञान प्रकाश जायसवाल,आशीष सिंह रानू, विजय रघुवंशी, प्रदीप शुक्ला,अरुण द्विवेदी, संतोष सिंह, प्रदीप दूबे सहित सैकड़ों पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। अमहट में नगर अध्यक्ष आकाश जायसवाल एवं जिला उपाध्यक्ष आनंद द्विवेदी की अगुवाई में प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया गया।

आतंकी फंडिंग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आज से, प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आतंकी फंडिंग के खिलाफ आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आज (शुक्रवार) सुबह 11 बजे ताज होटल में उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के शनिवार को संबोधन के साथ सम्मेलन का समापन होगा। इस सम्मेलन में पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किया गया है। चीन को न्योता भेजा गया है पर अभी तक उसकी स्वीकारोक्ति नहीं आई है। इस सम्मेलन में दुनिया के 72 देशों और छह संस्थाओं के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सम्मेलन में पाकिस्तान को आमंत्रित नहीं किए जाने पर कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। माना जा रहा है कि भारत में आतंकी संगठनों की ओर से पाकिस्तान की फंडिंग जारी रहने के मद्देनजर उसे नहीं बुलाने का फैसला किया गया है। भारत में आतंकी फंडिंग के स्रोत के बारे में एजेंसियों की ओर से तैयार रिपोर्ट में पाकिस्तान की ओर से कश्मीर, खालिस्तान समर्थक आतंकवाद और इस्लामिक आतंकवाद को मिल रही वित्तीय मदद मिलने का आरोप लगाया गया है। सुरक्षा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पाकिस्तान की ओर इन तीन क्षेत्रों में आतंकी संगठनों को फंडिंग किए जाने के पर्याप्त सबूत हैं।

आतंकी फंडिंग के खिलाफ वैश्विक सम्मेलन की जरूरत बताते हुए एनआईए के महानिदेशक दिनकर गुप्ता ने कहा कहा कि यह पूरी दुनिया के लिए बड़ा मुद्दा है और बहुत सारे देश इससे किसी न किसी रूप में प्रभावित हैं। उनके अनुसार पिछले आठ सालों में भारत में कश्मीर, नक्सल, इस्लामिक आतंकवाद और पूर्वोत्तर भारत सभी क्षेत्रों में आतंकी घटनाओं में कमी आई है, लेकिन यहां सक्रिय संगठनों को फंडिंग जारी रहना भविष्य के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकता है। आतंकवाद और नक्सलवाद को समूल नष्ट करने के लिए फंडिंग को रोकना अहम है। गुप्ता के अनुसार दो दिन के सम्मेलन में कुल चार सत्र होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के उद्घाटन के बाद पहले सत्र में आतंकी फंडिंग के ताजा ट्रेंड पर चर्चा होगी। इस सत्र में गृहमंत्री अमित शाह भी मौजूद रहेंगे। दूसरे सत्र में आतंकी फंडिंग के औपचारिक व अनौपचारिक सभी तरीकों पर चर्चा होगी। शनिवार को तीसरे सत्र में आतंकी फंडिंग के लिए नई तकनीक और रास्तों के इस्तेमाल पर चर्चा होगी। इसमें क्रिप्टो करेंसी व डार्क वेब भी शामिल है। अंतिम सत्र में आतंकी फंडिंग रोकने के लिए अंतराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने की जरूरतों और सहयोग के बारे में चर्चा की जाएगी। दिनकर गुप्ता के अनुसार आतंकी फंडिंग के खिलाफ भारत के समग्र प्रयास जारी हैं। एक महीने के भीतर यह तीसरा सम्मेलन है। पहले इंटरपोल और इसके बाद संयुक्त राष्ट्र संघ की समिति की मुंबई और दिल्ली में हुई बैठक में भारत आतंकी फंडिंग और आतंकवाद के खतरे के प्रति दुनिया को आगाह कर चुका है। इंटरपोल की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया था कि दुनिया में आतंकियों के लिए पनाह की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

आजमगढ़ सीट तो हम धोखे में हार गए, मैनपुरी में नहीं गलेगी भाजपा की दाल: अखिलेश यादव

मैनपुरी, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मैनपुरी लोकसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर चुनाव प्रचार तेज कर दिया है। उन्होंने शुक्रवार को पार्टी उम्मीदवार डिंपल यादव के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। अखिलेश ने इस दौरान भाजपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि आजमगढ़ सीट तो हम धोखे में हार गए, लेकिन मैनपुरी सीट के उपचुनाव में भाजपा की दाल नहीं गलेगी। अखिलेश ने कहा कि मैनपुरी लोकसभा क्षेत्र की जनता कभी भाजपा के मंसूबों को पूरा नहीं होने देगी। भाजपा जानती है कि वह मैनपुरी सीट पर चुनाव नहीं जीतेगी। आजमगढ़ तो हम धोखे में हार गए थे, लेकिन यहां पर उनका मंसूबा कभी पूरा नहीं होगा। उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह के संघर्षों की याद ताजा करते हुए उपस्थित लोगों को भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि हमारा मैनपुरी से रिश्ता नया नहीं है, यहां के लोगों ने ही नेताजी को बनाया था। यहां से नेताजी ने अपने राजनीतिक सफर का शुभारंभ किया था। यह उपचुनाव जनता का अपना चुनाव है। कार्यकताओं से कहूंगा कि नेताजी की सीट पर भारी मतों से पार्टी की प्रत्याशी को विजयी बनाकर नेताजी को श्रद्धांजलि दें। इससे पूर्व, अखिलेश यादव ने करहल के दिहुली में चौधरी नत्थू सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से संवाद किया। इस दौरान उनके साथ सपा के राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, विधानपरिषद सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य सहित कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि अखिलेश यादव के इस्तीफा देने के कारण आजमगढ़ लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दिनेश लाल यादव "निरहुआ" ने जीत दर्ज की थी।

करोड़ों की लागत से बनेगा इचुआ -करणा - मिल्की और कहुआरा -परमा-हिरामनविघा रोड:चंदन

नवादा, (हि. स.)। नवादा के सांसद चंदन सिंह व उनके बड़े भाई पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने शुक्रवार को नवादा में दो सड़क परिजनों का शिलान्यास किया ।जो करोड़ों की लागत से बनकर जिले के पिछड़े इलाके के लोगों के लिए सुगम यातायात बहाल कराने में कामयाबी हासिल करेगी। इस मौके पर नवादा के विधान पार्षद अशोक यादव भी उपस्थित थे । सांसद चंदन ने कहा कि करोड़ों की लागत से बनेगा इचुआ - करणा - मिल्की व कहुआरा - परमा-हिरामनविघा रोड ।जिसका गुणवत्तापूर्ण निर्माण कराया जाएगा ।जिसके लिए शिलान्यास किया गया ।शिलान्यास समारोह में विधान पार्षद अशोक यादव ने भी अपनी भूमिका निभाई। सांसद चंदन सिंह ने कहा कि इन दोनों सड़कों के बन जाने से सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों के लोगों के बीच यातायात सुविधा सुगम हो सकेगी। जिससे गांव तथा शहरों का अंतर दूर हो सकेगा ।उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि समय सीमा के भीतर ए दोनों सड़कों का निर्माण कार्य पूरा करें। पूर्व सांसद सूरजभान सिंह ने कहा कि विकास हमारा परम लक्ष्य है। जिसे हम जनता के सहयोग से ही हासिल कर सकेंगे । उन्होंने सांसद चंदन सिंह तथा विधान पार्षद अशोक यादव को जिले के विकास के लिए मिलजुल कर काम करने का भी आह्वान किया है। विधान पार्षद अशोक यादव ने कहा कि हमारा लक्ष्य नवादा जिले का विकास है ।मृदु ,विनम्र व व्यवहारिक सांसद सक्रिय रहकर विकास कार्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ।निश्चित तौर पर किसी तरह की भी राजनीति से दूर होकर मैं उनका सहयोग करूंगा। सांसद चंदन सिंह ने आम नागरिकों का आह्वान किया है कि बेहतर तरीके से सड़क निर्माण का पपर्यवेक्षण करें ।अगर किसी को भी लगे की सड़क निर्माण घटिया तरीके से किया जा रहा है ,तो निश्चित तौर पर उन्हें मोबाइल पर सूचना दें ।ताकि घटिया निर्माण को रोककर बेहतर बनाया जा सके ।इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि शशि भूषण सिंह बबलू, उपाध्यक्ष अभिमन्यु कुमार सहित बड़ी संख्या में आम कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए अब 20 नवम्बर तक करें आवेदन : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। देश में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायतों को पंचायती राज दिवस के अवसर पर मिलने वाले राष्ट्रीय सम्मान के लिए आवेदन ऑनलाइन करने की तिथि 20 नवम्बर तक बढ़ा दी गई है। पहले दस सितम्बर से शुरू आवेदन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर तक निर्धारित था। लेकिन इसमें अधिक से अधिक पंचायतों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तिथि विस्तारित किया गया है। केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने बताया कि पंचायती राज मंत्रालय द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली पंचायतों को प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाता है। पंचायतों में सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के स्थानीयकरण और प्राप्ति की गति में तेजी लाने के लिए नौ एसडीजी आधारित विषयों के साथ संरेखित बहु-स्तरीय प्रतियोगिता करने के लिए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के प्रारूप, प्रक्रियाओं और श्रेणियों को व्यापक रूप से संशोधित किया गया है। नई पुनर्संरचित पुरस्कार प्रणाली के विषय में विस्तृत जानकारी एवं ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। सशक्त पंचायत सतत विकास के लिए पंचायत योजना का प्रोत्साहन राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के केंद्रीय घटकों में से एक है। इस योजना के तहत, विभिन्न प्राथमिकता वाले क्षेत्रों एवं विषयों के तहत उनके प्रदर्शन को मान्यता देने के लिए पुरस्कार विजेता पंचायतों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन सहित सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली पंचायतों को 24 अप्रैल को "राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार" दिया जाता है। पंचायत स्तर पर एलएसडीजी प्राप्त करने की दिशा में एक व्यवस्थित योजना, कार्यान्वयन, निगरानी और जवाबदेही के लिए पंचायती राज संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों का पुनर्गठन किया गया है। राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों के माध्यम से पंचायत योजना को प्रोत्साहन देने का उद्देश्य नौ चिन्हित गए विषयों के माध्यम से एसडीजी की प्राप्ति में पीआरआई के प्रदर्शन का आकलन करना है। पंचायती राज संस्थाओं के बीच प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने, पीआरआई से एसडीजी के स्थानीयकरण को उत्प्रेरित करने तथा 2030 तक एलएसडीजी प्राप्त करने के महत्व के संबंध में पीआरआई को संवेदनशील बनाता जा रहा है। सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण की प्रक्रिया से सभी परिचित हैं तथा इससे संबंधित विषयगत क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प पंचायतों ने लिया है।

रक्सौल में 19 नवंबर को आयोजित होगा टैक्स कांफ्रेंस,राज्य भर के प्रतिनिधि होंगे शामिल

मोतिहारी, (हि.स.)। जिले के रक्सौल में ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टिशनर्स व रक्सौल चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के संयुक्त तत्ववाधान में 19 नवंबर को रक्सौल टैक्स कांफ्रेंस का आयोजन बैंक रोड स्थित सत्यनारायण मारवाड़ी पंचायती मंदिर के प्रांगण मे होगा। इस दौरान कांफ्रेस का पहला सत्र रीसेंट अमेंडमेंटस इन जीएसटी विथ प्रैक्टिकल आस्पेक्ट्स पर तो वही दूसरा सत्र रीसेंट अमेंडमेंटस इन डायरेक्ट टैक्स पर केन्द्रित होगा। इसकी जानकारी देते चार्टर्ड अकाउंटेंट केशव अग्रवाल ने बताया कि कांफ्रेंस मे पटना, मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, बेतिया, रक्सौल सहित राज्य भर के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

सरकार की लोकप्रियता से भाजपा वालों के पेट में हो रहा दर्द: मुख्यमंत्री

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि उनकी सरकार की लोकप्रियता जैसे-जैसे बढ़ रही है वैसे-वैसे भाजपा वालों के पेट में दर्द हो रहा है। विपक्ष मूलवासी आदिवासियों को भड़काने का काम कर रहा है लेकिन इस साजिश को राज्य की जनता ने पहचान लिया है। भाजपा अपने दोषों का ठीकरा वर्तमान सरकार पर फोड़ रही है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को यूपीए विधायकों की बैठक समाप्त होने के बाद आवास के बाहर बने मंच से मौजूद लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंच पर पहुंचकर हाथ जोड़ कर वहां मौजूद लोगों का अभिनंदन स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि कल हम ईडी ऑफिस गये थे। लगभग आठ घंटों तक उनके सवालों का जवाब दिया। हमने उनसे कहा कि आपने जो आरोप लगाये हैं क्या यह दो साल में पूरा हो सकता है। ईडी का कहना है कि यह दो साल का आरोप नहीं हैं। हमने उनसे कहा कि अगर आप ईमानदारी से दूध का दूध और पानी का पानी करोगे तो सरकार का पूर्ण समर्थन एजेंसियों को मिलेगा। मुख्यमंत्री ने सवाल किया कि आखिर गैर भाजपा शासित राज्यों पर ही ईडी की कार्रवाई क्यों हो रही है। आजतक सिर्फ व्यापारी ही देश का करोड़ों रुपये लेकर विदेश भाग रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राज्य और युवाओं की बद से बदतर स्थिति बना दी है। दूसरी तरफ आदिवासी मूलवासी बच्चों को आज हमारी सरकार बीडीओ, सीओ बना रही हैं। रोजगार की व्यवस्था हो रही है। इंजीनियरिंग पर नियुक्ति हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि संघर्ष करना हम गरीबों के लिए सर्दियों का इतिहास रहा है। दिशोम गुरु शिबू सोरेन को भी इन लोगों ने परेशान किया, लेकिन क्या हुआ। आज शिबू सोरेन के ऊपर कोई भी दाग नहीं है। मंच पर मंत्री मिथलेश ठाकुर, सत्यानंद भोक्ता, जोबा मांझी, बन्ना गुप्ता, चंपई सोरेन, सांसद विजय हांसदा, महुआ माजी, विधायक अनूप सिंह, सरफराज अहमद, इरफान अंसारी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय सहित अन्य उपस्थित थे। दूसरी ओर राज्य के विभिन्न जिलों से झामुमो कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के पास पहुंचे। इस कारण राजधानी रांची के वीआईपी सड़क कांके रोड सहित अन्य सड़कों पर जाम लग गया। हालांकि, अधिकतर जेएमएम कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान में जुटे हैं। जहां वे नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का समर्थन कर रहे हैं। कार्यकताओं की लगातार जुट रही भीड़ की वजह से कांके रोड स्थित प्रेमसंस मोटर के पास से रूट डायवर्ट कर दिया गया है।

सोनू सूद ने सड़क किनारे गाना गाने वाले मकसूद के लिए किया नौकरी का इंतजाम

बोकारो (ईएमएस)। इंडियन आइडल के मंच पर गाना गा चुके मोहम्मद मकसूद का सड़क किनारे गाना गाते वीडियो वायरल हुआ था। वह घर चलाने के लिए सड़क किनारे लोगों का मनोरंजन कर पैसे जुटाता है। वायरल वीडियो में मकसूद ने नौकरी की मांग की थी। अब बॉलीवुड सुपरस्टार सोनू सूद ने मकसूद के लिए नौकरी का इंतजाम किया है। उन्हें पटना स्थित एक स्कूल में बतौर म्यूजिक टीचर काम करने का ऑफर मिला है, लेकिन अब मकसूद का इरादा बदला-बदला दिख रहा है। उसे यह ऑफर रास नहीं आ रहा है। दरअसल सोनू सूद ने एक टीवी चैनल पर मकसूद को लेकर चली खबर को रीट्वीट करते हुए लिखा था। मकसूद भाई को नौकरी और रहने के लिए जगह करवा दिया हूं। अब सड़क किनारे नहीं अपने घर पर गाना गाना और सबको सिखाना। वहीं मकसूद ने कहा कि सोनू सूद के ऑफिस से कॉल आया था। पटना में एक स्कूल में नौकरी की बात कही गई, लेकिन सैलरी को लेकर कुछ नहीं बताया गया है। उसने कहा कि वह परिवार के किसी सदस्य के लिए नौकरी की मांग कर रहा था, ताकि घर चल सके। वह इंडियन आइडल या सारे गामा के मंच तक जाना चाहता है।

गौ संवर्धन से ही संभव है भारतीय संस्कृति की रक्षा- उपेंद्र भाई त्यागी

नवादा (हि. स.)। भारतीय संस्कृति की रक्षा के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में नवादा जिले के वारसलीगंज प्रखंड के दौलतपुर तथा नारोमुरार गांव में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रमोद कुमार चुन्नू की अध्यक्षता में गौ संवर्धन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक उपेंद्र भाई त्यागी उपस्थित थे। ग्रामीणों को भारतीय संस्कृति की रक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए श्री त्यागी ने कहा कि हमारी संस्कृति में गाय, गंगा, गीता ,गुरु और गायत्री का सर्वोपरि महत्व है ।इसके आधार पर ही सनातन धर्म की रक्षा संभव है ।उन्होंने कहा कि आज गांव से भाग कर लो शहरों में आकर पाश्चात्य सभ्यता को ग्रहण कर अपने को धन्य महसूस कर रहे हैं। लेकिन उनका कितना नुकसान हो रहा है, इसका अहसास तक नहीं करते। उन्होंने कहा कि गांव की संस्कृति में गाय की पूजा से लेकर उसके संवर्धन की व्यवस्था की गई थी ।

आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक 19 को

रांची, (हि.स.)। आजसू पार्टी की केंद्रीय समिति की बैठक 19 नवम्बर को रांची स्थित कार्यालय में होगी। बैठक की अध्यक्षता झारखंड के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो करेंगे। आजसू प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने शुक्रवार को बताया कि केंद्रीय समिति की बैठक में पार्टी के भावी कार्यक्रमों की घोषणा, पूर्व में किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा तथा राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान राज्य के ज्वलंत विषयों पर चिंतन-मंथन किया जाएगा। इसमें नगर निकाय चुनाव में पिछड़ों की हकमारी, जातीय जनगणना, खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति, सरना धर्म कोड, झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान तथा हाल ही में विधानसभा के विशेष सत्र में राज्य सरकार की ओर से पारित किए गए विधेयक मुख्य रूप से शामिल हैं। इस दौरान सदस्यता अभियान तथा जनसंग्रह-धनसंग्रह कार्यक्रम की भी समीक्षा की जाएगी। भगत ने बताया कि बैठक में केंद्रीय समिति के सभी सदस्य अन्य लोग उपस्थित रहेंगे।

संपादकीय

टकराव में महामहिम

राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल को विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। हालांकि उस पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो स्वाभाविक ही राज्य सरकार को नागवार गुजरा और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में बेजा दखल दे रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन 'टैप' करा रही है। हालांकि राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। ऐसे में राज्यपाल पद की गरिमा और मर्यादा को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का 'आदमी' मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें। हालांकि केंद्र द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति पुरानी है, पर राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत रेखांकित हुई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को इस पद का दायित्व सौंपा ही क्यों जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है।

अमृत कलश

धन से भी बड़े धन हैं.....

धन से बड़ा कौन? दुनिया में धन खूब बढ़े। इतना बढ़े कि देवता तरसें पृथ्वी पर जन्म लेने को...लेकिन धन ही सब कुछ नहीं है। कुछ और भी बड़े धन हैं। ध्यान हो तो धन भी सुंदर है। ध्यानी के पास धन होगा, तो जगत का हित ही होगा, कल्याण ही होगा। क्योंकि धन ऊर्जा है। धन शक्ति है। धन बहुत कुछ कर सकता है। मैं धन विरोधी नहीं हूं। मैं उन लोगों में नहीं, जो समझाते हैं कि धन से बचो। भागो धन से। वे कायरता की बातें करते हैं। मैं कहता हूं जियो धन में, लेकिन ध्यान का विस्मरण न हो। ध्यान भीतर रहे, धन बाहर। फिर कोई चिंता नहीं है। तब तुम कमल जैसे रहोगे, पानी में रहोगे और पानी तुम्हें छुएगा भी नहीं।ध्यान रहे, धन तुम्हारे जीवन का सर्वस्व न बन जाए। तुम धन को ही इकट्ठा करने में न लगे रहो। धन साधन है, साध्य न बन जाए। धन के लिए तुम अपने जीवन के अन्य मूल्य गंवा न बैठो। तब धन में कोई बुराई नहीं है। मैं चाहता हूं कि दुनिया में धन खूब बढ़े, इतना बढ़े कि देवता तरसें पृथ्वी पर जन्म लेने को। लेकिन धन सब कुछ नहीं है। कुछ और भी बड़े धन हैं। प्रेम का, सत्य का, ईमानदारी का, सरलता का, निर्दोषता का, निर- अहंकारिता का। ये धन से भी बड़े धन हैं।कोहिनूर फीके पड़ जाएं, ऐसे भी हीरे हैं- ये भीतर के हीरे हैं।

बोध कथा

नकारात्मक सोच

नदी के किनारे पेड़ की टहनियां धारा के ऊपर तक फैली थीं। एक चिड़ियों का परिवार अपने लिये घोंसले की तलाश में भटकते हुए उस नदी के किनारे पहुंच गया। चिड़यीं ने उससे पूछा, "हम सब काफी समय से अपने लिये एक नया मजबूत घर बनाने के लिये वृक्ष तलाश रहे हैं, आपको देखकर हमें बड़ी प्रसन्नता हुई, आपकी मजबूत शाखाओं पर हम एक अच्छा सा घोंसला बनाना चाहते हैं ताकि बरसात शुरू होने से पहले हम खुद को सुरक्षित रख सकें?" पेड़ ने उनकी बातों को सुनकर साफ इनकार कर दिया और बोला, " मैं तुम्हें इसकी अनुमति नहीं दे सकता, जाओ कहीं और अपनी तलाश पूरी करो।" चिड़यीं को पेड़ का इनकार बहुत बुरा लगा, वे उसे भला-बुरा कह कर सामने ही एक दूसरे पेड़ के पास चली गयीं। उस पेड़ से भी उन्होंने घोंसला बनाने की अनुमति मांगी। इस बार पेड़ आसानी से तैयार हो गया और उन्हें ख़ुशी-ख़ुशी वहां रहने की अनुमति दे दी। चिड़यीं ने उस पेड़ की खूब प्रशंसा की और अपना घोंसला बना कर वहां रहने लगीं। समय बीता, बरसात का मौसम शुरू हो गया। नदियों में बाढ़ आ गयी। नदी अपने तेज प्रवाह से मिटटी काटते-काटते और चौड़ी हो गयी और एक दिन बाढ़ में तमाम पेड़-पौधे अपनी जड़ों से उखड़ कर नदी में बहने लगे। इन पेड़ों में वह पहला वाला पेड़ भी शामिल था जिसने उन चिड़ियों को अपनी शाखा पर घोंसला बनाने की अनुमति नहीं दी थी। उसे जड़ों सहित उखड़कर नदी में बहता देख चिड़यीं कर परिवार खुश हो गया, मानो कुदरत ने पेड़ से उनका बदला ले लिया हो। चिड़यीं ने पेड़ की तरफ उपेक्षा भरी नज़रों से देखा और कहा, "एक समय जब हम तुम्हारे पास अपने लिये मदद मांगने आये थे तो तुमने साफ इनकार कर दिया था, अब देखो तुम्हारे इसी स्वभाव के कारण तुम्हारी यह दशा हो गई है।" इस पर इस पेड़ ने मुस्कुराते हुए उन चिड़ियों से कहा, मैं जानता था कि मेरी उम्र हो चली है और इस बरसात के मौसम में मेरी कमजोर पड़ चुकी जड़ें टिक नहीं पायेंगी और मात्र यही कारण था कि मैंने तुम्हें इनकार कर दिया था क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम्हारे ऊपर विपत्ति आये।फिर भी मेरे इनकार से तुम्हारा दिल दुखा, इसके लिये मुझे क्षमा करना और ऐसा कहते-कहते पेड़ पानी में बह गया।

अब गुपकार गठबंधन का क्या होगा,जिसका गठन फारूक अब्दुल्ला की पहल पर किया गया था

परिवारवादी दलों को हो रहे नुकसान को देखते हुए अब्दुल्ला ने छोड़ा है पार्टी अध्यक्ष पद

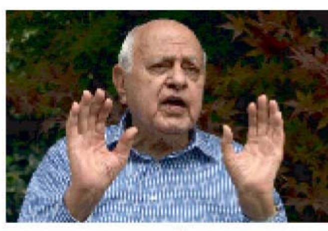

केंद्र सरकार यह साफ कर चुकी है कि पहले चुनाव कराये जायेंगे उसके बाद पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जायेगा। ऐसे में यदि फारूक अब्दुल्ला की घोषणा के हिसाब से उमर अब्दुल्ला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ते तो हो सकता है कि वह सिर्फ अपनी पार्टी के लिए प्रचार कार्य ही करें और 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुटें। यहां यह भी देखना होगा कि अब गुपकार गठबंधन का क्या होगा।

भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीति में परिवारवाद को सबसे बड़ी बुराई बताते हुए जनता से इसके खिलाफ उठ खड़े होने की अपील की जिसके बाद देखने में आया कि देश के कई राज्यों से परिवारवादी दल सत्ता से बाहर हो गये। यही नहीं भारत की सबसे बड़ी परिवारवादी पार्टी मानी जानी वाली कांग्रेस की भी बुरी हालत हो गयी जिसके बाद हाल में हुए पार्टी अध्यक्ष पद के चुनाव से गांधी परिवार दूर ही रहा। इसके अलावा हाल ही में एक और परिवारवादी दल शिरोमणि अकाली दल बादल ने भी पार्टी संगठन में बड़े सुधारों की घोषणा करते हुए 'एक परिवार एक टिकट' नीति बनाने का ऐलान किया।

अब जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष पद से हटने की घोषणा करते हुए कहा है कि नयी पीढ़ी को जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अब्दुल्ला के इस कदम की घोषणा के बाद व्यापक स्तर पर अटकलें लगाई जा रही हैं कि 85 वर्षीय फारूक अब्दुल्ला पार्टी संरक्षक की भूमिका निभाएंगे और उनके बेटे और नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला अब पार्टी के नए प्रमुख बन सकते हैं।

श्रीनगर संसदीय सीट से लोकसभा के सदस्य फारूक अब्दुल्ला का कहना है कि पांच दिसंबर को होने वाले जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस अध्यक्ष पद के चुनाव को पार्टी का कोई भी सदस्य लड़ सकता है। उन्होंने कहा है कि अध्यक्ष पद का चुनाव पूर्ण रूप से लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत होगा। फारूक अब्दुल्ला पहली बार 1983 में नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष बने थे और 2022 में उन्होंने पद छोड़ने का ऐलान किया है। अब देखना होगा कि उनके बेटे इस पद के लिए चुनाव लड़ते हैं या किसी और नेता को अध्यक्ष बनाया जाता है। यदि किसी और को पार्टी की कमान मिलती है तो यह राजनीति से परिवारवाद के खत्म होने की दिशा में एक और कदम भी होगा।

लेकिन सवाल यह भी उठेगा कि यदि फारूक अब्दुल्ला पार्टी के अध्यक्ष नहीं रहेंगे और उनके बेटे भी पार्टी के अध्यक्ष नहीं बनेंगे तो अब्दुल्ला पिता-पुत्र करेंगे क्या? पिछले दिनों फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की थी कि यदि जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों से पहले केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा समाप्त कर पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं बहाल किया गया तो उनके बेटे विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ेंगे। केंद्र सरकार यह साफ कर चुकी है कि पहले चुनाव कराये जायेंगे उसके बाद पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जायेगा। ऐसे में यदि फारूक अब्दुल्ला की घोषणा के हिसाब से उमर अब्दुल्ला विधानसभा चुनाव नहीं लड़ते तो हो सकता है कि वह सिर्फ अपनी पार्टी के लिए प्रचार कार्य ही करें और 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी में जुटें। यहां यह भी देखना होगा कि अब गुपकार गठबंधन का क्या होगा। जिसका गठन फारूक अब्दुल्ला की पहल पर किया गया था।

इस गठबंधन में जम्मू-कश्मीर की कई पार्टियां शामिल हैं। इस गठबंधन का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 और 35-ए की वापसी कराना है लेकिन इस गुपकार गठबंधन में भी जिस तरह मतभेद समय-समय पर सामने आ रहे हैं उससे इसके भविष्य पर सवालिया निशान लग गये हैं। गुपकार गठबंधन से सज्जाद लोन जैसे नेता तो अलग हो ही चुके हैं साथ ही कई बार देखने में आया है कि विभिन्न मुद्दों को लेकर फारूक अब्दुल्ला और महबूबा मुफ्ती में मतभेद रहे हैं। दूसरी ओर, जहां तक फारूक अब्दुल्ला के पार्टी अध्यक्ष पद से हटने की बात है तो इसका कारण यह भी हो सकता है कि अब्दुल्ला पिता-पुत्र यह भी समझ चुके हैं कि जम्मू-कश्मीर में वर्षों तक उन्होंने जिस अंदाज में राजनीति की अब वह चलने वाला नहीं है क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने के बाद कश्मीर के लोगों ने जो बदलाव देखा है वह उन्हें अच्छा लग रहा है।

केंद्रीय योजनाओं का लाभ, भ्रष्टाचार और आतंक का तेजी से सफाया होना लोगों को भा रहा है। इसलिए आने वाले दिनों में जम्मू-कश्मीर नेशनल कांफ्रेंस की राजनीति का और नया अंदाज देखने को मिल सकता है। अब्दुल्ला पिता-पुत्र यह भी समझ रहे हैं कि विधानसभा चुनावों में उनका मुकाबला अब बेहद मजबूत पार्टी भाजपा से होगा।

भाजपा ने जम्मू के अलावा खुद को कश्मीर घाटी में भी जिस तरह मजबूत किया है उससे घाटी के सियासी दलों की बेचैनी बढ़ना स्वाभाविक है। इसके अलावा इस बार पीडीपी से अलग हुई जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी, कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी आदि जैसे कुछ नये दल भी मैदान में हैं इसलिए अब्दुल्ला पिता-पुत्र अपनी पार्टी पर उठने वाले हर सवाल का जवाब पहले ही तैयार कर लेना चाहते हैं, अब्दुल्ला पिता-पुत्र अपनी पार्टी को नया रंग-रूप देने की कोशिश कर रहे हैं इसलिए चुनावों से पहले उनकी ओर से कुछ और चौंकाने वाले कदमों की घोषणा कर दी जाये तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए। बहरहाल, जम्मू-कश्मीर की जनता समझदार है।

आज पंचायत और डीडीसी प्रतिनिधियों के माध्यम से जिस प्रकार विकास की बयार गांवों, कस्बों और शहरों तक पहुँची है वह देखकर लोगों को अहसास हुआ है कि उन्हें अब तक कितना ठगा गया और लूटा गया। जम्मू-कश्मीर आज नये पथ पर चल रहा है और देश के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ते जाने का संकल्प सिद्ध करने का प्रण ले चुका है। ऐसे में अब इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन नेता चुनावी दौड़ से हट रहा है या कौन उसमें शामिल हो रहा है। वैसे भी अब्दुल्लाओं और मुफ्ती के शासन से जनता त्रस्त थी, यदि फारूक पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के साथ ही राजनीति से संन्यास का भी ऐलान कर देते तो यह भी राज्य के हित में होता।

कच्चा तेल बढ़ाएगा संकट

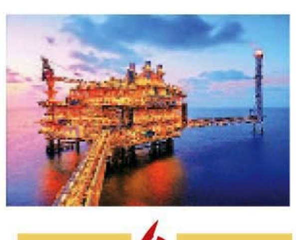

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी जरूरत का पिच्यासी फीदस कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। आयात महंगा होगा तो निश्चित तौर पर महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा।भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए रूस सस्ते दर पर कच्चा तेल बेचने को राजी हो गया। भारत ने इसका लाभ भी उठाया। अप्रैल 2022 से अगस्त 2022 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात पिछले साल की तुलना में पांच गुना बढ़ कर कुल आयात का लगभग सोलह फीदस हो गया।

पहले से सुस्त अर्थव्यवस्था का यह एक नया चरण होगा। ऊंची महंगाई दर और बेरोजगारी के बीच समाज का आचरण भी बदलेगा। ऐसे में यह कह पाना मुश्किल है कि भविष्य की तस्वीर कैसे संकट लिए होगी। महामारी के हालात सुधरने के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू ही हुई थीं कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ गया। आपूर्ति श्रृंखला एक बार फिर बाधित हुई। यूरोप, अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच गई। इसी बीच पश्चिमी देशों ने रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। इसलिए कच्चे तेल की कीमतें चढ़ती गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय हिस्से की जो कीमत अप्रैल 2022 में 102.97 डालर प्रति बैरल थी, वह जून 2022 आते-आते 116.01 डालर प्रति बैरल पहुंच गई। अमेरिका में महंगाई पर लगाम लगाने फेडरल रिजर्व मैदान में उतरा। उसने ब्याज दर बढ़ानी शुरू की। मार्च 2022 से अब तक फेड की ब्याज दर छह बार में 3.50 फीसद बढ़ कर चार फीसद तक हो चुकी है। यह सिलसिला हाल-फिलहाल थमने वाला नहीं। दिसंबर 2022 में एक और वृद्धि का संकेत है। फेड की ब्याज दर बढ़ने से जहां डालर मजबूत होता गया, वहीं भारत सहित अन्य देशों की मुद्राएं कमजोर होती गईं। डालर में भुगतान के कारण आयात महंगा होता गया। इससे महंगाई बढ़ती गई। ईंधन अर्थव्यवस्था का एक अनिवार्य अवयव है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी जरूरत का पिच्यासी फीसद कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। आयात महंगा होगा तो निश्चित तौर पर महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए रूस सस्ते दर पर कच्चा तेल बेचने को राजी हो गया। भारत ने इसका लाभ भी उठाया। अप्रैल 2022 से अगस्त 2022 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात पिछले साल की तुलना में पांच गुना बढ़ कर कुल आयात का लगभग सोलह फीसद हो गया। सितंबर 2022 में हालांकि इसमें दो फीसद की गिरावट आई, फिर भी मौजूदा समय में भारत रूसी कच्चे तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। रूसी तेल ने आयात बिल में काफी राहत दी। इसी दौरान दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश चीन में महामारी से बचाव के सख्त उपायों के कारण आर्थिक गतिविधियां थम गइं और कच्चे तेल की मांग घट गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नीचे आने लगी। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई 2022 में घट कर 105 ।49 डालर प्रति बैरल हो गई, अगस्त में 97 ।40 डालर, सितंबर में 90 ।71 डालर और अक्तूबर में औसत कीमत 91.70 डालर प्रति बैरल पर आ गई। लेकिन सरकार ने आम जनता को इसका कोई लाभ नहीं दिया। जून 2022 से अब तक पेट्रोल, डीजल की घरेलू कीमतें यथावत बनी हुई हैं। दुनिया में मंदी की आहट के बीच कच्चे तेल की कीमत और नीचे आने की उम्मीद थी। यदि ऐसा होता तो कम से कम सरकार को राजस्व के मोर्चे पर राहत मिलती। क्योंकि भारत अभी भी कच्चे तेल का सबसे ज्यादा आयात इराक से और उसके बाद सऊदी अरब से करता है। लेकिन तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस को सस्ता तेल बेचना मंजूर नहीं था। दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति में करीब अस्सी फीसद से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाले तेईस देशों के इस समूह ने मांग घटने के साथ ही उत्पादन घटाने का निर्णय ले लिया, ताकि कच्चे तेल की कीमत नीचे न आने पाए। ओपेक प्लस के प्रतिनिधियों की चार अक्तूबर को वियना में हुई बैठक में नवंबर 2022 से उत्पादन बीस लाख बैरल प्रतिदिन घटाने का निर्णय लिया गया और अगले ही दिन नवंबर के लिए कच्चे तेल का वायदा 0.15 फीसद बढ़ गया। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत पर संचालित बाजार में आपूर्ति कम होगी तो कीमत हर हाल में बढ़ेगी। ऐसे में मजबूत डालर और महंगा तेल महंगाई को किस ऊंचाई तक ले जाएंगे, उसे देखने के लिए हमें गर्दन ऊंचा करने का अभ्यास अभी से शुरू कर देना चाहिए। सरकार ने सस्ते तेल का लाभ आमजन के साथ भले साझा नहीं किया हो, लेकिन महंगे तेल का बोझ वह हर हाल में साझा करना चाहेगी। महंगाई की मौजूदा मार ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। जेब में पैसे नहीं तो भला बाजार कौन, क्यों और कैसे जाए! जब मांग घटेगी तो विनिर्माण को नीचे आना ही है। सितंबर 2022 में विनिर्माण का पीएमआइ (पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स) अगस्त के 56.2 से घट कर 55.1 पर आ गया। अक्तूबर में हालांकि इसमें सुधार हुआ और यह 55.3 पर दर्ज किया गया। लेकिन इसी महीने बेरोजगारी दर बढ़ कर 7.77 फीसद हो गई। इससे इस संभावना को बल मिलता है कि अक्तूबर का विनिर्माण पीएमआइ त्योहारी मांग का परिणाम था। इसकी असल परीक्षा नवंबर के आंकड़े से हो जाएगी। ऐसा नहीं कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) महंगाई को लेकर चिंतित नहीं हैं। लेकिन उनकी चिंता का कोई परिणाम निकल रहा हो, ऐसा भी नहीं है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए आरबीआइ मई 2022 से लेकर अब तक अपनी नीतिगत ब्याज दर में 190 आधार अंकों की वृद्धि कर चुका है। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात। लगातार तीन तिमाहियों यानी नौ महीनों से महंगाई दर आरबीआइ की लक्षित अधिकतम सीमा छह फीसद से ऊपर बनी हुई है। नतीजा यह हुआ कि केंद्रीय बैंक को आरबीआइ अधिनियम, 1934 की धारा 45 जेडएन और आरबीआइ एमपीसी एवं मौद्रिक नीति प्रक्रिया अधिनियम, 2016 के नियम 7 के तहत एमपीसी की एक विशेष बैठक बुलानी पड़ी और सरकार को रपट भेजनी पड़ी।

देश दुनीया से

रुपए की बदलती दुनिया

यह दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसमें भी नकली नोटों के शामिल होने का भारी जोखिम बना हुआ है। डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मानी जा सकती है। डिजिटल क्रांति रुपए-पैसे की दुनिया का चेहरा कैसे बदल रही है, इसकी एक मिसाल भारत में देखने को मिलती है। वर्ष 2016 में जब नोटबंदी की गई थी, तब अनुमान लगाया गया था कि जल्द ही लोग डिजिटल भुगतान वाले विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। कोई शक नहीं कि बीते पांच-छह वर्षों में देश में डेबिट और क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और क्यूआर कोड जैसे तौर-तरीकों ने सब्जी मंडी, रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों से लेकर पांच सितारा होटलों तक में भुगतान का परिदृश्य बदल दिया है। लेकिन अब एक नई क्रांति डिजिटल मुद्रा की शक्ल में होने जा रही है। भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के महीने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा। बात जब मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो निश्चित रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लेख प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी तौर पर सृजित और संचालित की गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्याति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं। लेकिन इनकी सबसे अहम समस्या यह है कि इनका संचालन कोई सरकारी केंद्रीय बैंक नहीं कर रहा। इसी तरह इन मुद्राओं के बदले किसी संपत्ति का समर्थन नहीं मिलता, जैसे कि आम रुपए के बदले भारतीय रिजर्व बैंक धारक को रुपए की कीमत अदा करने का वचन देता है। चूंकि आभासी मुद्राओं से किसी संस्था या केंद्रीय बैंक की देयता नहीं जुड़ी है, इसलिए एकाध देशों को छोड़ कर उन्हें दुनिया में कहीं भी कानूनी मान्यता हासिल नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में अफ्रीकी देश अल सल्वाडोर ने बिटकाइन को कानूनी मुद्रा का दर्जा जरूर दिया था, लेकिन ऐसे उदाहरण गिनती के ही हैं। इन्हीं कारणों से प्रायः सभी आभासी मुद्राएं भरोसेमंद नहीं हैं। डिजिटल रुपए को लेकर भारत सरकार की ओर से आधिकारिक बयान इस वर्ष केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया था। उन्होंने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक भी जल्दी ही डिजिटल रुपया पेश करेगा। यह भारत की अपनी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी- सीबीडीसी) होगी। प्रस्तावित योजना के मुताबिक सीबीडीसी एक प्रकार का डिजिटल भुगतान तरीका है, जिसे भारतीय रुपए (राष्ट्रीय मुद्रा) के रूप में अंकित किया गया है। इस डिजिटल रुपए के धारक को भारत के केंद्रीय बैंक की तरफ से प्रत्यक्ष देयता का आश्वासन मिलेगा। इसमें भी सबसे उल्लेखनीय यह है कि मुद्रा के इस डिजिटल स्वरूप की कीमत भारतीय रिजर्व बैंक में रखे भौतिक नकद रुपए या उसके भंडार के बराबर ही होगी, जो डिजिटल रुपए के धारकों के लिए सबसे अहम आश्वासन है। इसका अर्थ यह है कि डिजिटल रुपए को भौतिक रुपए के समान संप्रभु गारंटी हासिल होगी। ऐसे में इसके मूल्य में समय-समय पर वही परिवर्तन या अंतर आएगा, जो भौतिक नकद रुपए की कीमत में आता है। वैसे तो ई-रुपए रिजर्व बैंक द्वारा जारी मुद्रा नोटों का डिजिटल रूप ही है। यानी यह बैंक नोटों से अलग नहीं है। फर्क यदि कोई है तो यह है कि डिजिटल मुद्रा होने के कारण इसके जरिए कोई भी लेन-देन बहुत त्वरित, सस्ता और आसान होगा। साथ ही भौतिक नोटों के मुकाबले इसके मुद्रण (छपाई-ढलाई), वितरण और भंडारण की लागत बहुत कम होगी। पर ई-रुपए के ज्यादा लाभ सुविधा, पारदर्शिता और सुरक्षा के संबंध में है।

भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के महीने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा।बात जब मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो निश्चित रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लेख प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी तौर पर सृजित और संचालित की गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्याति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं।

नागरिक बोध

देश मे हररोज दुष्कर्म और हत्या के शर्मसार करने वाले मामले सुर्खियों में

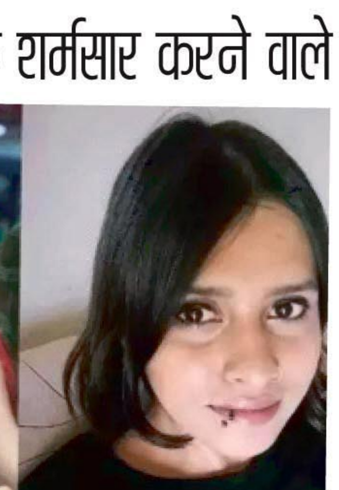

श्रद्धा मर्डर केस के मामले पूरे देश मे हाहाकार मचाने वाली घटना से कठोर ह्दय व्यक्ति भी एक बार पसीज जाता है। निर्भया रेप के हत्या की उस घटना से देश को झकझोर कर रख दिया था। श्रद्धा के आरोपी को सजा जरूर मिलेगी। क्या आफ़ताब को सजा मिलने के बाद इस देश मे रेप केस में कमी आएगी? यह सिलसिला इसी तरह चलता रहेगा। एक के बाद एक इस देश मे घिनौनी हरकत सुबह अखबार की सुर्खियों में रहती है। चोर नही चोर की माँ को चोट करने वाली कहावत आज कुछ कह रही है। अखबार में या टीवी चैनल में ऐसी घटना को सुन पढ़कर सब खामोश हो जाते है। किसी को कोई गीले शिकवे नही है। हर रोज बेटियो के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या इस समाज पर कलंक समान है। यह एक वास्तविकता रही है कि देश मे दुष्कर्म की घटनाओ में वृद्धि देखने को मिल रही है। देश मे बलात्कारियों को कोई डर नही है। दुष्कर्मियों को कानून का भय नही है तो समाज का कोई सरोकार नही है। युवक ने अश्लीलता धारण कर अपना और अपने परिवार का भला बुरा सोचने की जगह अंधे होकर अपराध कर रहे है। देश में उत्तरप्रदेश आबादी के हिसाब से देश मे बड़ा राज्य है। यहाँ योगी के पहले सैकड़ो दुष्कर्म होते थे। यूपी का नाम जंगलराज के नाम से जाना जाता था। लेकिन फिर भी यूपी में आज भी दुष्कर्म की घटना प्रकाश में आ रही है। यह समाज की काली छाया है। जिसका कड़वा घूंट समाज पी रहा है। यौन शोषण से सुख प्राप्त करने वाले यह भूल जाते है कि इस घटना के बाद हमारा रास्ता जेल की सलाखों के पीछे है।हम खुल कर घूम नही सकते है। हम समाज मे बैठ नही सकते है। हम खुली हवा में सांस नही ले सकते है। हमारे पर कानून की बेड़यिा लगी हुई होगी। परन्तु उतेजना के बहाव में बह कर कानून हाथ मे ले लेते है।आज भी दुष्कर्म की घटनाओं में यूपी पहले स्थान पर है। यूपी में हररोज 11 दुष्कर्म होते है।कड़क कानून के बावजूद झांसा देकर दुष्कर्म किया जाता है। इसके बाद रोज की इस रूटिंग के बावजूद दुष्कर्म की घटनाओ में कमी आई है। योगी के शासनकाल में रेप की घटनाएं कम हुई है। नेशनल क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट के अनुसार देश मे हररोज 86 दुष्कर्म रोज होते है। जिसका 13 प्रतिशत केवल यूपी में बलात्कार होते है। हर वर्ष रेप के मामले में कमी आ रही है। दुष्कर्मियों को पांच से दस साल की जेल और जघन्य अपराध और घिनौनी हरकत में फांसी की सजा का प्रावधान है। दुधमुंही बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या में फांसी की सजा का प्रावधन है। ऐसी घटनाओ में कठोर सजा का प्रावधान है। देश मे हररोज दुष्कर्म की घटनाओं में पड़ोसी और संबंधियो द्वारा दुष्कर्म किया जाता है। इन घटनाओं को समाज मे डर के कारण छुपाया भी जाता है। यह गलत है। चाहे कोई भी है।दुष्कर्म करने वाला रिस्तेदार ही क्यो नही है। उसके खिलाफ केस दर्ज कराना जरूरी हो जाता है। यूपी में पिछले सालों में दुष्कर्म के मामले में कमी आई है।उसकी वजह कड़क कानून का प्रावधान है। इसमें अज्ञान व्यक्ति ही दुष्कर्म करता है। क्योंकि रेपिस्ट को कानून की जानकारी नही होती है।

नैंसी पेलोसी ने सदन में डेमोक्रेटिक नेतृत्व का चुनाव नहीं लड़ने का किया एलान, कहा– नई पीढ़ी को मिले मौका

वाशिंगटन।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने कांग्रेस में डेमोक्रेटिक नेतृत्व के लिए फिर से चुनाव नहीं लड़ने का एलान किया है। नैंसी पेलोसी ने कहा कि मैं अगली कांग्रेस में डेमोक्रेटिक नेतृत्व के लिए फिर से चुनाव नहीं लड़ूंगी। मेरे अनुसार, डेमोक्रेटिक कॉकस का नेतृत्व करने के लिए नई पीढ़ी को मौका देने का समय आ गया है। रॉयटर्स ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी रिपब्लिकन पार्टी के करीबी बहुमत हासिल करने के एक दिन बाद सदन में डेमोक्रेटिक नेता के रूप में अपने पद से इस्तीफा दे देंगी।

प्रतिनिधि सभा में मामूली बढ़त के साथ रिपब्लिकन को बहुमत – अमेरिका में विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी ने बुधवार को 435 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में मामूली बढ़त के साथ बहुमत हासिल कर लिया है। इस बदलाव के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बाकी बचे दो साल के कार्यकाल में उनकी योजनाओं के क्रियान्वयन में अड़चनें आने की आशंका है। डेमोक्रेटिक पार्टी की 211 सीटों के मुकाबले पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी के पास अब 218 सीटें हैं। छह सीटों पर मतगणना अब भी जारी है। इनके परिणाम आने पर ही अंतिम स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। बता दें कि अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के लिए मतदान आठ नवंबर को हुआ था।

रिपब्लिकन मैक्कार्थी बन सकते हैं प्रतिनिधि सभा के नए अध्यक्ष – रिपब्लिकन पार्टी को मध्यावधि चुनाव के बाद दोनों सदन में बहुमत हासिल करने की उम्मीद थी, लेकिन वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक नतीजे हासिल नहीं कर पाई। हालांकि, कैलिफोर्निया के 27वें जिले में जीत दर्ज कर उसने प्रतनिधि सभा में बुधवार को बहुमत हासिल कर लिया। रिपब्लिकन पार्टी ने एक दिन पहले ही केविन मैक्कार्थी को सदन में अपना नेता चुना था। मैक्कार्थी डेमोक्रेटिक पार्टी की नैंसी पेलोसी की जगह प्रतिनिधि सभा के नए अध्यक्ष बन सकते हैं।

बाइडन ने रिपब्लिकन पार्टी को दी बधाई – मैक्कार्थी ने बुधवार को एक ट्वीट में कहा कि 'अमेरिकी लोग नई दिशा में आगे बढ़ने को तैयार हैं और प्रतिनिधि सभा इसके लिए काम करने को तैयार है।' अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल करने के लिए रिपब्लिकन पार्टी को बधाई दी। उन्होंने कहा, "मैं सदन में बहुमत हासिल करने पर रिपब्लिकन पार्टी के नेता मैक्कार्थी को बधाई देता हूं। मैं कामकाजी परिवारों की सेवा के लिए प्रतिनिधि सभा के साथ मिलकर काम करने को तैयार हूं। हालांकि सीनेट में बहुमत अब भी डेमोक्रेटिक पार्टी के पास है। 100 सदस्यीय सीनेट में उसके पास 50 सीटें हैं और अगले महीने जॉर्जिया के 'रन ऑफ' मुकाबले में भी उसके जीत दर्ज करने के आसार हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप (76) के तीसरी बार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने की घोषणा करने के एक दिन बाद पार्टी ने प्रतिनिधि सभा में बहुमत हासिल किया।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी चेतावनी के तुरंत बाद उत्तर कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल। उत्तर कोरिया ने बृहस्पतिवार को अपने पूर्वी समुद्री तट की ओर एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। दक्षिण कोरियाई सेना के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने अमेरिका द्वारा क्षेत्र में अपने सहयोगियों (दक्षिण कोरिया और जापान) की सुरक्षा को लेकर दृढ़ प्रतिबद्धता जताने के जवाब में कड़ी सैन्य कार्रवाई शुरू करने की धमकी देने के कुछ घंटों बाद यह कदम उठाया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने कहा, उन्हें उत्तर कोरिया के एक और मिसाइल का परीक्षण किया है। मिसाइल ने करीब 240 किमी (149 मील) की उड़ान भरी और मैक 4 की गति से 47 किमी की ऊंचाई तक पहुंच गई। इस लॉन्चिंग की अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया समेत संयुक्त राष्ट्र ने भी कड़ी निंदा की है। इससे पहले, उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन ह्यू ने बृहस्पतिवार को चेताया था कि प्योंगयांग के मिसाइल प्रक्षेपणों को लेकर अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान का हालिया शिखर सम्मेलन कोरियाई प्रायद्वीप में व्याप्त तनाव को अधिक अप्रत्याशित बना देगा। चो का बयान अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के उनके दक्षिण कोरियाई और जापानी समकक्षों के साथ हाल ही में किए गए त्रिपक्षीय सम्मेलन पर उत्तर कोरिया की पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया थी। सम्मेलन के बाद तीनों नेताओं ने एक साझा बयान जारी करते हुए प्रायद्वीप में प्रतिरोध क्षमता को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति जताई थी। बाइडन ने एटमी हथियारों समेत अन्य सभी सैन्य उपायों के जरिये दक्षिण कोरिया और जापान की रक्षा की अमेरिकी प्रतिबद्धता को दोहराया था।

चीन के खतरे से निपटने की बड़ी रणनीति बनाएं, अमेरिकी सांसदों का बाइडन से आग्रह

वॉशिंगटन । चीन की बढ़ती आक्रामकता पर काबू करने व इस खतरे से निपटने के लिए अमेरिका में मांग उठने लगी है। रिपब्लिकन पार्टी के दो प्रभावशाली सीनेटरों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को लिखे पत्र में मांग की है कि वे चीन को लेकर बड़ी रणनीति बनाएं। अमेरिकी सीनेटर जिम रिश और मिट रोमनी ने गुरुवार को लिखे पत्र में कहा कि बाइडन प्रशासन पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के खिलाफ व्यापक रणनीति तैयार करे। इस पत्र की प्रतिलिपि मीडिया में जारी की गई है। इसमें अमेरिकी सांसदों ने कहा कि अमेरिका को चीन की बेरोकटोक आक्रामकता को रोकने के लिए तेजी से कदम उठाना चाहिए। अमेरिकी सीनेटरों ने पत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के उदाहरण भी दिए हैं। उन्होंने लिखा कि चीन ने सैन्य और परमाणु शस्त्रों का निर्माण तेज किया है। समुद्री क्षेत्र में नेविगेशन की आजादी का उल्लंघन करने के साथ भारत और जापान के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया। पत्र में ताइवान के प्रति लगातार चीन के लगातार बढ़ते आक्रामक रवैये और ताकत के दम पर इसे फिर से चीन में मिलाने की मंशा का उल्लेख है।

हादसा नहीं सुनियोजित साजिश थी पाकिस्तानी पत्रकार की हत्या, केन्याई मानवाधिकार आयोग का दावा

इस्लामाबाद । पाकिस्तानी पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या मामले में केन्या के मानवाधिकार आयोग ने बड़ा

खुलासा किया है। आयोग की ओर से कहा गया है कि पत्रकार अरशद शरीफ की हत्या सुनियोजित तरीके से की गई थी। केन्याई मानवाधिकार आयोग के वरिष्ठ प्रोग्राम एडवाइजर मार्टिन मावेनजिना ने एक पाकिस्तानी चैनल से कहा कि 23 अक्तूबर को अरशद शरीफ की हत्या की गई थी। चार नवंबर को केन्याई ऑटोप्सी रिपोर्ट में कहा गया कि उन पर करीब से दो गोलियां चलाई गई थीं। केन्याई अधिकारी ने कहा कि इस मामले में यह बड़ा तथ्य है, जो बहुत कुछ इशारा करता है। केन्याई अधिाकरी ने कहा, अरशद शरीफ मामले में कई सवाल उठते हैं। सुरक्षा अधिकारियों को उस विशिष्ट स्थान पर अरशद शरीफ की मौजूदगी का पता कैसे चला और दावा किया गया कि वह गलत पहचान के बहाने वहां छिप गए थे। उन्होंने कहा, केन्या पुलिस इस मालमे में दोषी है। इस मामले में कहा गया है कि शरीफ जिस वाहन से यात्रा कर रहे थे, वह लैंड क्रूजर थी।

बांग्लादेश में श्रद्धा से भी अधिक नृशंष हत्या, प्रेमी अबु बकर ने हिंदू प्रेमिका को दी खौफनाक मौत

ढाका ।

बांग्लादेश से एक हिंदू की नृशंस हत्या के बाद लव जिहाद की एक और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। खुलना शहर के गोबरचाका इलाके में अबू बकर नाम के एक शख्स ने पहले एक हिंदू लड़की को प्रेमजाल में फंसाया, फिर बेरहमी से उसकी हत्या कर उसके कई टुकड़े कर दिए।

हाथ गायब, सिर कटी लाश देख सन्न रह गई पुलिस – मामला रविवार छह नवंबर को उस समय सामने आया, जब आरोपी अबू बकर काम पर नहीं आया और उसका फोन बंद था। जिस ट्रांसपोर्ट कंपनी में वह काम करता है उसके मालिक ने जब उसके किराए के मकान में किसी को मामले की जानकारी के लिए भेजा तो उस व्यक्ति ने मकान में ताला लगा पाया और मकान मालिक को इसकी सूचना दी। स्थिति संदिग्ध होने पर मकान मालिक राजू ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खोला तो घर के एक डिब्बे में हिंदू महिला की सिर कटी लाश मिली। घर की और तलाशी लेने पर सिर पॉलीथिन में लिपटा मिला, लेकिन उसके हाथ गायब थे। इतना ही नहीं जब पास के नाले की जांच हुई तो उसमें कई मांस के टुकड़े और हड्डियां गिरी मिलीं।

सपना के साथ लिव-इन लेकिन कविता को भी प्रेम जाल में फंसाया – पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार अबू बकर और उसकी लिव-इन पार्टनर सपना चार साल से गोबरचक चौराहा नंबर 1 में मकान मालिक राजू के घर में पति-पत्नी के रूप में रह रहे थे। सपना शहर के प्रिंस अस्पताल में नर्स का काम करती हैं। पहले से इन रिलेशनशिप में होने के बावजूद अबु ने कविता को अफेयर में फंसा लिया। हत्या से कुछ दिन पहले कविता और अबू बकर की मुलाकात

हत्या से कुछ दिन पहले कविता और अबू बकर की मुलाकात हुई थी। घटना के पांच दिन पहले ही आरोपी महिला से मिला था। वह 5 नवंबर 2022, शनिवार की शाम कविता को अपने किराए के मकान में लेकर आया था। उस समय सपना काम पर गई हुई थी क्योंकि वह अस्पताल में नाइट शिफ्ट में काम कर रही थी। दोनों ने कुछ देर तक समय बिताए फिर जो हुआ उसने कविता की जान ले ली। मकान मालिक ने पुलिस को बताया कि वह महिला को नहीं जानता है और वह अबू बकर की पत्नी नहीं है। बाद में पुलिस ने मृतका की पहचान कविता रानी के रूप में की। फरार अबू बक्र इस मामले में मुख्य संदिग्ध था, और पुलिस ने उसे 7 नवंबर 2022 को उसकी लिव-इन पार्टनर सपना के साथ गिरफ्तार कर लिया। बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन ने 7 नवंबर, 2022 की सुबह हत्यारे अबू बकर को गिरफ्तार कर लिया। लेफ्टिनेंट कर्नल मुश्ताक अहमद ने मीडियाकर्मियों को इस घटना की जानकारी दी।

सपना के बारे में पता चलने पर भड़क गई कविता – वॉयस ऑफ बांग्लादेश की एक पोस्ट के मुताबिक, पुलिस को प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कविता को अबु बकर के लिव-इन में होने की बात पता चल गई थी। इस वजह से दोनों के बीच विवाद हुआ था। स्थानीय पुलिस का कहना है कि अबु और कविता रिलेशनशिप में थे। कविता को अबू ने बताया था कि वो सिंगल है। लेकिन कुछ वक्त बाद उसे पता चला कि अबू उसे धोखा दे रहा है और पहले से शादीशुदा है। इसके बाद दोनों के बीच अक्सर लड़ाई होने लगी।

ऐसे लगाया शव को ठिकाने – शव को ठिकाने लगाने के लिए वह किचन से धारदार चाकू लेकर आया और कविता का सिर धड़ से अलग कर दिया। अबू बकर ने अपने कटे हुए सिर को पॉलीथिन बैग में लपेट लिया। उसके बाद दोनों हाथ भी काटकर नाले में फेंक दिए। बाकी लाश को उसने घर में ही एक डिब्बे में रख दिया।

हत्या के बाद लिव-इन पार्टनर सपना के साथ हो गया फरार – पुलिस के अधिकारी ने यह भी खुलासा किया कि उसी रात (5 नवंबर, 2022) अबू बकर ने अपनी लिव-इन पार्टनर सपना के साथ रूपसा नदी पार की और ढाका के लिए रवाना हो गए। लेकिन अगले दिन किराए के मकान से कविता रानी का शव मिलने के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस के साथ-साथ आरएबी इंटेलिजेंस ने 6 नवंबर, 2022 की रात आरोपी अबू बकर के ठिकाने का पता लगाया। उसके बाद उसे और सपना को गाजीपुर जिले के बसन थाना क्षेत्र के चौरस्ता इलाके से गिरफ्तार किया गया।

भारत समेत कई देशों को मिले सुरक्षा परिषद की स्थाई सीटें, ब्रिटेन ने यूएन में की मांग

संयुक्त राष्ट्र ।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार और भारत को स्थाई सदस्यता की लंबे से उठ रही मांग का ब्रिटेन भी समर्थन किया है। यूएन में ब्रिटेन की स्थायी प्रतिनिधि बारबरा वुडवर्ड ने भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नई स्थाई सीटों की मांग की है। बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि ब्रिटेन लंबे समय से सुरक्षा परिषद के विस्तार की मांग कर रहा है। हम भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नई स्थायी सीटों की व्यवस्था के साथ-साथ स्थायी अफ्रीका के स्थाई प्रतिनिधित्व का भी समर्थन करते हैं। बता दें, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के वर्तमान में पांच स्थाई सदस्य हैं। इनमें अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस व ब्रिटेन शामिल हैं। वैश्विक आबादी व अर्थव्यवस्था व नई भू राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए स्थाई सदस्य देशों की संख्या बढ़ाने की मांग लंबे समय से हो रही है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने भी गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में जी-4 की तरफ से अपना बयान दिया। इसमें उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समान प्रतिनिधित्व पर जोर दिया। कंबोज ने ट्वीट कर बताया कि मैंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में समान प्रतिनिधित्व पर यूएनजीए में जी-4 की तरफ से बयान दिया। लंबे समय से सुरक्षा परिषद में सुधार रुका हुआ है, प्रतिनिधित्व में कमी अधिक है, जो सुरक्षा परिषद की वैधता और प्रभावशीलता के लिए एक अपरिहार्य पूर्व शर्त है। जी4 देशों में ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत शामिल है। जी-4 देशों की ओर से बोलते हुए कंबोज ने कहा कि यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस वर्ष के उच्च स्तरीय सप्ताह के दौरान, जिसमें 77वीं महासभा की आम बहस भी शामिल है, 70 से अधिक देश और सरकार के प्रमुखों और उच्च स्तरीय सरकारी प्रतिनिधियों ने इस बात को रेखांकित किया है कि इस सत्र के दौरान सुरक्षा परिषद में सुधार हमारी प्राथमिकताओं में से एक होना चाहिए। इस विषय के लिए यह व्यापक समर्थन इसकी प्रासंगिकता और तात्कालिकता की पुष्टि करता है।

पाक पुलिस बोली- अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल पाकिस्तान में कर रहे आतंकवादी

पेशावर ।

पाकिस्तान में आतंकवादी अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी हथियारों का इस्तेमाल कर रहे हैं। यह दावा पाकिस्तान पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने गुरुवार को किया। उन्होंने कहा कि अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के खिलाफ आतंकवादी अफगानिस्तान में छोड़े गए अमेरिकी हथियारों का उपयोग कर रहे है। अमेरिकी सैनिकों ने करीब 20 साल अफगान की धरती पर बिताए अमेरिका ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से अपनी सेना की वापसी पूरी की। अमेरिकी सैनिकों ने करीब 20 साल अफगान की धरती पर बिताए थे। अमेरिका ने तालिबान को खदेड़ दिया था, लेकिन अमेरिका जब वापस लौटा तो वहां हैलिकॉप्टर, बंदूकें और अन्य आधुनिक हथियार वहां छोड़ गया। जिसका इस्तेमाल अब तालिबान और आतंकवादी कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के महानिरीक्षक मोअज्जम जाह अंसारी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि 2021 में अफगानिस्तान से जाने के बाद अमेरिका द्वारा छोड़े गए आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकी गतिविधियों के लिए किया जा रहा है जो काफी चिंताजनक है।

भारत ने कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान को लगाई लताड़ कहा– झूठ फैलाने की कोशिश सफल नहीं होगी

न्यूयॉर्क।

संयुक्त राष्ट्र में बहस के दौरान कश्मीर के मुद्दे को उठाने के लिए भारत ने गुरुवार को पाकिस्तान को जमकर लताड़ लगाई और उसकी इस कोशिश को झूठ फैलाने के लिए हताशा भरा प्रयास बताया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में काउंसलर प्रतीक माथुर ने कहा कि जब हम यूएनएससी सुधारों पर चर्चा करने के लिए मिल रहे हैं, तो पाकिस्तान के एक प्रतिनिधि ने फिर से जम्मू-कश्मीर का अनुचित संदर्भ दिया है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है, भले ही पाकिस्तान के प्रतिनिधि कुछ भी मानता हों। संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान जवाब देने के अधिकार का उपयोग कर उन्होंने भारत का पक्ष रखते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि झूठ फैलाने के पाकिस्तान के हताशा से भरे प्रयास और बहुपक्षीय मंचों का दुरुपयोग करने की बुरी आदत सामूहिक

अवमानना और शायद सहानुभूति हासिल करने की कोशिश है। माथुर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में संयुक्त राष्ट्र महासभा की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान पाकिस्तान के झूठे दावों पर भारत की ओर से करारी प्रतिक्रिया दी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समान प्रतिनिधित्व पर यूएनजीए में जी4 देशों की ओर से वक्तव्य दिया। कंबोज ने गुरुवार को ट्वीट किया कि आज मैंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समान प्रतिनिधित्व पर यूएनजीए में जी4 का बयान दिया। इसमें उन्होंने कहा कि लंबे समय तक सुधार रुका हुआ है, प्रतिनिधित्व में कमी अधिक है जो सुरक्षा परिषद की वैधता और प्रभावशीलता के लिए एक अपरिहार्य और पहले से तय शर्त है। जी4 देशों- ब्राजील, जर्मनी, जापान और भारत की ओर से बोलते हुए उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार जितने अधिक समय तक रुका रहेगा, प्रतिनिधित्व में इसका घाटा उतना ही अधिक होगा। प्रतिनिधित्व इसकी वैधता और प्रभावशीलता के लिए पहले से तय एक अपरिहार्य शर्त है। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा परिषद को संपूर्ण सदस्यता की ओर से कार्य करने के लिए अपने चार्टर को उत्तरदायित्व के अनुरूप लाने का सही समय है। उन्होंने कहा कि दोनों श्रेणियों में सदस्यता बढ़ाए बिना इसे हासिल नहीं किया जा सकता है। केवल यही परिषद आज के वैश्विक संघर्षों और तेजी से जटिल और आपस में जुड़ी वैश्विक चुनौतियों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सक्षम होगी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत के स्थाई मिशन में काउंसलर आर मधुसूदन ने कहा कि अफगानिस्तान पर तालिबान शासन से पहले भारत ने वहां तीन अरब डॉलर की परियोजनाओं को लागू किया था। हालांकि, तालिबान के अधिग्रहण के बार इन परियोजनाओं की गति धीमी हुई है।

पाकिस्तान के डिफॉल्टर होने का खतरा बढ़ा, ओपीएसी प्रोजेक्ट भी हो रहा ठप

इस्लामाबाद ।

पड़ोसी देश पाकिस्तान के बड़े आर्थिक संकट में फंसने की आशंका बढ़ गई है। राजनीतिक संकट और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष से कर्ज के लिए बातचीत को लेकर अनिश्चितता से उसके ऋण अदायगी में डिफॉल्टर बनने का खतरा बहुत बढ़ गया है। उधर, बहुचर्चित सीपीईसी प्रोजेक्ट भी ठप होने की स्थिति में दिख रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार देश के चूककर्ता डिफॉल्टर बनने की जोखिम बहुत बढ़ गई है। देश के डिफॉल्टर बनने की जोखिम को पांच साल के क्रेडिट-डिफॉल्ट स्वैप से मापा जाता है। सीडीएस एक तरह का बीमा अनुबंध होता है, जो कि किसी निवेशक को देश के डिफॉल्टर बनने की दशा में आर्थिक सुरक्षा प्रदान करता है।

पाकिस्तान का सीडीएस बुधवार को बढ़कर 75.5 फीसदी पर पहुंच गया। यह पूर्व में 56.2 फीसदी था। आर्थिक रिसर्च करने वाली फर्म आरिफ हबीब लिमिटेड के मुताबिक सीडीएस में वृद्धि एक गंभीर स्थिति का इशारा कर रही है। सीडीएस बढ़ने के कारण पाकिस्तानसरकार के लिए बॉन्ड या वाणिज्यिक उधारी के माध्यम से बाजारों से विदेशी मुद्रा जुटाना बेहद मुश्किल हो जाएगा।

पाकिस्तान को 34 अरब डॉलर की जरूरत

पाकिस्तान को अपने विदेशी कर्ज दायित्वों को पूरा करने के लिए चालू वित्तीय वर्ष में 32 से 34 अरब डॉलर की जरूरत है। वित्त विशेषज्ञों के अनुसार पाकिस्तान को शेष वित्तीय वर्ष की अवधि के लिए करीब 23 अरब डॉलर चाहिए। इसके लिए पाकिस्तान आईएमएफ से कर्ज लेने के लगातार प्रयास कर रहा है।

पाकिस्तान ने आईएमएफ को अपना राजस्व घाटा 1500 अरब तक करने का वादा किया है, लेकिन लगता नहीं है कि वह ऐसा कर पाएगा। इस बीच, मुद्राकोष ने पाकिस्तान के साथ नवंबर के पहले सप्ताह में होने वाली वार्ता तीसरे सप्ताह तक स्थगित कर दी है। पाकिस्तान को इसके पूर्व आईएमएफ से किए गए वादे पूरे करने होंगे। इनमें पेट्रोल पर टैक्स बढ़ाने का वादा भी शामिल है।

आर्थिक गलियारा परियोजना को लेकर आशंका गहराई

उधर, चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजना के अमल को लेकर आशंकाएं गहराती जा रही हैं। यह अपेक्षित रफ्तार से आगे नहीं बढ़ रहा है। सिंगापुर पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार चीन को पाकिस्तान पर पूरा भरोसा नहीं है, वहीं, इस्लाबाद उसे अपना सदाबहार दोस्त बताता है। हालत यह है कि पाक पीएम शाहबाज शरीफ की हालिया चीन यात्रा से भी दोनों देशों के रिश्तों में चमक नहीं आई है। परियोजनाओं के इंजीनियरों पर हुए हमलों से भी चीन का पाकिस्तान पर से विश्वास डिगा है। हालांकि, पाकिस्तान ने अब चीनी नागरिकों को बुलेट प्रूफ कारें मुहैया कराई हैं। पाकिस्तान के लिए सीपीईसी परियोजना बहुत अहम है, क्योंकि इससे उसे बिजली पैदा करने में मदद मिलेगी और वर्तमान में रोज हो रही 16 घंटे की कटौती से राहत मिल सकेगी।

पंजाब में कर्मचारियों के लिए ओल्ड पेंशन स्कीम लागू

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों को राहत देते हुए ओल्ड पेंशन स्कीम को लागू कर दिया है। सरकार ने शुक्रवार को इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ओल्ड पेंशन योजना की अधिसूचना को मंजूरी दी गई। सरकार की अधिसूचना में यह साफ नहीं है कि ओल्ड पेंशन योजना को किस समय सीमा तक और किस प्रक्रिया से लागू किया जाएगा। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बैठक में गन्ने की कीमतों को लेकर भी अधिसूचना को मंजूरी दी गई है। जिसके बाद पंजाब में गन्ना उत्पादक किसानों को देश में सबसे अधिक प्रति क्विंटल 380 रुपए दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने गन्ना किसानों की पूरी अदायगी कर दी है।

डेरा सच्चा सौदा के नाम चर्चा घरों व प्रेमियों की सुरक्षा बढ़ाई

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब पुलिस ने डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख प्रतिनिधियों की सुरक्षा बढ़ा दी है। खुफिया एजेंसियों के इनपुट के बाद पंजाब पुलिस महानिदेशक द्वारा गुरुवार से सिक्योरिटी रिव्यू किया जा रहा है। जिसके चलते गुरुवार शाम पंजाबी फिल्म अभिनेता एवं गायक बब्बू मान की सुरक्षा बढ़ाई गई। शुक्रवार को पंजाब में डेरा सच्चा सौदा के नाम चर्चा घरों तथा डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख जिम्मेदारों की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया। हाल ही में फरीदकोट के कोटकपूरा में डेरा प्रेमी एवं बेअदबी केस के आरोपित प्रदीप की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे को खून से लिखा पत्र

जयपुर (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अपने खून से पत्र लिखकर कहा है कि राजस्थान के संदर्भ में अनिर्णय और भ्रम की जो स्थिति बनी हुई है, उस पर जल्द से जल्द फैसला करें। क्योंकि 25 सितंबर को जो कुछ घटना क्रम हुआ वो आपके संज्ञान में है। आगामी दिसंबर माह में प्रदेश में राहुल गांधी जी भारत जोड़ो यात्रा लेकर आ रहे है। हम सब कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि प्रदेश में अभूतपूर्व स्वागत हो और इसके लिये हम सब मिलकर पूरी ताकत और ईमानदारी के साथ इसे सफल बनायेगें। उन्होंने कहा कि आम

कार्यकर्ता और प्रदेश की जनता आपसे उम्मीद रखती है कि आप राजस्थान के विषय में जल्द से जल्द फैसला करे। आज 52 दिन के बाद भी अनिर्णय की स्थिति है। अजय माकन ने भी अनिर्णय की वजह से अपना त्यागपत्र दिया है। आपसे आग्रह है कि उनके उठाये बिंदुओं पर भी जल्द से जल्द निर्णय हो। जिससे प्रदेश में पूर्ण बहुमत के साथ हमारी सरकार बने और प्रदेश का विकास हो। मुझे पूरी आशा और विश्वास है कि आप मेरे इस खून से लिखे पत्र में मेरी और प्रदेश के आम कार्यकर्ताओं की भावनाओं के अनुरूप जल्द फैसला करेगें। खून से पत्र लिखने के बाद मिश्रा ने अपने बयान में कहा है कि राजस्थान की जनता और कार्यकर्ता चाहते हैं कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने। लेकिन इसके लिये भ्रम की स्थिति खत्म होनी चाहिए और पूरे जोश के साथ हमें चुनाव में उतरना चाहिए।

भाजपा ओबीसी मोर्चा की जनसंपर्क बैठकें आयोजित

भाजपा ओबीसी मोर्चा कठुआ इकाई ने हीरा नगर, कठुआ और आसपास के क्षेत्रों में जनसंपर्क बैठकें आयोजित कीं। कार्यक्रमों के मुख्य अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष ब्रह्म ज्योत सत्ती रहे। सुनील प्रजापति (भाजपा ओबीसी मोर्चा के महासचिव जम्मू कश्मीर), बिशन दास (अध्यक्ष प्रजापति सभा कठुआ) और पुन्नू राम (अध्यक्ष प्रजापति सभा चंदवा, हीरानगर) माननिय अतिथि थे। कार्यक्रम का आयोजन जतिंदर भारती (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा, कठुआ) ने किया। दीवान चंद, भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला कठुआ के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक और स्थानीय लोग मौके पर उपस्थित थे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम उन्होंने प्रजापति सभा में जाकर संत गोरा जी महाराज का पूजन किया। इसके बाद उन्होंने वहां जनता के साथ संवाद बैठक की। इसके बाद वे चंदवा गांव में अन्य जनसभा के लिए गए। जहां उन्होंने क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और उनकी शिकायतों को सुना और उन्हें जल्द से जल्द सभी मुद्दों को हल करने का आश्वासन दिया। संबोधित करते हुए ब्रह्म ज्योत ने ओबीसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया और उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा जनता के लिए सर्वोत्तम है। उन्होंने भाजपा

ओबीसी मोर्चा कठुआ इकाई के कार्यों की सराहना की और कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा ने नि:स्वार्थ सेवा कर लोगों के दिलों में जगह बनाई है। उन्होंने कहा कि कुछ सत्ता के भूखे लोग मूर्ख बना रहे हैं, हमारी हिंदू संस्कृति के खिलाफ हमारी ओबीसी जनता के बीच जहर फैला रहे हैं और हमारी एकता को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ स्वार्थी लोग हमारी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन हमारी जनता उन्हें मुंहतोड़ जवाब देगी क्योंकि हम पूरे जम्मू-कश्मीर में मानवता की सेवा में निस्वार्थ भाव से काम कर रहे हैं।

तबादले की मांग को ले जम्मू बेस्ड केटेगरी इंप्लाइज का प्रदर्शन जारी

जम्मू। उपयुक्त व्यापक तबादला नीति के लिए ऑल जम्मू बेस्ड रजिर्व कैटेगरी एंप्लॉयीज एसोसिएशन का लंबा विरोध आज यहां अंबेडकर चौक जम्मू में जारी रहा। कश्मीर में कार्यरत आरिक्षत वर्ग के कर्मचारियों का कहना है कि वे सरकार से उपयुक्त व्यापक स्थानांतरण नीति बनाने की मांग कर रहे हैं। उनकी स्पष्ट मांग है कि कश्मीर से बाहर उन्हें जम्मू संभाग में ट्रांसफर किया जाए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफर करने के बजाय प्रशासन ने हमारा वेतन ही रोक दिया है। सरकार ही बताए बिना वेतन के हम अपने परिवार को क्या खिलाएंगे। त्यौहरी सीजन होने के बावजूद हमारा वेतन रोका गया है अखिर क्यों? ये कर्मचारी स्थानांतरण नीति की अपनी मांग को पूरा करने के लिए पिछले कई महीनों से शांतिपूर्वक धरना दे रहे हैं। वे महात्मा गांधी द्वारा प्रतिपादित अहिंसा (अिहंसा) के मार्ग का अनुसरण कर रहे हैं और वे एलजी प्रशासन पर भरोसा करते हैं कि उनकी वास्तविक मांग को जल्द ही संबोधित किया जाएगा। ये कर्मचारी

भारत के संविधान द्वारा गारंटीकृत अपने मौलिक अधिकार यानी जीवन का अधिकार की रक्षा के लिए अपनी जान बचाने के लिए अंबेडकर चौक पर संघर्ष कर रहे हैं। जीवन का अधिकार सबसे महत्वपूर्ण अधिकारों में से एक है जिसकी संविधान गारंटी देता है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इस अधिकार को मौलिक अधिकारों का हृदय कहा है। उन्होंने आगे कहा कि कश्मीर में कुछ डीडीओ, विशेष रूप से ग्रामीण विकास, वन और स्वास्थ्य विभाग में, कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने के लिए मजबूर कर रहे हैं और अल्पसंख्यकों और पुलिसकर्मियों की लगातार लक्ष्य हत्या के बावजूद सख्त कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं। इन डीडीओ ने अल्पसंख्यक कर्मचारियों का वेतन रोक दिया है। अल्पसंख्यक कर्मचारियों को प्रताड़ित करने वाले ऐसे डीडीओ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। ये कर्मचारी कई दिनों से संघर्ष कर रहे हैं और एक उपयुक्त व्यापक स्थानांतरण नीति की मांग कर रहे हैं। कश्मीर में टारगेट किलिंग का सिलिसला बंद नहीं हुआ है, इसलिए ये कर्मचारी अपने कर्तव्यों को फिर से शुरू करने की स्थिति में नहीं हैं और प्रशासन को चेतावनी भी दी है कि वे तब तक अपनी ड्यूटी फिर से शुरू नहीं करेंगे जब तक कि ट्रांसफर पॉलिसी की अधिसूचना लागू नहीं हो जाती।

सेवानिवृत्त बीडीओ नसीर हुसैन शाह के निधन पर गहरा आजाद ने जताया शोक

जम्मू। डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद ने राजौरी के युवा नेता सनम शाह को शोक संदेश में उनके पिता जौरी के सेवानिवृत्त बीडीओ नसीर हुसैन शाह के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

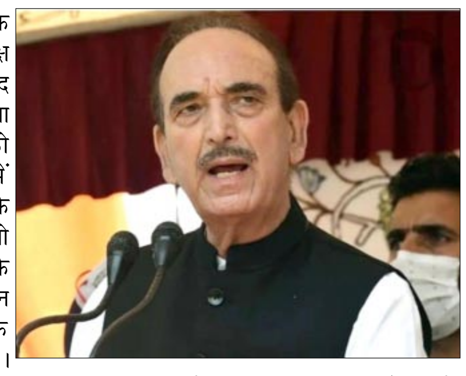

संदेश में उन्होंने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की ह और उनके परिवार के सदस्यों को इस क्षति को सहन करने की शक्ति और साहस प्रदान करें। स्वर्गीय नसीर हुसैन शाह एक समर्पित सरकारी अधिकारी थे, जिन्होंने लोगों के लिए एक निस्वार्थ सेवा प्रदान की है। वह लीवर की बीमारी से बीमार थे और एम्स नई दिल्ली में अस्पताल में भर्ती थे, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली।

बस और ट्रेलर की भिड़ंत में दो की मौत, 10 घायल

बाड़मेर (हिंस)। जिले के मेगा हाईवे पर सुभाष कॉलेज के पास शुक्रवार सवेरे बस व ट्रेलर के बीच भीषण भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, 10 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर सिणधरी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सिणधरी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया। मृतकों के शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। हादसे के बाद मेगा हाईवे पर दोनों तरफ लंबा जाम लग गया। पुलिस ने एक घंटे बाद हाईवे को खुलवाया। पुलिस के अनुसार गुड़ामालानी से बालोतरा की तरफ जा रही बस व ट्रेलर के बीच सुभाष कॉलेज के समीप जबरदस्त भिड़ंत हो गई। हादसे में बस का एक तरफ आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचक गया, वहीं ट्रेलर के परखच्चे बिखर गए। आस-पास के लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद बस में सवारियां तथा दोनों वाहनों के चालकों को बाहर निकाला। घायलों को एम्बुलेंस की मदद से सिणधरी हॉस्पिटल ले जाया गया है। वहां पर सभी का उपचार चल रहा है। सिणधरी थानाधिकारी सुरेंद्र कुमार के मुताबिक सुबह करीब 10:15 ट्रेलर व बस के बीच भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। बस में सवार 10 लोग घायल हो गए है। इसमें दो-तीन गंभीर है। प्राथमिक उपचार के हाई सेंटर रेफर कर दिया है। जानकारी के मुताबिक बस अहमदाबाद से जोधपुर के बीच चलती है। शुक्रवार को अहमदाबाद से आते समय गुढ़ामालानी मेगा हाईवे पर चल रही थी। इस दौरान सुभाष स्कूल के पास ट्रेलर व बस में भिड़ंत हो गई। बस में 15-20 सवारियां बताई जा रही है। हादसे में बस कंडक्टर जोगाराम (35) पुत्र अमराराम निवासी शौभाला जेतमाल धोरीमन्ना और बस में सवार शंभूदयाल (19) पुत्र इंद्राराम निवासी भोजाराम बायतू की मौत हो गई।

पंजाब में एक हजार व्यक्तियों पर 13 गन लाइसेंस

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब में लगातार बढ़ रहे गन कल्चर तथा गैंगवार की घटनाओं के बीच पंजाब पुलिस ने सभी मौजूदा हथियार लाइसेंस की समीक्षा के बाद अब राज्य में चल रहे गन हाउस (बंदूक घरों) के स्टॉक की तिमाही जांच करने के आदेश दिए हैं। पंजाब में भारत की कुल आबादी का सिर्फ दो फीसदी है, परन्तु पंजाब में कुल लाइसेंसी हथियारों का लगभग 10 फीसदी मौजूद है, जो लगभग 4 लाख के करीब बनता है, या पंजाब में हर 1000 व्यक्तियों के पीछे 13 बंदूकों के लाइसेंस हैं। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को राज्य की सभी रेंज के आईजी/डीआईजी और सभी सीपी/ एसएसपी को निर्देश जारी करते हुए कहा कि पंजाब पुलिस के गजटेड अधिकारियों को आर्म्स एक्ट के अधीन हर तिमाही में सभी लाइसेंसशुदा निर्माताओं और डीलरों की दुकानों और अहातों के स्टॉक की जांच करने के लिए अधिकृत किया जाता है। डीजीपी ने सभी सीपीज़/ एसएसपीज़ को निर्देश दिए कि डीएसपीज़/एसीपी हर तिमाही में अपनी सब डिवीजनों में आने वाले गन हाउस, हथियारों से संबंधित दुकानों और अहातों के स्टॉक की अनिवार्य तौर पर जांच करें। इसके अलावा उन्होंने जिला पुलिस सुपरिटेंडेंट को हर साल कम से कम एक बार निरीक्षण करने की भी हिदायत की है। यूपी, बिहार और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों से अंतरराष्ट्रीय सरहद और अंतर-राज्यीय सरहदों से गैर-कानूनी हथियारों की बड़ी आमद होती है।

अहीर रेजीमेंट की मांग पर आंदोलनकारियों की पुलिस से भिड़ंत

गुरुग्राम (हिंस)। अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग को लेकर पिछले करीब चार महीने से यहां खेड़कीदौला टोल प्लाजा के पास धरने पर बैठे लोगों ने दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 को जाम करने का प्रयास किया। इस दौरान वहां तैनात पुलिस फोर्स से उनकी भिड़ंत हो गई। आंदोलनकारियों को हाइवे से हटाने के लिए पुलिस ने प्रयास तेज किए तो पुलिस के साथ झड़प हो गई। पुलिस पर पथराव भी किया गया। जवाब में पुलिस ने भी उन पर लाठियां भांजी और कईयों को हिरासत में लिया। आंदोलन का समर्थन करने पहुंचे सिंगर राहुल फाजिलपुरिया भी हिरासत में लिए गए। खेड़कीदौला टोल प्लाजा के पास धरने पर अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग को लेकर धरना दिया जा रहा है। उनकी मांग को लेकर अनेक नेताओं ने समर्थन किया है। पक्ष-विपक्ष के नेता धरने पर पूर्व में आ चुके हैं। हरियाणा के अलावा कई अन्य राज्यों के लोगों ने भी अहीर रेजीमेंट बनाने की मांग का समर्थन किया है। काफी समय से धरना शांतिपूर्वक चल रहा था। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को धरनास्थल पर सेंकड़ों लोग जुटे और टोल प्लाजा के पास हाईवे को जाम करने पहुंचे। नारेबाजी करते हुए सभी टोल फ्री कराने के लिए गए। इसी दौरान वहां तैनात भी पुलिस बल ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस किसी भी कीमत पर सड़क जाम नहीं करने देना चाहती थी। अगर वे सड़क जाम करने में कामयाब हो जाते तो फिर जाम की धमक दिल्ली तक पहुंचती। राष्ट्रीय-राजमार्ग संख्या-48 पर कई किलोमीटर तक दोनों ओर जाम लग जाता। इससे पहले भी इसी तरह का प्रदर्शन करके सड़क को जाम किया गया था। इस बार पुलिस ऐसा नहीं होने देना चाहती थी। इसलिए पूरी तैनाती थी। अहीर रेजीमेंट संघर्ष समिति के नेताओं के आह्वान पर काफी संख्या में युवा, किशोर भी यहां प्रदर्शन करने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों को शांतिपूर्वक प्रदर्शन करने पर तो पुलिस ने नरमी बरती, लेकिन उनके तेवरों को देखकर पुलिस ने सक्रियता बढ़ाई। पुलिस आंदोलनकारियों को आगे बढ़ने से रोकती रही और वे जबरदस्ती करके आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे। इसी दौरान दोनों तरफ से तनाव बढ़ गया। हालात बेकाबू से होते नजर आए। आंदोलनकारी नहीं माने और पुलिस के साथ उनकी झड़प हो गई। आंदोलनकारियों का नेतृत्व कर रहे संघर्ष समिति के नेताओं और युवाओं को पुलिस ने हिरासत में लेना शुरू कर दिया। पुलिस ने बाकी प्रदर्शनकारियों पर भी सख्ती दिखाई और उन्हें खदेड़ा जाने लगा। गुस्साए लोगों ने पुलिस पर ही पथराव करा शुरू कर दिया। इसमें पुलिसकर्मी घायल हो गए। हालात बेकाबू होते देख पुलिस की दो और बटालियन मौके पर भेजी गई।

पटियाला में 12 लोगों के जाली अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट रद्द

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पटियाला जिले में अनुसूचित जाति के प्रमाणपत्रों का फर्जीवाड़ा सामने आया है। जिसके चलते सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग ने पटियाला जिले के गांव आलमपुर के 12 व्यक्तियों के जाली अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट रद्द कर दिए गए हैं। पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने शुक्रवार को बताया कि जिला पटियाला के गांव आलमपुर निवासी ऊधम सिंह पुत्र भगवान सिंह और बलवीर सिंह पुत्र निर्मल सिंह की तरफ से 15 व्यक्तियों के विरुद्ध उनके अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट जाली होने संबंधी 19 मार्च 2020 को शिकायत की गई थी। डॉ. बलजीत कौर ने बताया कि सरकार ने इस मामले की जांच करवाई। कमेटी की तरफ से संबंधित व्यक्तियों को सुनवाई के कई मौके देते हुए जाति सर्टिफिकेट की जांच के लिए पेश करने के आदेश दिए गए। इसके उपरांत 15 व्यक्तियों में से 3 की तरफ से जाति सर्टिफिकेट पेश किए गए। तहसीलदार पटियाला की रिपोर्ट अनुसार 12 व्यक्तियों की तरफ से अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट जमा नहीं करवाए गए। उन्होंने बताया कि कमेटी ने रिकार्ड की जांच करते हुए पाया कि गांव आलमपुर के संबंधित 12 व्यक्तियों कसमीर सिंह पुत्र इन्द्र सिंह, अमनदीप सिंह पुत्र भाग सिंह, विक्की पुत्र भाग सिंह, मनजीत कौर पत्नी भाग सिंह, अंग्रेज सिंह पुत्र कश्मीर सिंह, कुलवंत कौर पत्नी बलजीत सिंह, जसवंत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह, स्वर्ण सिंह पुत्र पाला सिंह, गुरप्रीत सिंह पुत्र स्वर्ण सिंह, बलवीर कौर पत्नी स्वर्ण सिंह, दविन्दर सिंह पुत्र सेवा सिंह और नरिन्दर सिंह पुत्र सेवा सिंह की तरफ से बनाए गए अनुसूचित जाति सर्टिफिकेट जाली थे, जबकि यह व्यक्ति सिख राजपूत जाति के साथ सम्बन्ध रखते हैं। कमेटी की तरफ से सबंधितों के अनुसूचित जाति के सर्टिफिकेट को रद्द करते हुये गलत तरीके से बनाऐ सर्टिफिकेट जब्त करने के आदेश दिए गए।

लक्ष्मीबाई जयंती पर नारी सशक्तिकरण दिवस आयोजित

जम्मू। आज दिनांक 18 नवंबर, 2022 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू द्वारा रानी लक्ष्मीबाई जयंती (नारी सशिक्तकरण दिवस) के अवसर पर जम्मू केंद्रीय विश्विद्यालय द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आज के कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत दीप प्रज्वलन और परिषद गीत के माध्यम से हुआ। जिसके बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, सीयूजम्मू के अध्यक्ष शुभम रैना ने विशिष्ट वक्ता श्री डॉ. नीलिका अरोरा, मुख्य अतिथि प्रो. रसाल सिंह और अभिज्ञा सिंह कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। वह परिषद का परिचय देते हुए कार्यक्रम की पृष्ठभूमि, महत्ता और उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा एबीवीपी के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को भी स्पष्ट किया। उन्होंने समाज और राष्ट्र के निर्माण में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की भूमिका को स्पष्ट किया। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम के

अंतर्गत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने वीरांगना लक्ष्मीबाई पर वीररस से परिपूर्ण कविताओं का पाठ किया तथा अभिभाषण भी किया गया। विशिष्ट वक्ता डॉ. नीलिका अरोड़ा (जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू) ने रानी लक्ष्मीबाई की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया गए नारी सशिक्तकरण दिवस पर अपनी बात रखी। उन्होंने एक ऐसे समाज व्यवस्था के निर्माण की आवश्यकता पर जोर है जहां नारी समुदाय के लिए हर दिन नारी सशक्तीकरण का दिन हो। महिलाओं की संपूर्ण भागीदारी ही समाज और राष्ट्र की प्रगति की आगे ओर ले जा सकता है। इसीलिए महिलाओं को पुरुषों के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने की आवश्यकता बताई। मुख्य वक्ता प्रोफेसर रसाल सिंह ने (अधिष्ठाता, छात्र कल्याण और भाषापीठ, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू) कहा कि कोई भी राष्ट्र तभी पराधीन होता है जब वह अपने रोल मॉडल हीरो को भूल जाता है। इसलिए आज संपूर्ण भारत राष्ट्र में भारतीयता भारतीयता बोध और राष्ट्रीय भावना का संचार करने की सख्त आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय इतिहास के अतीत को याद दिलाते हुए गौरवमयी इतिहास में स्त्री के विभिन्न आयामों को रेखांकित करते हुए वर्तमान समय में नारी जाति की भूमिका को स्पष्ट किया। उन्होंने भारतीय इतिहास नहीं मुगलों के शासन में के दौरान नारी जाति के पतन और ऐतिहासिक तत्वों के छेड़छाड़ के माध्यम से राष्ट्र विरोधी विचारधाराओं ने जन्म लिया है यह भारतीय इतिहास के लिए एक काला धब्बा है। इसीलिए आज इतिहास को पुन: राष्ट्रवादी दृष्टि से देखने, खोजने और लिखने की आवश्यकता है। जो भारतीय जनमानस में राष्ट्रीयभावना और एकता का संचार कर सके। इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन श्री कुलजीत सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन अभिज्ञा सिंह ने किया। इसमें जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों के डॉ. ऋतु बक्शी, डॉ. अरविंद कुमार सहित अन्य छात्र-छात्राएं, शोधार्थी, अध्येता एवं प्राध्यापक उपस्थित रहे।

NOTICE INVITING APPLICATION

Applications are invited from interested for fish farmers/entrepreneurs of **Dhemaji** district for availing various subsidy-oriented schemes under **Pradhan Mantri Matshya Sampada Yojna** (**PMMSY**) for the year 2022.23,

Sl. No.	Activities/Components	Units	General	Women	SC	ST	Total (Ha/Nos	Project Cost per unit (in lakhs)	Eligible unit by individual beneficiary
1	Fish Hatchery	Nos.		1.00		1.00	2.00	**25.00**	As per PMMSY guidelines
2	New Rearing Pond	Ha.	2.00	2.00	2.00	3.00	9.00	**7.00**	0.10-0.50 ha
3	New Pond construction	Ha.	4.00	4.00	2.00	5.00	15.00	**8.40**	0.25-1.00 ha
4	Inputs for Fish Farming	Ha.	4.00	4.00	2.00	5.00	15.00	**4.00**	0.25-0.5 ha
5	Inputs for Integrated Fish Farming (IFS)	Ha.	3.00	4.00	2.00	4.00	13.00	**1.00**	0.10-1.0 ha
6	Mini Feed mill (2ton capacity)					1.00	1.00	**30.00**	Applicant should self-contained Proposal or DPR and other relevant documents.
7	Boat & Nets (Replacement)	Nos		1.00		2.00	3.00	**0.67**	
8	Livelihood support to Fishers	Nos		1000			1000.00	**0.045**	As per PMMSY guildelines

** Aadhar card for all components must be necessary.*

(NB: The units will be allocated to selected beneficiaries as per PMMSY guidelines and availability of targets. Subsidy pattern is 40% of project cost for General Category and 60% for SC/SC/Women Category. Remaining amount will be beneficiary contribution)

The application should be submitted as per PMMSY guidelines. For details of application procedure. candidates may contact District Fishery Development Officer, Dhemaji/ Fisheries Development Officer at block level.

The last date of submission of application along with relevant document Is **15/12/2022 during office** hours at the office of the District Fishery Development Officer, Dhemaji.

Sd/-
District Fishery Dev. Officer
Dhemaji

-- Janasanyog /D/16262/ 22

गेमिंग उद्योग में अप्रैल तक मिलेंगे एक लाख रोजगार
चालू वित्त वर्ष में 30 फीसदी तक बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली।

भारत के गेमिंग उद्योग में 20-30 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है। खास बात है कि चालू वित्त वर्ष यानी 2022-23 खत्म होने तक उद्योग में एक लाख नए रोजगार पैदा हो सकते हैं। इनमें प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोजगार शामिल हैं। वहीं, वर्ष 2026 तक उद्योग में 2.5 लाख नए रोजगार पैदा होंगे। टीमलीज डिजिटल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में देश का गेमिंग उद्योग करीब 50,000 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार देता है। इनमें 30 फीसदी प्रोग्रामर और डेवलपर्स शामिल हैं।

इन भूमिकाओं में बढ़ सकते हैं मौके

प्रोग्रामिंग (गेम डेवलपर्स, यूनिटी डेवलपर्स), टेस्टिंग (गेम टेस्ट इंजीनियरिंग, गुणवत्ता, क्यूए लीड), एनिमेशन, डिजाइन (मोशन ग्राफिक डिजाइनर, वर्चुअल रियलिटी डिजाइनर्स), कलाकार (वीएफएक्स, कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट) व अन्य भूमिकाएं (कंटेंट लेखक, गेमिंग पत्रकार)।

भारत दूसरा बड़ा बाजार

2026 तक गेमिंग उद्योग बढ़कर 38,097 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। 48 करोड़ गेमर्स के साथ चीन के बाद भारत दूसरा बड़ा गेमिंग उद्योग है। राजस्व के लिहाज से भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा बाजार है। वैश्विक स्तर पर इसका बाजार 17.25 लाख करोड़ रुपये का है। 2022-23 तक उद्योग 780 करोड़ का एफडीआई जुटा सकता है।

भारत का गेमिंग उद्योग 2027 तक 3.3 गुना बढ़कर 8.6 अरब डॉलर पहुंच सकता है। वर्तमान में यह 2.6 अरब डॉलर का है।

इसकी मौजूदा वृद्धि दर 27प्रतिशत है।

2021-22 में देश में 50.7 करोड़ गेमर्स थे। इनमें से 12 करोड़ गेमर्स ऐसे हैं, जो गेम के लिए पैसे का भुगतान करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बैंक घोटालों में आरबीआई अधिकारियों की भूमिका मामले में निर्देश, सीबीआई से चार हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली । सर्वोच्च न्यायालय ने भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की एक याचिका पर सुनवाई करते हुए जवाब देने के लिए सीबीआई को और चार हफ्ते का वक्त दिया है। यह मामला विभिन्न बैंकों में हुई धोखाधड़ी में भारती रिजर्व बैंक के अधिकारियों की संलिप्तता से जुड़ा है। इस मामले में आरबीआई से भी जवाब मांगा गया है। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस विक्रम नाथ की उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा है कि वह छह हफ्ते बाद इस मामले में फिर सुनवाई करेगी। इस मामले में कोर्ट ने बीते 17 अक्तूबर को सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने केंद्रीय जांच ब्यूरो और भारतीय रिजर्व बैंक को जवाब दाखिल करने के लि, शुक्रवार को चार सप्ताह का और समय दिया है। कोर्ट ने यह निर्देश विभिन्न बैंकिंग घोटालों में केंद्रीय बैंक के अधिकारियों की कथित भूमिका की जांच की मांग करने वाली भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए दी है।

जर्मनी में मोबाइल फोन सेवाएं हुईं बाधित, नहीं लग रहे कॉल, लोगों को झेलनी पड़ी परेशानी

बर्लिन। जर्मनी में गुरुवार को मोबाइल फोन उपभोक्ताओं को कॉल नहीं लगने की समस्या झेलनी पड़ी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट्स में इसे नेटवर्क में आई तकनीकी खराबी का नतीजा बताया गया है। इसकी वजह से हजारों लोगों को कॉल करने में परेशानी हुई। टेलीकॉम नेटवर्क में आने वाली दिक्कतों का रिकॉर्ड रखने वाले पोर्टल ने भी कॉल लगने में परेशानी की घटनाओं में वृद्धि देखी। रिपोर्ट में बताया कि हजारों जर्मनों ने देश भर में लगभग सभी ऑपरेटरों के नेटवर्क पर व्यवधान का अनुभव किया है। लोगों ने फोन कॉल करने में असमर्थता की शिकायत की है। बाद में हैम्बर्ग पुलिस ने भी कहा कि नेटवर्क विफलताओं के कारण हो सकता है कि आपातकालीन फोन कॉल भी उपलब्ध नहीं हों। ऐसे में पुलिस ने शहर की सड़कों पर गश्त करने वाले अधिकारियों की संख्या बढ़ाकर समस्या का समाधान करने का प्रयास किया। ओ2 ने ट्विटर पर कहा कि वर्तमान में हमारे नेटवर्क पर कॉल पर संभावत: बाधित हैं। इसने 2जी और 4जी मोबाइल नेटवर्क के साथ-साथ लैंडलाइन नेटवर्क पर भी कॉल को प्रभावित किया है। कंपनी ने कहा कि फिलहाल नेटवर्क की कार्यक्षमता को बहाल करने के लिए काम किया जा रहा है।

पीएसयू बैंकों के सीईओ व एमडी का अधिकतम कार्यकाल अब 10 वर्ष होगा, सरकार ने जारी की अधिसूचना

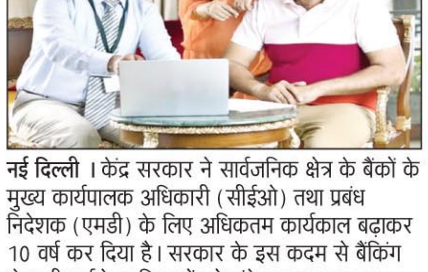

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तथा प्रबंध निदेशक (एमडी) के लिए अधिकतम कार्यकाल बढ़ाकर 10 वर्ष कर दिया है। सरकार के इस कदम से बैंकिंग क्षेत्र की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को लंबे समय तक साथ बनाए रखने में मदद मिलेगी। सरकार ने 17 नवंबर 2022 को अधिसूचना जारी की है जिसके अनुसार बैंकों के सीईओ और प्रबंध निदेशकों का कार्यकाल पहले के पांच वर्ष से बढ़ाकर अब दस वर्ष कर दी गई है। पूर्व में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रबंध निदेशक या कार्यकारी निदेशक को अधिकतम पांच वर्ष या 60 वर्ष की आयु पूरी होने तक (जो भी पहले हो) का ही कार्यकाल मिलता था। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के पूर्णकालिक निदेशकों के लिए भी यही मापदंड होता था। अधिसूचना में कहा गया गया कि प्रबंध निदेशक समेत पूर्णकालिक निदेशक का आरंभिक कार्यकाल पांच वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए, इसमें विस्तार दिया जा सकता है लेकिन यह भी आरंभिक कार्यकाल को मिलाकर दस वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। सरकार के इस फैसले से बैंकों को ऐसी प्रतिभाओं को अपने साथ बनाए रखने में मदद मिलेगी जो 45-50 वर्ष की आयु में ही पूर्णकालिक निदेशक के पद पर पहुंच गए।

अगले साल भी छंटनी जारी रखेगी अमेजन
ई-कॉमर्स कंपनी के सीईओ का बड़ा बयान

नई दिल्ली ।

वैश्विक मंदी की आहट के चलते अमेरिकी कंपनियों ने बड़े पैमाने पर छंटनी शुरू कर दी है। इस बीच, ई-कॉमर्स क्षेत्र की महारथी कंपनी अमेजन के सीईओ एंडी जेसी ने 10 हजार कर्मचारियों की छंटनी की योजना को लेकर पहली बार बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि कंपनी लागत घटाने के उपाय 2023 में भी जारी रखेगी।

अमेजन उन टेक कंपनियों में शामिल हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में अपने कामकाज में जबर्दस्त विकास किया है, फिर भी वे छंटनी कर रही हैं। इन कंपनियों में अमेजन के अलावा मेटा प्लेटफॉर्म्स इंकार्पोरेशन और सेल्सफोर्स इंका. शामिल हैं।

अमेजन के सीईओ जेसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि व्यावसायिक हालात को देखते हुए कंपनी की लागत कम करने के लिए जॉब कट का फैसला किया गया है। कंपनी के सारे लीडर्स अपनी टीम के साथ अपने कर्मचारियों की संख्या और भविष्य के निवेश पर विचार कर रहे हैं। इसके साथ ही ग्राहकों की जरूरतों और हमारे कारोबार की दीर्घावधि सेहत की खातिर प्राथमिकताएं तय कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस साल की समीक्षा और मुश्किलभरी है, क्योंकि अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। हमने पिछले सालों में बड़े पैमाने पर नौकरियां दी हैं। अमेजन के सीईओ जेसी ने कहा कि कंपनी के कारोबार और आर्थिक स्थिति के बारे में पूर्व में सूचित किया गया था। कुछ पेशेवरों को स्वेच्छा से कंपनी छोड़ने की पेशकश की गई थी। ब्लूमबर्ग के अनुसार कंपनी ने कई कर्मचारियों को नई नौकरी खोजने के लिए 60 दिनों का समय दिया है। इसमें विफल रहने वालों को पैकेज

देकर कार्यमुक्त किया जाएगा।

हार्डवेयर प्रमुख डेव लिम्प ने जताया था दुख - इससे पहले अमेजन के हार्डवेयर प्रमुख डेव लिम्प ने बुधवार को श्रमिकों को पत्र लिख कर बताया था कि कई दौर की समीक्षाएं करने के बाद हमने हाल ही में कुछ टीमों और कार्यक्रमों को पुनर्गठित करने का फैसला किया है। इसका अर्थ यह है कि कई लोगों की नौकरियों की अब जरूरत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि मुझे यह खबर देते हुए बहुत दुख हो रहा है। कंपनी ने प्रभावित कर्मचारियों को इस बारे में सूचित किया है। हम नई नौकरी खोजने में मदद करने सहित अन्य सहायता प्रदान करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

अमेजन के इतिहास की सबसे बड़ी छंटनी - रिपोर्ट के हवाले से बताया था कि कंपनी जल्द से जल्द 10,000 कर्मचारियों को निकाल सकती है। अगर छंटनी की कुल संख्या 10,000 के आसपास रहती है, तो यह अमेजन के इतिहास में सबसे बड़ी छंटनी होगी। हालांकि, यह कंपनी के कार्यबल के 1 फीसदी से भी कम है, क्योंकि अमेजन विश्व स्तर पर 16 लाख से अधिक लोगों को रोजगार देता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि नौकरी में कटौती अमेजन की डिवाइस यूनिट में केंद्रित होगी, जिसमें वॉयस-असिस्टेंट एलेक्सा और इसके रिटेल और मानव संसाधन डिवीजन शामिल हैं।

ट्विटर, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट में भी छंटनी - रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी के वर्षों के दौरान अपने रिकॉर्ड पर सबसे अधिक लाभदायक समय का अनुभव करने के बाद अमेजन की वृद्धि दो दशकों में सबसे कम दर तक धीमी हो गई। महामारी के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा ऑनलाइन शॉपिंग में तेजी देखी गई थी। ट्विटर, मेटा और माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब अमेजन नवीनतम तकनीकी कंपनी बन गई है जो संभावित आर्थिक मंदी से निपटने के लिए अपने कर्मचारियों की संख्या में भारी कटौती कर रही है। पिछले हफ्ते, एलन मस्क ने ट्विटर डील पूरा करने के बाद अपने कर्मचारियों की संख्या में लगभग 50 फीसदी की कटौती की थी। फेसबुक की मूल कंपनी मेटा ने भी लागत कम करने के लिए 11,000 कर्मचारियों को निकाल दिया।

गूगल में भी छंटनी की खबर - एक्टिविस्ट निवेशक टीसीआई फंड मैनेजमेंट नें गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट से कहा था कि वह अपने कर्मचारियों की संख्या कम करे, जिससे लागत में कमी आए। अल्फाबेट में 2017 से छह बिलियन की हिस्सेदारी वाले निवेशक ने कंपनी से कहा है कि कंपनी के पास बहुत अधिक संख्या में कर्मचारी हैं और प्रति कर्मचारी लागत बहुत अधिक है।

कर्ज में डूबा एल सेल्वाडोर हर दिन खरीदेगा एक बिटकॉइन, राष्ट्रपति ने ट्वीट कर दी जानकारी

नई दिल्ली ।

एल सेल्वाडॉर के राष्ट्रपति नईब बुकेले ने गुरुवार को कहा है कि शुक्रवार (18 नवंबर) से हर दिन एक क्रिप्टोकरेंसी खरीदेगी। राष्ट्रपति बुकेले ने यह घोषणा ऐसे समय पर की है जब एफटीएक्स क्रिप्टो एक्सचेंज के डूबने के बाद दुनिया भर के क्रिप्टोकरेंसी गिरावट की दौर से गुजर रहे हैं। दुनिया के ज्यादा क्रिप्टोकरेंसी इन दिनों मूल्य दबाव और लिक्विडिटी क्राइसिस से गुजर रहे हैं। एल सेल्वाडोर के राष्ट्रपति नईब बुकेले ने गुरुवार को एक ट्वीट करते हुए जानकारी दी है कि हम कल से हर दिन एक बिटकॉइन खरीदेंगे। बिटकॉइन की कीमतों में पिछले वर्ष की 60,300 डॉलर प्रति कॉइन की तुलना में अब तक 73 प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है। वहीं दूसरी ओर एल सेल्वाडोर के राष्ट्रपति के इस फैसले के बाद ट्रोन क्रिप्टोकरेंसी नेटवर्क और ग्रेनेडा के राजदूत जस्टिन सुन ने भी कहा है कि राष्ट्रपति बुकेले के फैसले का हम समर्थन करते हैं और हम भी हर दिन एक बिटकॉइन की खरीदारी करेंगे। पिछले वर्ष जून में एल सेल्वाडोर दुनिया का पहला देश बना था जिसने बिटकॉइन को डॉलर की तुलना में वैध मुद्रा के रूप में इस्तेमाल में लाने का फैसला किया था। रिपोर्ट्स के अनुसार कर्ज से जूझ रहे देश ने अब तक 43,000 डॉलर के औसत मूल्य पर अब तक 2,381 बिटकॉइन की खरीदारी की है। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बोर्ड ने देश में ई-वॉलेट के सख्त नियमन की मांग करते हुए एल सेल्वाडोर को बिटकॉइन को कानूनी निविदा बनाने के अपने फैसले को वापस लेने को कहा है। पिछले हफ्ते, बिटकॉइन, एथेरियम, पॉलीगॉन सहित क्रिप्टोकरेंसी में 24 घंटे के भीतर 16 प्रतिशत तक की गिरावट के साथ बड़े पैमाने पर बिकवाली देखी गई। एक प्रमुख क्रिप्टो एक्सचेंज एफटीएक्स में वित्तीय संकट के कारण क्रिप्टो की कीमतों पर यह दबाब दिख रहा है। बिनेंस-एफटीएक्स के बीच बचाव सौदे के रद्द होने के बाद स्थिति और खराब हो गई।

इस ताजा घटनाक्रम के बीच 10 नवंबर बिटकॉइन लगभग 16 प्रतिशत तक टूट गया।

मंदी की आशंका से भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार सबसे कम प्रभावित हुआ, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली।

दुनिया की 10 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार ग्लोबल मंदी की आशंका से बहुत हद तक प्रभावित नहीं हुआ है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस की ताजा ग्लोबल ट्रेड मॉनिटर रिपोर्ट के अनुसार यह एक सकारात्मक स्थिति है।

रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी के लिहाज से दुनिया की दस सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत के अलावे अमेरिका, ईयू 27, मेनलैंड चाइना, जापान, ब्रिटेन, भारत, ब्राजील, साउथ कोरिया, कनाडा और रूस हैं। दुनिया के ये देश वैश्विक जीडीपी का लगभग 80 फीसदी हिस्सा है।

वैश्विक निर्यात में इनकी हिस्सेदारी तीन चौथाई यानी 75 प्रतिशत है। दुनिया में सबसे ज्यादा व्यापार इन्ही देशों के बीच होता है। रिपोर्ट के एक हिस्से में कहा गया है कि आने वाले कुछ महीनों में अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर वैश्विक आर्थिक मंदी का असर दिख सकता है। मासिक एतिहासिक आंकड़े दर्शाते हैं कि दुनिया के 10 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल अधिकांश देशों के निर्यात में कमी आ रही है। पीएमआई नेक्सो की रिपोर्ट के अनुसार आयात के मामले में में अब भी स्थिति सकारात्मक बनी हुई है पर आने वाले कुछ महीनों में आयात और निर्यात दोनों में कमी दर्ज की जा सकती है।

टाटा अपनी चार एयरलाइन एयर इंडिया में मर्ज करेगी, रिपोर्ट्स में दावा- नहीं रहेगा विस्तारा ब्रांड

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप अपने चार अलग-अलग विमान सेवा प्रदाता ब्रान्ड्स को एयर इंडिया लिमिटेड की छतरी के नीचे लाना चाहता है। विलय के बाद टाटा ग्रुप के चार एयरलाइन जिनमें एयर इंडिया, विस्तारा, एयर इंडिया एक्सप्रेस और एयर एशिया इंडिया शामिल हैं, भविष्य में एयर इंडिया के ब्रांड नेम के साथ ही कारोबार करेंगे। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा है कि इस कदम से विशाल टाटा ग्रुप अपने लड़खड़ाते विमानन कारोबार को फिर से मजबूती देने की कोशिश में जुटा है। सूत्रों के अनुसार भारत का सबसे बड़ा समूह विस्तारा ब्रांड को खत्म करने पर भी विचार कर रहा है,

जो भारत में सिंगापुर एयरलाइंस लिमिटेड की स्थानीय इकाई है और टाटा ग्रुप की सहयोगी है। सूत्रों के अनुसार नाम ना सार्वजनिक करने की शर्त पर कहा गया है कि यह प्लान बहुत निजी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों में से एक ने कहा है कि सिंगापुर एयरलाइंस संयुक्त इकाई में हिस्सेदारी के आकार का मूल्यांकन कर रही है।

हालांकि टाटा ग्रुप, एयर इंडिया और विस्तारा के प्रतिनिधियों ने इस बारे में किए गए सवालों का अब तक कोई जवाब नहीं दिया है। वहीं, सिंगापुर एयरलाइंस की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि टाटा और एसआईए के बीच बातचीत जारी है। बयान में वही कहा गया है जो 13 अक्तूबर को एक एक्सचेंज फाइलिंग के दौरान कहा गया था। उसके अनुसार, एसआईए और टाटा ग्रुप अपनी साझेदारी को और मजबूत करने पर काम कर रहा है। इसके तहत एयर इंडिया और विस्तारा का विलय हो सकता है। एयर इंडिया अपने नए मालिक टाटा ग्रुप की अगुवाई में बदलाव की ओर बढ़ रहा है। फुल सर्विस विमान सेवा प्रदाता कंपनी 300 छोटे बॉडी वाले विमानों की खरीदारी पर विचार कर रहा है। अगर इन विमानों की खरीदारी का ऑर्डर दिया जाता है तो यह विमानन उद्योग का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर होगा।

मस्क की चेतावनी के बाद कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से दिया इस्तीफा, कई दफ्तरों पर लगे ताले

वाशिंगटन ।

माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के अधिग्रहण के बाद दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क आए दिन कंपनी में कोई न कोई बदलाव कर रहे हैं। इस बदलाव के तहत वे सड्डबसे पहले उन कर्मचारियों पर चोट कर रहे हैं जो उनकी पॉलिसी का सही ढंग से पालन नहीं कर रहे हैं। मस्क लगातार इन सभी कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ाते जा रहे हैं। ताजा मामला है मस्क द्वारा भेजे गए जिसमें उन्होंने सभी कर्मचारियों से कहा है कि या तो वे तीन महीनों का वेतन पाकर इस्तीफा दे सकते हैं या वे कठिन मेहनत के लिए तैयार रहें।

वहीं मस्क की चेतावनी के बाद 100 से अधिक कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दे दिया है। इतना ही नहीं, जिस-जिस दफ्तर में कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से इस्तीफा दिया है उन दफ्तरों में ताले भी लगाए जा रहे हैं।

मस्क की पॉलिसी से सहमे कर्मचारी

बता दें कि मस्क ट्विटर के लगभग आधे कर्मचारियों को कंपनी से निकाल चुके हैं। यही नहीं, उन्होंने ट्विटर में अब वर्क फ्रॉम होम भी पूरी तरह से खत्म कर दिया है। उनकी पॉलिसी से कर्मचारी इस तरह से खौफजदा हैं कि वे रात में भी दफ्तर में ही सो रहे हैं। मस्क की तरफ से कर्मचारियों को एक फॉर्म भरने के लिए भी कहा गया था जिसमें काम की शर्तों के बारे में लिखा था। यदि कोई कर्मचारी ऐसा करने में विफल रहता है, तो उसे तीन महीने के लिए विच्छेद वेतन मिलेगा।

सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी नहीं छोड़ रहे कंपनी: मस्क

एलन मस्क ने एक यूजर की प्रतिक्रिया का जवाब देते हुए कहा कि हमें कर्मचारियों के इस्तीफा को लेकर कोई चिंता नहीं है क्योंकि सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी हमारी कंपनी नहीं छोड़ रहे हैं।

ट्विटर के लिए नए नेतृत्व की तलाश में मस्क

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क अब माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर के लिए नए नेतृत्व की तलाश में लग गए हैं। मस्क को ऐसे नेतृत्व की तलाश है जो इसकी जिम्मेदारी सही ढंग से निभा सके। मस्क जल्द से जल्द ट्विटर की व्यवस्था को पुनर्गठित कर टेस्ला को समय देना चाहते हैं, क्योंकि टेस्ला के निवेशक को मस्क की व्यस्तता चिंता में डाल रही है। मस्क ने अपने बयान में कहा है कि कंपनी अधिग्रहण के बाद मैं इसे जल्द से जल्द पुनर्गठित करना चाहता हूं ताकि मैं अपने अन्य सहयोगी कंपनियों को भी समय दे सकूं।

21 नवंबर को खुलेंगे ट्विटर के दफ्तर

मस्क ने फिलहाल ट्विटर के उन दफ्तरों को भी बंद कर दिया है जहां से कर्मचारियों को निकाला जा रहा है, क्योंकि मस्क और उनकी नेतृत्व टीम इस बात से भयभीत हैं कि छंटनी किए जा रहे कर्मचारी कंपनी में तोड़फोड़ करने का प्रयास करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट में खबर सामने आ रही है कि 21 नवंबर को ट्विटर के दफ्तर फिर से खुलेंगे।

अपने रिस्क पर वर्क फ्रॉम होम लें कर्मचारी

ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने अब कर्मचारियों को एक और नया फरमान सुनाया है। इसके तहत उन्होंने प्रबंधकों से कहा है कि वे अपनी टीम के सदस्यों को रिस्क पर वर्क फ्रॉम की मंजूरी दें।

'एन एक्शन हीरो' में तेजतर्रार नजर आएंगे आयुष्मान

- किरदार के लिए उन्हें बहुत सी चीजों को पड़ा भूलना

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर आयुष्मान खुराना आगामी फिल्म 'एन एक्शन हीरो' में एक तेजतर्रार हिंदी फिल्म स्टार के रूप में नजर आएंगे। किरदार में ढलने के लिए उन्हें बहुत सी चीजों को भूलना पड़ा। फिल्म की शूटिंग के दौरान अभिनेता को ऐसा लगा कि वह फिर से डेब्यू कर रहे हैं। अनिरुद्ध अय्यर द्वारा निर्देशित और आनंद एल राय, भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित 'एन एक्शन ह-रो' 2 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के बारे अभिनेता ने कहा, "ऐसा महसूस हुआ कि 'एन एक्शन हीरो' की शूटिंग के दौरान मैं हिंदी फिल्म उद्योग में अपनी शुरूआत कर रहा था। मैंने अपने करियर में कभी भी इस शैली की खोज नहीं की है, इसलिए मुझे इसके लिए कई चीजें सीखनी पड़ीं। मुझे बहुत मजा आया और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों ने 'एन एक्शन हीरो' जैसी विघटनकारी फिल्म के साथ पर्दे पर जो करने की कोशिश की है, उसकी सराहना करेंगे।" उन्होंने उल्लेख किया कि वह चरित्र वास्तविक जीवन में जो है उससे बहुत दूर है। अभिनेता ने बताया, "इसमें मेरा चरित्र, मानव, जो मैं वास्तविक जीवन में हूँ, उससे बहुत दूर है। मानव खचीर्ला, बिगड़ैल, मूडी लड़का है। इसलिए, उसे निभाने के लिए, मुझे पूरी तरह से कोई और बनना था और इन लक्षणों को चैनलाइज करना था।"आयुष्मान खुश हैं कि 'एन एक्शन हीरो' के ट्रेलर को दर्शकों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया है। इसको लेकर एक्टर ने कहा, "मैं रोमांचित हूं कि लोगों ने 'एन एक्शन हीरो' के ट्रेलर को पसंद किया है। मैं हमेशा स्क्रीन पर खुद को एक नए तरीके से पेश करना चाहता हूं और हर बार नएपन के साथ चमकने वाली स्क्रिप्ट की तलाश करता हूं। उस तरह की फिल्म होने के कारण 'एन एक्शन हीरो' से जुड़ा।"

लाइम लाइट से काफी दूर हैं मीनाक्षी शेषाद्रि

-करियर के टॉप पर छोड़ी थी इंडस्ट्री

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि आज लाइम लाइट से काफी दूर हैं। अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाली मीनाक्षी का कल जन्मदिन था। वे 58 वर्ष की हो गयी हैं। लंबे समय तक इंडस्ट्री पर राज करने वाली मीनाक्षी शादी के बाद वह फिल्मी दुनिया से गायब हो गईं और एक साधारण जिंदगी जीने लगीं। मीनाक्षी शेषाद्रि का असली नाम शशिकला है। मीनाक्षी इंडस्ट्री में उस वक्त टॉप पर थीं, जब कोई माधुरी दीक्षित को जानता तक नहीं था। मीनाक्षी ने साल 1981 में महज 17 साल की उम्र में मिस इंडिया का खिताब जीता था। इसके बाद वो उसी साल टोक्यो में मिस इंटरनेशनल कॉन्टेस्ट के लिए भारत को रिप्रेजेंट किया। बस फिर क्या था हर तरफ अखबारों और मैगजीन में बस मीनाक्षी की ही तस्वीरें छाई हुई थीं। तभी अभिनेता मनोज कुमार की नजर अखबार पर छपी शशिकला की तस्वीर पड़ी और उनकी खूबसूरती के कायल हो गए। मनोज कुमार ने शशिकला को अपनी फिल्म में बतौर एक्ट्रेस साइन करने का फैसला कर लिया था। मनोज ने मीनाक्षी को अपनी फिल्म 'पेंटर बाबू' के लिए साइन किया। ये पहली बार था जब शशिकला उर्फ मीनाक्षी ने पहली बार कैमरे का सामना किया था। हालांकि ये फिल्म फ्लॉप हो गई थी।मनोज कुमार के बाद शा-शकला उर्फ मीनाक्षी शेषाद्रि पर शो मैन कहे जाने वाले डायरेक्टर सुभाष घई की नजर पड़ी। सुभाष घई ने ये तय कर लिया था कि वो अभिनेत्री को अपनी फिल्म 'हीरो' से लॉंच करेंगे और उन्होंने किया भी। लेकिन यहा पर बात मीनाक्षी के नाम पर आ टिकी। मनोज कुमार और सुभाष घई ने मीनाक्षी को उनका नाम बदलने का सुझाव दिया। वहीं सुभाष घई म अक्षर को लकी मानते थे। इसलिए उन्होंने एक्ट्रेस को शशिकला से अपना नाम बदलकर मीनाक्षी रखने को क-हा। बस फिर क्या था उन्होंने अपने करियर में कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। मीनाक्षी ने देव आनंद, अमिताभ बच्चन, संजय दत्त, मिथुन चक्रवर्ती, सनी देओल, अनिल कपूर जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई हिट फिल्में की हैं।मीनाक्षी जब अपने करियर में कामयाबी के शिखर पर थी उसी दौरान उन्होंने फिल्मों को अलविदा कह दिया था। इसके बाद साल 1995 में उन्होंने इन्वेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूर के साथ शादी कर ली और अमेरिका के टेक्सास में जा कर बसीं। यही पर रहकर मीनाक्षी अपना एक डांस स्कूल चलाती हैं, जिसका नाम 'मीनाक्षी चैरिश डांस स्कूल' है। हाल ही में मीनाक्षी ने इंडियल आइडल शो पर एंट्री ली थी। सेट पर मीनाक्षी सभी के लिए अपने हाथों से साउथ इंडियन खाना बनाकर लाईं थीं। सभी को खाना खिलाते हुए मीनाक्षी ने कहा था, मैं यूएस जाकर मां बनी, वाइफ बनी, डांसर बनी और अब बावर्ची भी बन गई हूं। बता दें कि साल 80 और 90 के दशक में अपनी खूबसूरती और अदाकारी से मीनाक्षी शेषाद्री दर्शकों के दिलों पर राज करती थी। उन्होंने एक से बढकर एक शानदार फिल्मों में काम किया1

सारा संग अफेयर की अटकलों पर शुभमन ने किया रिएक्ट

-एक चैट शो के दौरान की सारा की तारीफ

मुबंई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान के संग अपने अफेयर अटकलों पर क्रि-केटर शुभमन गिल ने रिएक्ट किया है। उन्होंने एक चैट शो के दौरान सारा की तारीफ करने के साथ ही साथ अपनी डेटिंग अटकलों पर चुप्पी तोड़ी दी है। दरअसल, शुभमन गिल हाल ही में प्रीति और नीति सिमोस के पॉपुलर पंजाबी चैट शो दिल दिया गल्ला में बतौर गेस्ट शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर खूब सारी चटपटी बातें शेयर की। शो की होस्ट यानी पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा ने क्रिकेटर से पूछा गया कि बॉलीवुड की सबसे फिट फीमेल एक्टर कौन हैं? बिना देर किए शुभमन ने सारा अली खान का नाम लिया।आगे शो में शुभमन से सारा संग डेटिंग को लेकर सवाल किया तो उन्होंने उलझा देने वाला जवाब देते हुए कहा कहा, शायद। हालांकि जब उन पर कुछ जोर दिया गया और कहा गया कि सारा का सारा सच बोलो। इस पर क्रिकेटर ने शरमाते हुए एक बड़ी सी मुस्कान के साथ कहा, सारा दा सारा सच बोल दिया।। शायद हां शायद नहीं। अब शुभमन के इस जवाब से फैंस भी कन्फ्यूजन में पड़ गए हैं कि वो वकाई में सारा को डेट कर रहे हैं या ये सिर्फ अटकलें ही हैं। खैर जो भी आने वाले वक्त में ये बातें क्लीयर हो ही जाएंगी।बता दें कि सारा और शुभमन के डेटिंग की खबरें इसी साल अगस्त से सामने आई थीं। पहले इन दोनों को एक साथ फ्लाइट में ट्रेवल करते हुए देखा गया था। इसके बाद दोनों को साथ में एक रेस्टोरेंट में स्पॉट किया गया था। बता दें कि सारा अली खान के साथ नाम जुड़ने से पहले शुभमन गिल का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर के साथ भी जुड़ चुका है। बता दें कि सारा अली खान और क्रिकेटर शुभमन गिल के रिश्ते को लेकर सोशल मीडिया पर लंबे समय अटकलें लगाई जा रही हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सारा शुभमन को डेट कर रही हैं। बता दें कि सारा ने भले ही इन अटकलों पर अभी तक कोई रिएक्ट नहीं किया है लेकिन उन्हें अक्सर कई बार शुभमन के साथ में स्पॉट किया गया है।

पत्रकार की भूमिका में नजर आएगी अहाना

बालीवुड अभिनेत्री अहाना कुमरा ने कहा कि "मैंने कभी पत्रकार की भूमिका नहीं निभाई मेरे अब तक के करियर में और यह दिलचस्प है कि मैं भूमिका निभाने में सक्षम हूं और ऐसे महान कलाकारों की टुकड़ी का हिस्सा भी हूं जहां आपको अभिनेताओं, निर्देशक, सिनेमैटोग्राफर और निमार्ता के ऐसे अविश्वसनीय दल के साथ काम करने का अवसर मिला है। "काजोल और रेवती के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने बताया कि, "मेरा अनुभव अभूतपूर्व था, हालांकि मेरे पास काजोल के साथ ज्यादा सीन नहीं थे। हमारे साथ सिर्फ एक सीन था और उन्हें सीक्वेंस परफॉर्म करते हुए देखना अपने आप में एक अनुभव था।" ऐसी अभिनेत्री से सीखना अविश्वसनीय है जो अपने क्षेत्र में एक दिग्गज हैं और उद्योग में इतने लंबे समय से काम कर रही हैं। सेट पर उनकी ऊर्जा अविश्वसनीय थी।" रेवती द्वारा निर्देशित 'सलाम वेंकी' में काजोल मुख्य भूमिका में हैं। यह एक महिला और उसके जीवन में आने वाली विभिन्न समस्याओं की कहानी है।

अभिनेत्री गौहर खान ने शालीन भनोट पर उतरा गुस्सा, औरतों को कमजोर नहीं समझे

मुंबई (ईएमएस)। बिग बॉस के घर में आए दिन कोई न कोई ड्रामा दिख रहा है। एक ओर जहां निमृत-प्रियंका और टीना-सौंदर्या की घर में अक्सर कैट फाइट देखने को मिलती है, वहीं दूसरी तरफ बिग बॉस के घर में कभी खुद को एक-दूसरे का ब्रदर कहने वाले शालीन भनोट और गौतम विज भी अब एक-दूसरे के दुश्मन बन चुके हैं। हाल ही में जब कैप्टेंसी टास्क खेला गया, उस वक्त शालीन ने गौतम को घर की जनानी कहते हुए नॉमिनेट किया। शालीन का बार-बार गौतम की तुलना महिला से करना फैंस को बिल्कुल भी रास नहीं आया। सोशल मीडिया यूजर्स का ही नहीं, बल्कि अभिनेत्री गौहर खान का गुस्सा भी शालीन पर फूटा। सोशल मीडिया पर जहां एक तरफ लोगों ने गौतम विज को बार-बार लड़की बुलाने पर शालीन भनोट की क्लास लगा दी, वहीं दूसरी तरफ गौहर ने भी बार-बार महिला कहने पर ट्वीट कर अपना गुस्सा जाहिर किया।

गौहर ने लिखा, भनोट औरतें कमजोर नहीं होती। गौतम को औरत बुलाना बहुत ही अपमानजनक है और बेहद ही निराशाजनक है। अगर आपको किसी का अपमान करना है तब उसके व्यक्तित्व और गुणों पर करो। औरत कितनी स्ट्रांग होती है, वह तब आपके पैदा होने पर ही आपको पता लग जाना चाहिए। आपकी मां भी एक महिला हैं"। साजिद के कैप्टेंसी टास्क जीतने के बाद बिग बॉस में नॉमिनेशन टास्क खेला गया। जिसमें शाही और कुक शाही लोगों को छोड़कर रूम नंबर 4 और रूम नंबर 6 के सभी मेम्बर्स नॉमिनेटेड थे। हालांकि टास्क में प्रियंका ने अपना चालाक दिमाग चलाया और उन्होंने टीना और शालीन के साथ फेयर प्ले कहते हुए मिलकर टास्क खेला। जिसके बाद टीना दत्ता, शालीन भनोट, गौतम विज और सौंदर्या शर्मा घर से बेघर होने के लिए सीधे-सीधे नॉमिनेट हो गए। इस टास्क के दौरान गौतम और शालीन के बीच फिर से झगड़ा देखने को मिला।

बीमार लड़के की मां की भूमिका निभाएंगी काजोल

अभिनेत्री-निर्देशक रेवती के निर्देशन में बनी फिल्म 'सलाम वेंकी' में अभिनेत्री काजोल आगामी एक बीमार लड़के की मां की भूमिका निभाएंगी।

फिल्म के ट्रेलर का मुंबई में अनावरण किया गया। यह फिल्म एक मां-बेटे की जोड़ी की दिल को छू लेने वाली कहानी बताती है। ट्रेलर में काजोल के चरित्र और अभिनेता विशाल जेठवा द्वारा निभाए गए उनके बेटे के बीच के रिश्ते को दिखाया गया है। ट्रेलर जीवन का अधिकतम लाभ उठाने की थीम पर आधारित है और इसमें अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना-स्टारर फिल्म 'जिंदगी लंबी नहीं, बड़ी होनी चाहिए, बाबूमोशाय' का प्रसिद्ध संवाद है। इसमें विशाल के व्हीलचेयर से बंधे चरित्र को दिखाया गया है, जो अपने जीवन के बारे में नका-रात्मक होने के बजाय सब कुछ अपने रास्ते में ले लेता है। कनेक्ट मीडिया द्वारा प्रस्तुत और ब्लिव प्रोडक्शंस और आरटीकेई स्टू-डियोज के बैनर तले सूरज सिंह, श्रद्धा अग्रवाल और वर्षा कुकरेजा द्वारा निर्मित, 'सलाम वेंकी' 9 दिसंबर, 2022 को सिनेमाघरों में डेब्यू करेगी।

'बिग बॉस में 16': टीना दत्ता कप्तानी को लेकर भिडी

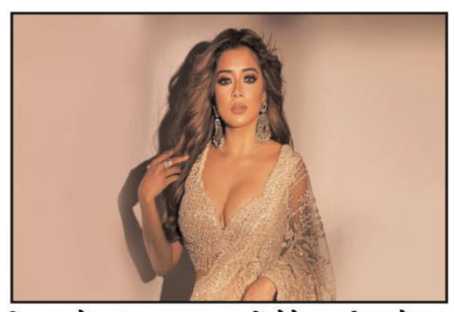

'बिग बॉस 16' में टीना दत्ता कप्तानी को लेकर शालिन भनोट, साजिद खान और एमसी स्टेन के साथ भिड़ती नजर आ रही हैं। 'बिग बॉस 16' में नए बने परिवार/ग्रुप में दरार पड़ती दिख रही है। नए एपिसोड में दिखाया गया है कि टीना दत्ता, साजिद खान, शालीन भनोट, निमृत कौर, एमसी स्टेन, शिव ठाकरे और अब्दु रोजिक इस हफ्ते घर के कप्तान बनने पर चर्चा कर रहे हैं। चर्चा के बीच, साजिद को यह कहते हुए सुना जाता है, "मैं इस सप्ताह कप्तान बनूंगा।" बाद में शालिन शिव से कहता है कि तुम हर बार कप्तान बनना चाहते हो। वहीं टीना भी कहती है, "मुझे भी कप्तान बनना है यार।" हालांकि, एमसी स्टेन कहते हैं, "टीना के कप्तान में कोई काम भी नहीं करेगा मेको ऐसा लगता है।" साजिद द्वारा वादा किए जाने पर उसका पक्ष नहीं लेने पर टीना परेशान हो जाती है और उससे उसी के बारे में सवाल करती है, "आधे घंटे पहले आपने मुझसे वादा किया था और अब आपने वादा तोड़ दिया है।" इस पर साजिद कहते हैं, "नहीं मैं मुकरा नही हूं।"

उर्फी जावेद और साक्षी द्विवेदी में हुई तीखी बहस

उर्फी जावेद और साक्षी द्विवेदी डेटि-टंग आधारित रियलिटी शो के आगामी एपिसोड में तीखी बहस करते नजर आएंगे। एमटीवी 'स्प्लिट्सविला एक्स4' की प्रतियोगी रही साक्षी अपने स्टाइल स्टेटमेंट और अपने द्वारा पहने जाने वाले कपड़ों के बारे में कुछ व्यक्तिगत टिप्पणियों से गुजरती है। यह सुनकर 'बिग बॉस ओटीटी' फेम भी उनकी पॉपुलैरिटी की तरफ इशारा करके उसी तरह से पलट-वार करते हैं। जब 20 वर्षीय स-ाक्षी, जो एक सोशल मीडिया स्टार हैं, उर्फी से कहती हैं, "अपने ड्रेसिंग स्टाइल को देखो।" "'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की अभिनेत्री आगबबूला हो जाती है और जवाब देती है, "मैं तुम्हें जानती हूं.तुम साक्षी द्विवेदी हो सही। 1 मिलियन फॉलोअर्स, 7000 लाइक्स, जाकार अपना मुह देखो। बाद में, मेजबान अर्जुन बिजलानी और सनी लियोन ने घोषणा की कि सभी लड़कियों को लड़कों से मिलने के लिए लड़ना होगा। 'स्प्लिट्सविला एक्स4' 12 नवंबर को शुरू हुआ था।

सूडोकु नवताल- 6256

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6255 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्दजाल - 7003

उ	जा	ला	ह	दा	प	उ	ड़ी	सा	झ	आ
ज	अ	ल	म	आ	मो	ल	ब्ब	तें	शा	अ
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ज	ढ	र	ला	ब
ज	कु	उ	ल	बे	ला	लू	उ	त	रा	ना
स	ति	श	द	व	दा	ल	उ	ग	वी	ट
री	रं	ल	चु	बि	लि	र्त	क्ष	दा	प	च
जो	उ	ल	के	गा	ला	म	उ	कौ	र	ले
श	ता	जीं	स	त	क	व	क	ग	श	ता
म	व	मि	न	व	न	ज	सा	शा	जू	द
द	ला	ल	म	ह	उ	ठ	ना	स	प	ना
थो	औ	र	प्या	र	उ	ल	झ	न	र	क

शब्दजाल में 'उ' से शुरु होने वाले दस शब्द ढूंढिए. दिये गए शब्द उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

उकसाना,उतावला,उलझन,उठना,उजाला, उड़ीसा,उलजलूल,उतराना,उदबिलाव, उदारता

शब्दजाल - 7002 का हल

क	र्म	मे	रि	दु	ला	रा	ल	क	लं	क
बू	खु	क	दू	इं	जी	क	शि	या	ड़	नी
त	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	ल	ह	प	ल
र	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	यु	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	क	ला	कि	यो	ग	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	ला	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	ई	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	क	र	ह	त्या	ल	वि	क
र	क	ल	श	रा	न	ज	जी	शा	जू	म
र	ग	ल	नो	मा	व	शि	का	री	टि	जो
बां	क	र	तू	त	च	ले	स	क	म	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5956

1		5		3		2
	32	7	32		30	
3		4	6			7
	22		37	7	39	
4		2			1	5
	34		34	5	28	
7		6	3		2	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5955 का हल

2	3	4	5	6	7	1
6	28	1	36	2	30	4
3	4	5	6	7	1	2
7	36	2	37	3	25	6
4	5	6	7	1	2	3
5	33	7	37	4	33	5
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

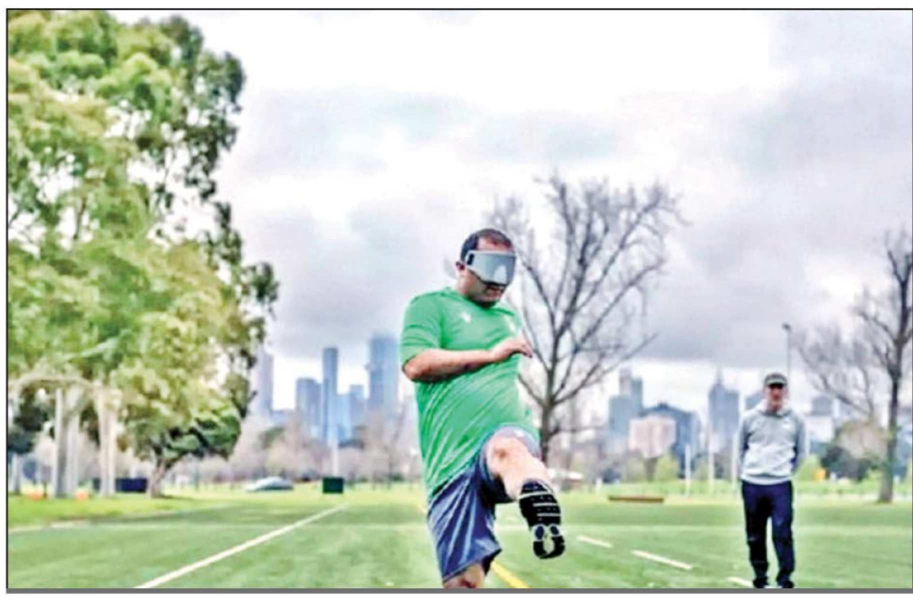

ऑस्ट्रेलियाई ब्लाइंड फुटबॉल टीम के कप्तान आमिर आब्दी : ईरान में बचपन से भेदभाव झेल रहे...धमकियों के कारण छोड़ा देश

क्वींसलैंड।
दिव्यांगता के चलते रोजाना के काम करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में एक एथलीट होना शायद कई लोगों के लिए आश्चर्यजनक हो। आमिर आब्दी ऐसे ही एक एथलीट हैं। जो इंटरनेशनल लेवल पर ब्लाइंड फुटबॉल खेलते हैं। वे इस समय भारत में सीरीज खेलने आए हैं।

आसान नहीं था सफर...असफल ऑपरेशन में गंवाई आंखों की रोशनी

आब्दी का इंटरनेशनल खिलाड़ी बनने का सफर बहुत कठिन था। उनका जन्म ईरान में हुआ था। वह एक कुर्द थे, इसलिए स्कूल में उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता था। आब्दी बताते हैं- 12 साल की उम्र में सिरदर्द की परेशानी की वजह से मुझे अस्पताल ले जाया गया। ऑपरेशन में हुई लापरवाही के कारण आंखों की रोशनी चली गई।

आंखों की रोशनी गंवाने के बाद आब्दी के सारे सपने खत्म हो गए थे। लेकिन, उनके मामा ने कभी हार नहीं मानी। उन्होंने आब्दी का दाखिला दिव्यांगों के स्कूल में करवाया, लेकिन कुर्द होने का कारण दाखिला नहीं मिला, जिसके बाद वह इस्फहान के एक स्कूल में पढ़े।

एक बार वे होमवर्क करके नहीं गए थे, तो उन्हें स्कूल के चक्कर लगाने की सजा मिली। वहां एक अध्यापक ने उन्हें खेलते देखा और उन्हें गोलबॉल की टीम में शामिल कर लिया।

2013 में ऑस्ट्रेलिया में शरणार्थी बनकर गए थे आब्दी

वह राजनीति से भी जुड़े और दिव्यांगों के बारे में जागरूकता बढ़ाने लगे, जिस कारण ईरान में उन्हें कई धमकियों का सामना करना पड़ा। फिर इसी वजह से 2013 में वे ऑस्ट्रेलिया में शरणार्थी बन गए। कुछ साल वह इमिग्रेशन डिटेंशन में रहे।

वहां भी वे गोलबॉल खेलते, जिसके बाद उन्हें अस्थायी वीजा दिया गया। बहुत मुश्किलों के बाद फरवरी 2022 में उन्हें टैलेंट वीजा दिया गया। वह मेलबर्न में ब्लाइंड फुटबॉल की तरफ आकर्षित हुए। अब आब्दी का सपना है ऑस्ट्रेलिया की ब्लाइंड फुटबॉल टीम को 2024 या 2028 के पैरालिम्पिक में क्वालिफाई करवाना।

न्यूज ब्रीफ

एश्टन एगर की हैरतअंगेज फील्डिंग: बाउंड्री पर हवा में उछल कर बचाए ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच रन

एडिलेड। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे पहले वनडे मैच में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर एश्टन एगर ने शानदार फील्डिंग का नजारा पेश किया और टीम के लिए पांच रन बचाए। उनकी फील्डिंग को देखकर स्टेडियम में बैठे दर्शक भी दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर हो गए। मैच का 45वां ओवर पैट कमिंस डाल रहे थे। इस ओवर की आखिरी गेंद पर इंग्लैंड के बल्लेबाज डेविड मलान ने मिडविकेट की ओर खेला। ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के बाहर गिरेगी और इंग्लैंड के खाते में 6 रन जुड़ेंगे। उसी समय वहां पर फिल्डिंग कर रहे एश्टन एगर ने जमीन से करीब 4 फुट ऊपर उछलकर गेंद को पकड़ा। जब उन्होंने देखा कि वह बाउंड्री लाइन के बाहर गिरेंगे, तब उन्होंने पहले गेंद को अंदर फेंक दिया। मलान को केवल एक रन मिला। इस तरह एश्टन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए पांच रन बचाए। एगर की इस फील्डिंग का मैच का कमेंट्री कर रहे कमेंटेटर्स ने भी तारीफ की। बाद में मलान का कैच एश्टन ने ही पकड़ा। ऑस्ट्रेलियाई कैप्टन पैट कमिंस ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसके ओपनर फिलिप शॉल्ट 18 रन के स्कोर पर आउट हो गए। इंग्लैंड के 3 विकेट 31 रन पर गिर चुके थे। तब डेविड मलान ने इंग्लैंड की पारी को संभाला। उन्होंने 128 गेंदों पर 134 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और 4 छक्का भी जड़ा। इंग्लैंड ने 9 विकेट पर 287 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस ने 10 ओवर में 62 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं एडम जंपा भी 10 ओवर में 55 रन देकर 3 विकेट लिए। जबकि मिचेल स्टार्क और मार्कस स्टोइनिस को 1-1 विकेट मिले।

प्रगनाननंदा ने दर्ज की पहली जीत, अर्जुन को मिली लगातार तीसरी हार

नई दिल्ली । भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनाननंदा ने सेन फ्रांसिस्को मेल्टवाटर चैंपियंस टूर फाइनल्स शतरंज टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज की। अन्य भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा। प्रगनाननंदा ने तीसरे दौर में वियतनाम के लिएम कुआंग ली को 3-0 से हराया, लेकिन एरिगेसी को अमेरिका के वेस्ली सो के खिलाफ 0.5-2.5 से हार झेलनी पड़ी। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए अजरबेजान के शखरियार मामेदयारोव को 3-0 से हराया जबकि पोलैंड के यान क्रिस्टोफ डुडा ने भी नीदरलैंड के ग्रैंडमास्टर अनीष गिरी को 2.5-0.5 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। आठ खिलाड़ियों के इस टूर्नामेंट में प्रगनाननंदा (4 अंक) चौथे स्थान पर पहुंच गए। 17 साल के प्रगनाननंदा ने ली को पहली बाजी में 41 चाल में हराया और फिर दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए 46 चाल में जीत दर्ज की। तीसरी बाजी में भारतीय ग्रैंडमास्टर ने 53 चाल में जीत के साथ मुकाबला अपने नाम किया। वह अगले दौर में सो से भिड़ेंगे। यह टूर्नामेंट राउंड रोबिन आधार पर खेला जा रहा है। सबसे अधिक अंक जुटाने वाला खिलाड़ी विजेता बनेगा।

मनिका बत्रा ने किया उलटफेर, दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी को हराया, क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली । मनिका बत्रा ने एशिया कप टेबल टेनिस में बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व नंबर सात चीन की चेन जिंगटांग को सात गेमों के संघर्ष में पराजित किया। मनिका इस जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गईं, जहां उनका सामना ताईपे की चेन जू यू से होगा। वहीं, विश्व नंबर 39 देश के नंबर पुरुष पैडलर जी साथियान को सात गेमों के संघर्ष में पांचवीं वरीय जापान के यूकिया उदा से हार का सामना करना पड़ा। विश्व नंबर 44 मनिका ने चेन को 8-11, 11-9, 11-6, 11-6, 9-11, 8-11, 11-9 से पराजित किया। मनिका ने कहा कि यह कुछ ही समय में किसी चीनी खिलाड़ी पर उनकी यह तीसरी जीत है।

मूकोको सबसे युवा तो अल्फ्रेडो सबसे उम्रदराज फीफा विश्व कप के खिलाड़ी

दोहा।

फीफा वर्ल्ड कप में अब बस कुछ ही घंटों का समय बचा है। 20 नवंबर से इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो जाएगी। पहले मैच में मेजबान कतर और इक्वाडोर आमने-सामने होंगे। अरब देशों में यह खेला जाने वाला पहला फीफा वर्ल्ड कप है। इस साल 32 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें चार-चार के आठ ग्रुप में बांटा गया है। हर ग्रुप से दो-दो टीमें नॉकआउट राउंड यानी राउंड ऑफ-16 में पहुंचेंगी। वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले हम आपको इस विश्व कप में सबसे युवा, सबसे बुजुर्ग, हाइट में सबसे लंबा और सबसे छोटा खिलाड़ी समेत खिलाड़ियों से जुड़े कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बता रहे हैं...

सबसे युवा खिलाड़ी: यूसूफा मूकोको (जर्मनी) - जर्मनी की टीम विश्व कप जीतने के मुख्य दावेदारों में से एक है। टीम में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। हालांकि, टीम में दो खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन पर सभी की नजरें टिकी होंगी। इनमें 18 साल के जमाल मुसियाला और 17 साल के यूसूफा मूकोको शामिल हैं। यूसूफा इस साल फीफा वर्ल्ड कप के सबसे युवा खिलाड़ी हैं। उन्हें मौजूदा समय में जर्मनी का उभरता सितारा माना जा रहा है। बुंदेसलीगा में इस सीजन उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। बोरूसिया डॉर्टमंड से खेलते हुए यूसूफा ने छह गोल दागे हैं और तीन असिस्ट किए हैं। अपने प्रदर्शन से यूसूफा ने जर्मनी के मैनेजर हांसी फ्लिक का ध्यान उन्होंने अपनी ओर खींचा। स्टार फुटबॉलर टिमो वर्नर के चोटिल होने के बाद यूसूफा को जर्मन स्क्वॉड में शामिल किया गया।

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी: अल्फ्रेडो तलवेरा (मैक्सिको) - इस विश्व कप में कई टीमों ने अनुभव को भी अपनी टीम में शामिल किया है। इनमें 39 साल के डैनी एल्वेस (ब्राजील), 38 साल के टिएगो सिल्वा (ब्राजील), 37 साल के लुका मॉड्रिच (क्रोएशिया) और 37 साल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो (पुर्तगाल) शामिल हैं। हालांकि, मैक्सिको के गोलकीपर अल्फ्रेडो तलवेरा इस विश्व कप में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। अल्फ्रेडो की उम्र 40 साल है और वह क्लब स्तर पर एफसी जुआरेज के लिए खेलते हैं। वह इस विश्व कप के दिग्गज फुटबॉलर्स में से एक हैं। उनके हमवतन और साथी गोलकीपर गुलेरमो ओचोआ भी 37 साल के हैं।

सबसे छोटी हाइट का खिलाड़ी: इलायस केयर (मोरक्को, 5 फिट, दो इंच) - मोरक्को की टीम भी इस साल बड़ा उलटफेर कर सकती है। टीम का दायित्व उनके 10 नंबर की जर्सी पहनने वाले इलायस केयर के हाथों में होगा। यह स्टार कम हाइट के बावजूद सामने वाली टीम को हैरान करने में माहिर है। मैदान पर इनकी स्पीड और स्किल देखने लायक होती है। यही वजह है कि टीम में उन्हें नंबर-10 की जर्सी दी गई है। मोरक्को को ग्रुप-एफ में बेल्जियम, कनाडा और क्रोएशिया के साथ रखा गया है। क्लब लेवल पर इलायस का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने इंग्लिश चैंपियनशिप में क्लब क्यूपीआर से खेलते हुए इस सीजन तीन गोल दागे और छह असिस्ट किए।

सबसे लंबी हाइट वाला खिलाड़ी: एंड्रियास नोपर्ट (नीदरलैंड, छह फिट, छह इंच) - नीदरलैंड के गोलकीपर एंड्रियास इस विश्व कप में सबसे लंबे खिलाड़ी हैं। वह लुईस वान गाल की टीम में जगह बनाने में कामयाब रहे। क्लब हीरेनवीन के लिए उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। 14 मैचों में उन्होंने छह बेहतरीन सेव किए थे। नीदरलैंड की टीम अपने इस प्रतिभाशाली गोलकीपर पर निर्भर रहेगी कि अपने क्लब परफॉर्मेंस को वह विश्व कप में भी दोहरा सकें।

सबसे ज्यादा मैच: लियोनल मेसी (अर्जेंटीना) - अर्जेंटीना के कप्तान और इस विश्व कप के स्टार खिलाड़ियों में से एक लियोनल मेसी पर इस साल सबकी नजरें होंगी। यह उनका आखिरी विश्व कप है। ऐसे में वह अपने देश के लिए ट्रॉफी जीतने की पूरी कोशिश करेंगे। मेसी पहली बार 2006 फीफा वर्ल्ड कप में खेले थे और यह उनका पांचवां विश्व कप है। उनके नाम फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा 19 मैच खेलने का भी रिकॉर्ड है। साथ ही अपने देश के लिए भी वह सबसे ज्यादा मैच खेल चुके हैं। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 165 मैच खेले हैं और 91 गोल दागे हैं। दोहा से वह ट्रॉफी लेकर अपने घर लौटना चाहेंगे।

सबसे ज्यादा गोल और असिस्ट: थॉमस मूलर (जर्मनी) - इस विश्व कप में हिस्सा ले रहे खिलाड़ियों में टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा गोल और असिस्ट का रिकॉर्ड जर्मनी के स्टार फॉरवर्ड थॉमस मूलर के नाम है। उन्होंने अब तक इस टूर्नामेंट में 10 गोल और छह असिस्ट किए हैं। थॉमस को जर्मन स्क्वॉड में रेडियो मूलर के नाम से भी जाना जाता है। इस खिलाड़ी को मैदान पर काफी चतुर माना जाता है। इस विश्व कप में मूलर विपक्षी टीमों के लिए बड़ा खतरा बन सकते हैं। 2014 में जब जर्मनी की टीम फीफा वर्ल्ड कप जीती थी, तो उसमें मूलर का अहम किरदार रहा था। उन्हें उस साल सिल्वर बॉल अवॉर्ड भी मिला था। जब भी टीम को गोल की जरूरत होती है, मूलर ही तब एकमात्र विकल्प होते हैं।

गोपी टी व हेतराम आदि स्टार धावक पहुंचे प्रयागराज, इंदिरा मैराथन में दौड़ेंगे

प्रयागराज।

37वीं इंदिरा मैराथन में दौड़ने के लिए दिग्गज व स्टार धावकों के प्रयागराज पहुंचने का क्रम शुरू हो गया है। 17 नवंबर की देर रात तक कई प्रदेशों से धावक पहुंच चुके हैं। अधिकांश धावकों ने मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में ट्रैक पर वार्मअप दौड़ लगाई। उन्होंने अपनी तैयारियों को परखा।

ओलंपियन गो पीटी ने लगाई दौड़ : इस बार इंदिरा मैराथन में हिस्सा ले रहे ओलंपियन गोपी टी भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। पहली बार वह इंदिरा मैराथन में हिस्सा ले रहे हैं। वह 17 नवंबर को प्रयागराज पहुंच गए और स्टेडियम में उन्होंने इंदिरा मैराथन आयोजन समिति के पदाधिकारियों से मुलाकात की। सुबह अपने अन्य साथियों के साथ मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में पहुंचे और यहां सिंथेटिक ट्रैक के लिए किए गए डामरीकरण पर दौड़ लगाई। लगभग आधे घंटे तक हल्का अभ्यास करने के बाद रवाना हुए।

2021 के कांस्य पदक विजेता हेतराम ने परखी तैयारी : 2021 में हुई 36 इंदिरा मैराथन में कांस्य पदक विजेता हेतराम भी प्रयागराज पहुंचे और सुबह मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में वार्म अप के साथ हल्की दौड़ लगाई और अपनी तैयारियों को परखते हुए स्टेडियम की दूरी का आकलन किया। इस दौरान खिलाड़ियों के बीच तकनीकी विषय पर चर्चा हुई साथ ही इंदिरा मैराथन में कौन-कौन इस बार शामिल हो रहा है, इसे लेकर भी लंबी वार्ता होती रही।

स्टेडियम में चल रही तैयारी : 37वीं इंदिरा मैराथन का आयोजन 19 नवंबर की सुबह 6:30 बजे से आनंद भवन से होगा। 6:30 बजते ही एयर गन से गोली की आवाज छूटेगी और हरी झंडी दिखाकर धावकों को रवाना किया जाएगा। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में इंदिरा मैराथन की तैयारी का अंतिम चरण चल रहा है। मैदान के बीचोंबीच समापन स्थल के लिए एक मंच बनाया जा रहा है। सामने अतिथियों के बैठने के लिए भी कुर्सियां व सोफा आदि लगाकर व्यवस्थित कर दिया गया है। ट्रैक के किनारे रंगीन ध्वज लगाकर स्टेडियम को आकर्षक रूप भी दे दिया गया है।

कतर में फुटबॉल विश्व कप देखने जा रहे तो नहीं करें ये काम, गर्लफ्रेंड को लेकर गए तो नहीं मिलेगा रूम

नई दिल्ली ।

कतर में रविवार (20 नवंबर) से फुटबॉल विश्व कप का आगाज होने वाला है। पहली बार यह टूर्नामेंट मिडिल-ईस्ट में खेला जाएगा। साथ ही पहली बार नवंबर-दिसंबर में इसका आयोजन हो रहा है। कतर ने टूर्नामेंट के आयोजन के लिए अरबों रूपये खर्च किए हैं। उसने फैंस की सुविधाओं के लिए कई सारे इंतजाम किए हैं, लेकिन वहां के कई नियमों के कारण उसकी आलोचना हो रही है। इन नियमों को तोड़ने पर कड़ी सजा हो सकती है। हैय्या कार्ड के बिना नहीं चलेगा काम: फुटबॉल के महाकुंभ को देखने के लिए पहली शर्त हैय्या कार्ड है। कतर में टूर्नामेंट देखने की ये पहली शर्त है। इसके बिना वहां एंट्री नहीं मिलेगी। जिनके पास हैय्या कार्ड होगा वही स्टेडियम में मैच देखने जा सकते हैं। इस कार्ड को लेकर फैंस मैच के दिन फ्री में पब्लिक ट्रांसपोर्ट का लाभ उठा सकते हैं। बच्चों के लिए भी यह कार्ड जरूरी है। कार्ड के लिए फीफा फुटबॉल विश्व कप 2022 के आधिकारिक वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके रहने पर वीजा की आवश्यकता नहीं होगी। कार्ड को दिखाकर आप वहां 23 जनवरी 2023 तक रुक सकते हैं। शराब छलकाने पर कई पाबंदियां: कतर में शराब प्रतिबंध है। इस कारण विश्व कप देखने वालों को बड़ा झटका लगा था। हालांकि, कतर में नियमों में छूट दी। फैंस को शराब पीने की अनुमित तो मिलेगी, लेकिन मैच के दौरान नहीं। वह मैच से तीन घंटे पहले और एक घंटे बाद तक शराब नहीं खरीद सकते हैं। नियम तोड़ने पर जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है।

कपड़े पहनने को लेकर अलग से नियम: विश्व कप के दौरान महिला और पुरुष दोनों के लिए कपड़ों को लेकर भी कई नियम बनाए गए हैं। महिलाएं टाइट फिटिंग कपड़े नहीं पहन सकती हैं। इसके अलावा उनके कंधे से ऊपर का हिस्सा ढका होना चाहिए। वह घुटने से ऊपर के कपड़े भी नहीं पहन सकेंगी। महिलाओं को ऐसे कपड़े पहनने होंगे जो उनके पैरों को पूरी तरह ढकता हो। महिलाओं के अलावा पुरुष फैंस भी घुटनों से ऊपर के कपड़े नहीं पहन सकेंगे। साथ ही वह मैच के दौरान स्टेडियम में शर्ट नहीं उतार पाएंगे।

गर्लफ्रेंड के साथ होटल रूम में नहीं मिलेगी एंट्री: कतर में गर्लफ्रेंड के साथ अगर आप जा रहे हैं तो आपको होटल रूम में एंट्री नहीं मिलेगी। वहां के होटलों में शादीशुदा जोड़ों को ही जगह दी जाएगी। कतर में शादी से पहले संबंध बनाना अपराध है।

भारत-न्यूजीलैंड मैच बारिश के कारण रद्द: दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेलकर किया टाइमपास, दूसरा मैच 20 नवंबर को

वेलिंगटन।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से रद्द कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद भारतीय टीम पहला मुकाबला खेलने उतरी थी। दोनों टीमों के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में फुटबॉल खेलकर टाइमपास करते नजर आए। बीसीसीआई ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। अब दूसरा टी-20 मैच 20 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेला जाएगा।

भारतीय समयानुसार यह मैच दोपहर 12 बजे शुरू होना था, लेकिन वेलिंगटन में लगातार बारिश हो रही थी। डेढ़-पौने दो घंटे तक बारिश रुकने का इंतजार किया गया, लेकिन वह नहीं रुकी। इसके बाद मैच को रद्द करने का फैसला लिया गया।

भारतीय सिलेक्टर्स ने इस दौरे में युवाओं पर दांव खेला है। टीम की कमान हार्दिक पंड्या के पास है। उनके सामने न्यूजीलैंड को उसके घर में हराने की चुनौती है। पिछली बार उन्हें आयरलैंड दौरे में टीम का कप्तान बनाया गया था। जहां से वे जीत कर लौटे थे। इस बार सामना केन विलियमसन की कप्तानी वाली टीम से है।

सूर्यकुमार यादव तोड़ सकते हैं रिजवान का रिकॉर्ड - सूर्यकुमार यादव के पास एक साल में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने का मौका है। अभी यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान के नाम है। सूर्या को कितने रन की जरूरत है, यह आप अगली तस्वीर में देख सकते हैं।

पंत, पंड्या, भुवी और चहल ही सीनियर - इस सीरीज के लिए सिलेक्टर्स ने युवाओं पर भरोसा जताया है। वहीं भुवनेश्वर कुमार, युजवेंद्र चहल, ऋषभ पंत और हार्दिक पंड्या बतौर सीनियर भेजे गए हैं। टीम के अधिकतर खिलाड़ी नए और अनुभवहीन हैं। ऐसे में कहा जा रहा है कि सिलेक्टर्स भविष्य की टीम खोज रहे हैं। जो टीम इंडिया को आईसीसी ट्रॉफी दिला सकें। बता दें कि टीम इंडिया को अगले साल वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी भी करनी है। ऐसे में सिलेक्टर्स की नजरें उस मेगा टूर्नामेंट की तैयारी पर भी होगी।

फीफा वर्ल्ड कप में रूस-यूक्रेन युद्ध का असर: फाइटर जेट के पहरे में कतर पहुंची पोलैंड की टीम

कतर।

पोलैंड फुटबॉल टीम फीफा वर्ल्ड कप के लिए कतर पहुंच गई है। वर्ल्ड कप का पहला मैच 20 नवंबर को खेला जाना है, जबकि फाइनल 18 दिसंबर को खेला जाएगा। पोलैंड की टीम को अपने हवाई क्षेत्र में लड़ाकू विमान स्न16 ने एस्कॉर्ट किया। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

दरअसल, मंगलवार को एक मिसाइल हमले में यूक्रेन सीमा से सटे पोलैंड के एक गांव में दो लोगों की मौत हो गई थी। ऐसा माना जा रहा था कि यह मिसाइल रूस की थी। जिसके बाद पोलैंड की सरकार ने फुटबॉल टीम को अपने हवाई क्षेत्र में सुरक्षा देने का फैसला किया। फुटबॉल के साथ सेना के दो लड़ाकू विमान भी चल रहे थे।

1986 के बाद नॉकआउट में नहीं खेली है

रॉबर्ट लेवानडॉस्की की कप्तानी में टीम कतर पहुंची है। पोलैंड की टीम 1986 के बाद नॉकआउट नहीं खेली है। पोलैंड की टीम ग्रुप सी में है। इस ग्रुप में अर्जेंटीना, सऊदी अरब, मैक्सिको की टीम है।

इस टूर्नामेंट में दुनियाभर की 32 सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिन्हें आठ ग्रुपों में बांटा गया है।

20 नवंबर से 2 दिसंबर के बीच 14 दिन में कुल 48 ग्रुप मैच खेले जाएंगे। हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें राउंड ऑफ-16 में पहुंचेगी। नॉक आउट मुकाबले 3 दिसंबर से शुरू होंगे। इसके बाद क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल के मुकाबला होगा। फाइनल मैच 18 दिसंबर को खेला जाएगा।

कब से शुरू हुआ रूस-यूक्रेन युद्ध

24 फरवरी 2022 से दोनों देशों के बीच युद्ध शुरू हुआ। दोनों के बीच ताजा विवाद की असली वजह समझने के लिए इतिहास में थोड़ा पीछे जाना पड़ेगा।

20वीं सदी की शुरुआत में यूक्रेन रूस साम्राज्य का हिस्सा था। 1917 में ब्लादिमीर लेनिन के नेतृत्व में हुई रूसी क्रांति के बाद 1918 में यूक्रेन ने आजादी की घोषणा कर दी, लेकिन 1921 में लेनिन की सेना से हार के बाद 1922 में यूक्रेन सोवियत संघ का हिस्सा बन गया। यूक्रेन में रूस से आजादी के लिए संघर्ष चलता रहा और रूस के खिलाफ कई हथियारबंद समूहों ने विद्रोह की कोशिश की, जो सफल नहीं हुई। 1954 में सोवियत संघ के सर्वोच्च नेता निकिता ने इस विद्रोह को दबाने के लिए क्रीमिया आइलैंड को यूक्रेन को तोहफे में दे दिया था। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद यूक्रेन ने अपनी आजादी का ऐलान कर दिया।

आजाद होते ही यूक्रेन रूसी प्रभाव से मुक्ति की कोशिशों में जुट गया और इसके लिए उसने पश्चिमी देशों से नजदीकियां बढ़ाईं।

2010 में रूस समर्थित विक्टर यानुकोविच यूक्रेन के राष्ट्रपति बने। यानुकोविच ने रूस के साथ करीबी संबंध बनाए और यूक्रेन के यूरोपियन यूनियन से जुड़ने के फैसले को खारिज कर दिया, जिसका यूक्रेन में कड़ा विरोध हुआ।

इसकी वजह से 2014 में विक्टर यानुकोविच को पद छोड़ना पड़ा। उसी साल यूक्रेन के राष्ट्रपति बने पेट्रो पोरोशेंको ने यूरोपियन यूनियन के साथ डील साइन कर ली।

श्रद्धा वालकर और आफताब अमीन पूनावाला की प्रेम कहानी के दर्दनाक अंत की दास्तां, जिस किसी ने सुनी उसकी रूह कांप उठी। कोई कैसे उस शख्स को मारकर उसके 35 टुकड़े कर से सकता है, जिसके साथ उसने पूरी जिंदगी बिताने का इरादा किया हो? प्रेम करना कोई अपराध नहीं है। प्यार में मजहब की दीवार लांघने में भी कोई बुराई नहीं है, लेकिन धर्म और पहचान छिपाकर किसी से शादी करना गलत है। ऐसी प्रेम कहानियों का अंजाम आमतौर पर बेहद खौफनाक होता है। आइए आपको ऐसी ही कुछ प्रेम कहानियां सुनाते हैं, जिसमें धर्म छिपाकर किया प्यार और फिर बेहद दर्दनाक हुआ अंजाम। क्यों प्रेम विवाह में सिर्फ लड़कियों पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया जाता है? उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में रहने वाला सूफियान परिचित निधि गुप्ता पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहा था। जब वह नहीं मानी, तो चौथी मंजिल से नीचे फेंक दिया। गंभीर अवस्था में निधि को ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि काफी दिन से सूफियान, निधि को परेशान कर रहा था। आरोपित ने निधि को एक मोबाइल फोन भी दिया था। परिवारजन ने निधि से फोन के बारे में पूछताछ की तो पता चला कि सूफियान उसे अक्सर छेड़छाड़ करता है। आरोपित ने ही निधि को जबरन फोन दिया था और मतांतरण का दबाव बना रहा था। मजदूर ठेकेदार मुस्लिम युवा गफ्फार खां ने बिहार में एक हिंदू युवती से जान पहचान बढ़ा ली। खुद को गफ्फार खां की जगह गफ्फार सिंह बता उसे प्यार के झांसे में लिया और बिहार से यहां अपने गांव ले आया। जब उसे युवक के मुस्लिम होने की जानकारी हुई, तो घर जाने की कोशिश की, लेकिन आरोपित युवक ने उसे जबरन बंधक बना लिया और उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। इसके बाद दबाव बनाकर निकाह कर लिया। दोनों की एक बेटी भी हुई। अब दूसरी शादी कर उसे घर से निकाल दिया। युवती ने मंगलवार को एसपी के यहां गुहार लगाई और न्याय की मांग की है। उत्तर प्रदेश के बहराइच में रहने वाले महमूद खान ने खुद को रौनक चौरसिया बताकर एक हिंदू युवती को प्रेम जाल में फंसाया। युवती को जब सच्चाई का पता चला, तो उसने विरोध किया। तब महमूद खान ने बताया कि उसने युवती की अश्लील वीडियो बना ली है। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महमूद ने युवती से जबरन निकाह कर लिया। इसके बाद लगातार दो साल तक महमूद उसका यौन शोषण करता रहा। युवती सहती रही, लेकिन एक दिन महमूद ने हद पार कर दी। महमूद ने युवती को बुरी तरह पीटा, बाल काटे और घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद महमूद को गिरफ्तार कर लिया गया। हरियाणा के यमुनानगर की पूजा (बदला हुआ नाम) की एक युवक के साथ सोशल मीडिया पर दोस्ती हुई। इस युवक ने खुद को हिंदू बताया था और पूजा को प्रेमजाल में फंसा लिया। कुछ दिनों बाद दोनों ने शादी कर ली। धर्म छिपाकर की गई ये शादी लगभग पांच साल तक चली। इस दौरान युवक ने पूजा का कई बार गर्भपात कराया। इसके पीछे क्या वजह थी, कभी वह परिवारवालों को नहीं बताता था। पूजा की भाभी ने बताया कि जब युवक की सच्चाई का पता चला, तो सभी सन्न रह गए। पूजा ने जब विरोध किया, तो युवक ने बताया कि उसकी कई अश्लील वीडियो बना रखी हैं। अगर पुलिस से शिकायत की तो अंजाम ठीक नहीं होगा। पूजा इससे डिप्रेशन में चली गई और कुछ दिनों पहले उसने मौत को गले लगा लिया। दिल्ली में आफताब और श्रद्धा की प्रेम कहानी का खौफनाक अंजाम सुन सबकी रूह कांप गई। श्रद्धा ने परिवार का विरोध कर मजहब की दीवार को लांघ कर अफताब के साथ जीवन बिताने का फैसला किया था। अफताब ने श्रद्धा का कत्ल कर उसके शव के 35 टिकड़े कर दिए। दो दिन से महरौली का जंगल छान रही दिल्ली पुलिस को अब तक श्रद्धा के शव के करीब 25 टुकड़े ही बरामद हुए हैं। इसमें करीब आठ घंटे की तलाशी के बाद 11 टुकड़े मंगलवार को मिले, जबकि 14 टुकड़े सोमवार को बरामद किए गए थे। अफताब ने क्यों श्रद्धा को दर्दनाक मौत दी, इस राज से अभी तक पर्दा नहीं उठा है। पुलिस नार्को टेस्ट कर सच्चाई तक पहुंचना चाहती है। मनोविज्ञानी मानते हैं कि महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए हमें समाज को पुरातनपंथी सोच से प्रगतिशील मानसिकता की ओर ले जाना चाहिए। प्राथमिक स्तर पर इस बात को ध्यान में रखा जाए कि बच्चों के मन-मस्तिष्क में लड़का या लड़की के लिए विभेदकारी दृष्टिकोण न बनने पाए, क्योंकि यह आगे चलकर पूर्वाग्रह पैदा करता है। समाज को समय के साथ अपने नैतिकता के मानदंडों को भी परिवर्तित करने की जरूरत है। हमें पुरुषों की सोच बदलने की जरूरत है, तभी समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकेगा।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करने के लिए जरूर करें तुलसी से जुड़े कुछ उपाय

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को अत्यंत सौभाग्यशाली माना जाता है। यही कारण है कि अधिकांश घरों के बगीचे में कम से कम एक तुलसी का पौधा जरूर मौजूद रहता है। शास्त्रों में बताया गया है कि तुलसी में माता लक्ष्मी वास करती हैं, इसलिए इनकी पूजा करने से भक्तों पर मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा सदैव बनी रहती है। मान्यता है कि नियमित रूप से माता तुलसी की पूजा और उनसे जुड़े उपाय करने से भक्तों को विशेष लाभ मिलता है। साथ ही उनके जीवन से कई प्रकार की समस्याएं दूर हो जाते हैं। ऐसा करने से धन-संबंधित समस्याएं दूर हो जाती हैं और कई प्रकार के दोष से मुक्ति मिलती है। ज्योतिष शास्त्र में तुलसी से जुड़े कुछ उपाय बताए गए हैं जिन्हें करने से व्यक्ति और उसके परिवार को विशेष लाभ मिलता है। आइए जानते हैं- शास्त्रों में बताया गया है कि तुलसी की मंजरी भगवान शिव को अर्पित करने से महादेव प्रसन्न होते हैं और भक्तों की आर्थिक समस्याएं दूर हो जाती हैं। साथ ही व्यक्ति को धन लाभ होता है। पुराणों में यह भी बताया गया है कि भगवान विष्णु को तुलसी अत्यंत प्रिय है इसलिए उन्हें भोग अर्पित करते समय तुलसी पत्र का प्रयोग किया जाता है। साथ ही उन्हें तुलसी की मंजरी प्रदान करने से अज्ञानता के कारण हुए पापों से मुक्ति मिल जाती है। एक उपाय यह भी है कि हर दिन गंगाजल में तुलसी पत्र या मंजरी मिलाकर घर में जल का छिड़काव करने से घर की सभी नकारात्मकताएं दूर हो जाती हैं। इसके साथ धन हानि की सम्भावनाएं रुक जाती हैं। केवल इस बात का ध्यान रखें कि तुलसी पत्र पैरों के नीचे ना आए। शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी को तुलसी की मंजरी अर्पित करने से भी भक्तों को विशेष लाभ मिलता है। मान्यता है कि ऐसा करने से मां सदैव घर में वास करती हैं और व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

कश्मीर में शुरू हुई बर्फबारी, धरती पर देखें जन्नत का नजारा

कश्मीर को धरती का स्वर्ग यूं ही नहीं कहा जाता है। यहां की खूबसूरत वादियां और प्राकृतिक नजारा हर किसी का मन मोह लेती हैं। खासतौर से, ठंड के मौसम में जब बर्फबारी होती है तो लगता है कि धरती पर स्वर्ग का नजारा देख रहे हों। सालभर सैलानी कश्मीर में स्नोफॉल होने का इंतजार करते हैं। अगर आप भी लंबे समय से स्नोफॉल की प्रतीक्षा में थे, तो अब आपकी प्रतीक्षा समाप्त हुई, क्योंकि कश्मीर में इस साल की पहली स्नोफॉल हो चुकी है। बर्फबारी होने के बाद कश्मीर की असली खूबसूरती साफ झलक रही हैं। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट आ चुकी है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

सोनमर्ग और गुलमर्ग का बदला नजारा : गुलमर्ग को लोग कश्मीर का ताज कहते हैं और यहां पर बर्फबारी होने के बाद वादियों की खूबसूरती में चार-चांद लग गए हैं। गुलर्म के अलावा सोनमर्ग और पहलगाम में भी मौसम की पहली बर्फबारी हो चुकी है। बता दें कि इस साल गुलमर्ग और पहलगाम में करीब 3 से 4 इंच तक बर्फ रिकॉर्ड की गई है। ऐसा माना जा रहा है कि बर्फबारी के कारण अब पर्यटकों की

संख्या में भारी वृद्धि देखने को मिलेगी।

कश्मीर में घूमने की जगहें : अगर आप भी इस साल सर्दियों में कश्मीर घूमने का मन बना चुके हैं तो ऐसे में आप सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम के अलावा कुपवाड़ा, पुलवामा, अनंतनाग, यशमर्ग, कारगिल, निशात गार्डन, जामा मस्जिद, अरु घाटी आदि जगहों पर जा सकते हैं। इन जगहों की खूबसूरती विंटर में और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

जरूर बरतें एहतियात : यूं तो विंटर में कश्मीर घूमना एक अच्छा विचार है। लेकिन कभी-कभी भारी बर्फबारी होने के कारण कुछ रास्तों को ब्लॉक कर दिया जाता है। इसलिए जब भी आप वहां जाने की प्लानिंग करें तो पहले एक बार इंटरनेट पर रिसर्च जरूर कर लें। साथ ही, अब वहां तापमान में काफी गिरावट आ चुकी है तो ऐसे में आप अपनी पैकिंग पर भी विशेष रूप से ध्यान दें। अन्यथा आपको घूमने के दौरान परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। कश्मीर पहुंचने के लिए सबसे अच्छा तरीका हवाई जहाज का माना जाता है। हालांकि, आप रोड मार्ग से भी जा सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**